पटना, मंगलवार
10 मार्च, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

www.jagran.com
बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

ईरान संकट से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए बढ़ सकती हैं आर्थिक चुनौतियां 9
मुख्य चुनाव आयुक्त ने बंगाल डीजी को लगाई फटकार, बोले- हमें सब पता है 11

पटना में शुरू होगी 'अल्ट्रा पाड्स' सेवा, जुड़ेगा सचिवालय क्षेत्र

आधुनिक परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में नई पहल करेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : बिहार सरकार राजधानी पटना में स्मार्ट और आधुनिक परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में नई पहल करने जा रही है। जिसके तहत पुराने सचिवालय परिसर और आसपास के प्रमुख प्रशासनिक भवनों को जोड़ने के लिए 'अल्ट्रा पाड्स' (अल्ट्रा पाड्स बाई अल्ट्रा पीआरटी) परियोजना शुरू होगी। इस महत्वाकांक्षी योजना को लेकर सोमवार को मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और लार्सन एंड टर्बो (एल एंड टी) की टीम के बीच अहम बैठक हुई, जिसमें कंपनी ने परियोजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

परियोजना लागत होगी 296 करोड़ रुपये : करीब 296 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत लगभग पांच किलोमीटर लंबे ट्रैक पर अल्ट्रा पाड्स का संचालन किया जाएगा।

इसका रूट विश्वेश्वरैया भवन से शुरू होकर विकास भवन और विधान सभा होते हुए पुराने सचिवालय तक जाएगा। प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद इसे 15 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सिर्फ सात सेकंड में मिलेगा अगला पाड : यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस ट्रैक पर कुल 59 पाड्स का संचालन प्रस्तावित है। एक पाड में 6 लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी और हर सात सेकेंड के अंतराल पर अगला पाड स्टेशन पर उपलब्ध रहेगा। इससे अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशासनिक भवनों के बीच तेज और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलेगी।

296 करोड़ की परियोजना से पांच किमी ट्रैक पर दौड़ेंगे 59 पाड्स

रूट विश्वेश्वरैया भवन, विकास भवन, विधान सभा व पुराने सचिवालय तक

अल्ट्रा पाड्स परियोजना को ले बैठक करते मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत। सौ : विभाग।

क्या है अल्ट्रा पॉड्स

अल्ट्रा पाड्स दरअसल पर्सनल रैपिड ट्रांजिट (पीआरटी) प्रणाली पर आधारित एक अत्याधुनिक, स्वचालित और स्मार्ट परिवहन व्यवस्था है। इसमें छोटे-छोटे पाड या कैप्सूलनुमा वाहन निर्धारित ट्रैक पर चलते हैं और यात्रियों को बिना किसी अनावश्यक रुकावट के सीधे उनके गंतव्य तक पहुंचाते है। प्रणाली की खासियत यह है कि यह पूरी तरह स्वचालित होती है और इसमें चालक की आवश्यकता नहीं होती। हर पाड सीमित संख्या में यात्रियों को लेकर तय स्टेशन से सीधे दूसरे स्टेशन तक जाता है, जिससे यात्रा तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाती है।

नौ स्टेशन और आधुनिक नियंत्रण प्रणाली

परियोजना के पहले चरण में कुल 9 स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें से दो स्टेशनों के पास पार्किंग की सुविधा भी होगी। इसके अलावा पूरे नेटवर्क के संचालन और निगरानी के लिए एक कंट्रोल रूम तथा एक अल्ट्रा पाड पार्किंग सुविधा का भी निर्माण किया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से सभी पाड्स में कैमरे लगाए जाएंगे और पूरी व्यवस्था अत्याधुनिक आटोमेटेड सिस्टम से संचालित होगी।

पर्यावरण के अनुकूल और ट्रैफिक से राहत

यह परियोजना पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल और कार्बन-पाजिटिव नेटवर्क पर आधारित होगी। इसके ट्रैक निर्माण में किसी भी पेड़ को नहीं काटा जाएगा। सरकारी कामकाज से जुड़े वाहनों की आवाजाही कम होने से इस इलाके में प्रदूषण और ट्रैफिक जाम में भी कमी आने की उम्मीद है। सुबह और शाम के कार्यालय समय में भीड़ को कम करने के उद्देश्य से इस व्यवस्था को विकसित किया जा रहा है। इसका किराया भी बेहद मामूली रखा जाएगा।

बिहार में आधे से अधिक ईंट भट्ठे नहीं चुका रहे टैक्स

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : बिहार में संचालित छह हजार से अधिक ईंट भट्ठों में से करीब आधे सरकार को समय पर टैक्स नहीं चुका रहे। खान एवं भूतत्व विभाग की हाल में हुई समीक्षा बैठक में यह तथ्य सामने आया है। बैठक में यह तथ्य सामने आए कि राज्य के लगभग छह हजार ईंट भट्ठों में से केवल करीब 3200 भट्ठों ने ही सरकार को समय पर पूरा टैक्स जमा किया है, जबकि लगभग 2800 ने अब तक शून्य टैक्स दिया है।

इस स्थिति को गंभीर मानते हुए विभाग ने संबंधित क्षेत्रीय अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिलों के खान निरीक्षक और खनन विकास पदाधिकारियों को कहा गया है कि जिन भट्ठों ने टैक्स जमा नहीं किया है, उनका तत्काल निरीक्षण किया जाए और बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित की जाए। साथ ही भट्ठों के संचालन से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच करने को कहा गया है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कहीं नियमों का उल्लंघन तो नहीं हो रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, टैक्स नहीं देने वाले भट्ठों की पहचान कर सूची तैयार होगी। क्षेत्रीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में भट्ठों का भौतिक निरीक्षण करें और वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट विभाग को भेजें। पूरी प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि वे टैक्स वसूली की कार्रवाई तेज करें और 15 मार्च तक विस्तृत अंतिम रिपोर्ट विभाग को सौंप दें।

पांच राज्यसभा सीटों पर मतदान तय कुशवाहा-एडी सिंह के बीच टक्कर

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : बिहार में 12 वर्ष उपरांत राज्यसभा की पांच सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होगा। सोमवार प्रत्याशियों के नाम वापसी की अंतिम तिथि समाप्त होने तक नामांकन करने वाले छह के छह प्रत्याशी के मैदान में डटे रहने से यह साफ हो गया। अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) समर्थित पांचवें प्रत्याशी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा व राजद के प्रत्याशी अमरेंद्र धारी सिंह के बीच टक्कर होगी। चुनाव में भाजपा की ओर से जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं शिवेश कुमार प्रत्याशी हैं। वहीं, जदयू की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं रामनाथ ठाकुर पार्टी सिंबल प्रत्याशी हैं। विदित हो कि चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अब 16 मार्च को मतदान सुबह नौ बजे से दोपहर चार बजे तक कराया जाएगा। मतगणना मतदान के उपरांत शाम पांच बजे से प्रारंभ हो जाएगी। संभावना है कि देर रात चुनाव परिणाम भी घोषित कर दिया जाएगा।

नौ अप्रैल को समाप्त हो रहा है कार्यकाल : बिहार के राज्यसभा सदस्य जिनका कार्यकाल नौ अप्रैल को समाप्त हो रहा है उसमें अमरेंद्र धारी सिंह, प्रेमचंद गुप्ता, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा एवं राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह हैं।

41 विधायकों के वोट की आवश्यकता : यह चुनाव सिर्फ संख्या का खेल नहीं, बल्कि रिश्तों एवं रणनीति की परीक्षा भी है। ऐसे में 16 मार्च को होने वाला मतदान यह तय करेगा कि पांचवीं सीट पर किसकी रणनीति भारी पड़ती है। राज्यसभा की पांच सीटों के लिए चुनावी गणित के अनुसार एक सीट जीतने के लिए 41 विधायकों के वोट की आवश्यकता होगी। इस आधार पर पांच सीटों के लिए एनडीए को कुल 205 वोट जरूरी हैं। मौजूदा स्थिति में एनडीए के पास भाजपा, जदयू, लोजपा (रा), हिंदुस्तान अवामी मोर्चा एवं रालोमो मिलाकर 202 विधायक हैं। इस संख्या से वह चार सीटें आराम से जीत सकता है, क्योंकि इसके लिए 164 वोट पर्याप्त हैं।

एनडीए के पांचवे प्रत्याशी होंगे उपेंद्र कुशवाहा, तीन वोट के कारण बनी लड़ाई की स्थिति

उपेंद्र कुशवाहा

एडी सिंह

12 वर्ष उपरांत होगा मतदान

बिहार के राजनीतिक इतिहास में 12 वर्ष उपरांत राज्यसभा चुनाव में मतदान की स्थिति उत्पन्न हुई है। 2014 के जून में हुए उप चुनाव में जदयू के बागी साबिर अली एवं बिल्डर अनिल शर्मा के मैदान डटे रहने के कारण आयोग को मतदान करवाना पड़ा था। इस चुनाव में जदयू के पवन वर्मा एवं गुलाम रसूल बलियावी विजयी रहे थे।

एआइएमआइएम निर्णायक

दूसरी ओर महागठबंधन की स्थिति भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। राजद, कांग्रेस एवं वाम दलों को मिलाकर उसके पास 35 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त बसपा के एक विधायक, एआइएमआइएम के पांच विधायकों का समर्थन मिल जाए तो यह संख्या 41 तक पहुंच सकती है, जो जीत के लिए जरूरी आंकड़ा है। यही वजह है कि इस चुनाव में एआइएमआइएम की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। विधानसभा चुनाव से पहले एआइएमआइएम ने राजद के साथ गठबंधन का प्रयास करते हुए मात्र छह सीटों की मांग की थी, लेकिन उसे महत्व नहीं मिला। इसके बावजूद राजद को उम्मीद है कि उसके प्रत्याशी अमरेंद्र धारी सिंह के व्यक्तिगत संबंध ओवैसी के साथ होने के कारण एआइएमआइएम का समर्थन मिल सकता है। यदि एआइएमआइएम के विधायक मतदान में हिस्सा लेकर महागठबंधन के पक्ष में वोट करते हैं तो पांचवीं सीट पर मुकाबला कड़ा हो जाएगा। लेकिन, अगर वे मतदान से बहिर्गमन करते हैं तो कुल प्रभावी वोटों की संख्या घटकर 238 रह जाएगी। ऐसी स्थिति में जीत का कोटा भी कम हो जाएगा और एनडीए के पांचों उम्मीदवारों की जीत का रास्ता लगभग साफ हो सकता है। इस बीच दोनों पक्ष अतिरिक्त समर्थन जुटाने के प्रयास में जुटे हैं।

55 कालेजों को सेंटर आफ एक्सीलेंस बनाने की रणनीति पर कार्यशाला

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : राज्य में प्रतिष्ठित 55 अंगीभूत कालेजों को सेंटर आफ एक्सीलेंस बनाने की कार्ययोजना बनेगी। इसपर शिक्षाविदों के सुझाव लिए जाएंगे। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से मंगलवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसमें राज्यपाल व कुलाधिपति के प्रधान सचिव रावर्ट एल. चोंग्थू, मुख्यमंत्री के सलाहकार दीपक कुमार, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन एवं उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. एनके अग्रवाल सहित कुलपति एवं विशेषज्ञ शामिल होंगे।

मार्च में भी रविवार को होगा निबंधन, खुले रहेंगे कार्यालय

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : राज्य के सभी निबंधन कार्यालय मार्च महीने के रविवार को खुले रहेंगे। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अनुसार, सभी निबंधन कार्यालयों में रविवार को आम दिनों की तरह जमीन/फ्लैट का निबंधन किया जाएगा। आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। विभाग ने इस साल जनवरी से रविवार एवं अन्य छुट्टियों पर निबंधन कार्यालय सामान्य कार्यदिवसों की तरह खुले रखने की शुरुआत की थी। कामकाजी वर्ग के लिए यह सुविधा बेहद फायदेमंद साबित हो रही है। आमलोग छुट्टियों के दिन बढ़-चढ़ कर निबंधन करवा रहे। विभागीय जानकारी के अनुसार, जनवरी और फरवरी में सिर्फ रविवार को निबंधन के जरिए 41 करोड़ से अधिक की राजस्व वसूली हुई है। जनवरी माह के चार रविवार (4, 11, 18 और 25) पर कुल 3,324 दस्तावेज निबंधित दर्ज किए गए थे, जिनसे विभाग को 21 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं, फरवरी महीने के मात्र दो रविवार में लगभग तीन हजार दस्तावेज का निबंधन किया गया, जिससे 20 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व हासिल हुआ।

न्याय के साथ विकास की नीति को आगे बढ़ाएंगे निशांत : उमेश

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पदचिन्ह पर चलकर न्याय के साथ विकास की नीति को निशांत कुमार आगे बढ़ाएंगे, क्योंकि उनमें संभावनाओं का अथाह सागर है। उनकी सादगी, सहजता, शालीनता और विनम्रता उन्हें विशिष्ट बनाती है। उनके व्यक्तित्व, विचार, आचरण और स्वभाव में हर दृष्टि से नीतीश कुमार की छवि तथा जदयू की मूल सोच की झलक मिलती है। पार्टी की सदस्यता ग्रहण के दौरान अपने पहले संबोधन में निशांत ने स्पष्ट किया कि वे अपने पिता नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में पार्टी की मजबूती तथा जनसेवा के संकल्पों को साकार करने का काम करेंगे।

राजस्व मंत्री ने सौ दिनों की उपलब्धियां गिनाईं

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री के नाते अपनी उपलब्धियां गिनाईं। इनकी संख्या 34 हैं। सोमवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने दावा किया कि इन सौ दिनों में राजस्व व्यवस्था पारदर्शी हुई। समय सीमा के भीतर सेवाओं का निष्पादन होने लगा। सबसे बड़ी उपलब्धि यह कि जमीन से जुड़ी सभी सेवाएं बिहार भूमि पोर्टल के माध्यम से आनलाइन उपलब्ध हो रही हैं। दलाल-मुंशी प्रथा पर सख्ती और भू-माफिया पर कड़ी कार्रवाई हो रही है।

उन्होंने बताया कि शिकायतों की सुनवाई और निदान के लिए 12 दिसंबर से भूमि सुधार जनकल्याण संवाद शुरू हुआ। यह चल रहा है। अविवादित भूमि की मापी सात दिनों और विवादित भूमि की मापी 11 दिनों के भीतर करने की व्यवस्था लागू की गई। सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लंबित मामलों के निष्पादन के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया। विभाग इसपर अमल कर रहा है। अब बिना आपत्ति वाले मामलों में 14 दिनों के भीतर दाखिल-खारिज हो रहा है। भूमि विवाद में पुलिस का दखल बंद कर दिया गया। क्योंकि यह राजस्व और न्यायिक प्रक्रिया का विषय है।

विजय कुमार सिन्हा ने कहा अब बिना आपत्ति वाले मामलों में 14 दिनों के भीतर हो रहा दाखिल-खारिज

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते विजय कुमार सिन्हा। जागरण

अन्य उपलब्धियां

राजस्व अभिलेखों की आनलाइन नकल, चिरकुट फाइल से नकल निकालने की व्यवस्था समाप्त, डिजिटल हस्ताक्षरित प्रति को वैधानिक मान्यता, फर्जी कागजात लगाने वालों पर प्राथमिकी अनिवार्य, एक जैसे मामलों में एक जैसा न्याय सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी, उद्योगों के लिए सभी जिलों में लैंड बैंक, कैथी लिपि विशेषज्ञों का पैनल।

पटना में लगेगा कृषि यंत्रों का मेला, जुटेंगे देश भर के निर्माता

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : सरकार कृषि को आधुनिक एवं लाभकारी बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में कृषि विभाग 12 मार्च से 15 मार्च तक गांधी मैदान में राज्यस्तरीय कृषि यांत्रिकरण मेला एवं प्रदर्शनी "एग्रो बिहार-2026" का आयोजन करने जा रहा है। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने बताया कि यह चार दिवसीय मेला किसानों के लिए आधुनिक कृषि तकनीक और यंत्रों से रूबरू होने का एक महत्वपूर्ण मंच होगा। इस मेले में देश के प्रमुख कृषि यंत्र निर्माताओं द्वारा अत्याधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। बिहार के अतिरिक्त पंजाब, हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के कृषि यंत्र निर्माता भी इसमें भाग लेंगे।

दैनिक जागरण रोज पढ़ें रोज जीतें

क्विज संख्या : 18

Q1. टी 20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने कितने रन बनाए?
A. 255 B. 256
C. 273 D. 263

Q2. टी 20 विश्वकप में प्लेयर आफ द सीरीज का खिताब किसको मिला?
A. जसप्रीत बुमराह B. सूर्यकुमार यादव
C. संजू सैमसन D. हार्दिक पांड्या

Q3. हाल ही में अभिनेता सौरभ शुक्ला ने किस फिल्म का निर्देशन किया है?
A. इक्कीस B. सूबेदार
C. खुली किताब D. धुरंधर

आज के सवालों के जवाब देने के लिए स्कैन करें

क्विज संख्या : 17 के सही उत्तर
ANS. Q1. (C), Q2. (B), Q3. (B)

क्विज 16 के विजेताओं के नाम

मनीष *****24214, लखनऊ	राम *****72317, बदायूं
अजय *****04411, भागलपुर	राम *****02344, मुजफ्फरपुर
रेनू *****93504, प्रयागराज	सत्यम *****17005, हमीरपुर
जानकी *****33565, दिल्ली	प्रदीप *****92643, देहरादून
राजीव *****30888, बिजनौर	गिरिजेश *****51127, कनालगंज
अरविंद *****94773, पटना	अरुण *****44472, दिल्ली
संतोष *****07479, कानपुर	राधिका *****01174, रामपुर
अमितेश *****24900, कानपुर	लोकेश्वर *****45738, दुर्ग
ममता *****27776, हल्द्वानी	प्रीति *****63608, बेगूसराय
विकास *****55393, मुरादाबाद	स्वामीनाथ *****88425, जौनपुर
विकास *****68638, इंदौर	मंजू *****21550, लुधियाना
अंकित *****65953, इंदौर	रुबी *****30095, पानीपत
राज *****59247, फरीदाबाद	अजित *****73669, चित्रकूट
आशीष *****18567, लखनऊ	शशि *****24201, कुरुक्षेत्र
शीशपाल *****94925, अलीगढ़	शिवाली *****60133, मेरठ

विजेताओं को हार्दिक बधाई
विजेताओं को दैनिक जागरण टीम द्वारा संपर्क किया जाएगा

बिहार दिवस पर गांधी मैदान में दिखेगी विरासत और विकास की झांकी

22 से 24 मार्च तक बिहारी व्यंजनों व लोक-संस्कृति की मचेगी धूम

विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं पर लगेगी प्रदर्शनी

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : 22 मार्च को बिहार दिवस पर पटना के गांधी मैदान, श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल और रविन्द्र भवन में प्रदेश के ऐतिहासिक विरासत, शैक्षणिक व सांस्कृतिक विकास की अभूतपूर्व झांकी दिखेगी। 24 मार्च तक तीन दिवसीय समारोह की तैयारियों को लेकर सरकार के स्तर पर संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है। गांधी मैदान में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रदर्शनी लगायी जाएगी। लजीज बिहारी व्यंजनों से लेकर लोक-संस्कृति की भी धूम मचेगी। गांधी मैदान में पुस्तक मेला, विज्ञान प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक, शैक्षणिक और खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा कई नामचीन कलाकारों के जरिये सांगीतिक कार्यक्रम भी होंगे।

सोमवार को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. बी. राजेन्दर ने बिहार दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम गांधी मैदान, श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल एवं रविन्द्र भवन में होगा। संबंधित स्थलों पर साफ-सफाई, पेयजल एवं शौचालय व्यवस्था के संबंध में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग और पटना नगर निगम को सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, ताकि आंगतुकों एवं अतिथियों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिल सके। विधि व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं सुगम ट्रैफिक संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। यातायात प्रबंधन तथा सुगम आवागमन के मैपिंग और उसके प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम से जुड़े सभी संबंधित पदाधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करेंगे।

बैठक में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक नवीन कुमार ने बिहार दिवस समारोह की जा रही तैयारियों को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी। बिहार दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, व्यंजन मेला, पुस्तक मेला, लोकनाटक, रंगमंच आदि कार्यक्रमों का आयोजन को लेकर भी निर्देश दिया गया।

डेंगू की रोकथाम के लिए एंटी-लार्वा छिड़काव का निर्देश

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : गर्मी आने के साथ राज्य में डेंगू के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने जिला प्रशासन, नगर निकायों और स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जिन इलाकों में पहले डेंगू के ज्यादा मरीज मिले थे, उन्हें चिन्हित कर वहां नियमित रूप से फागिंग और एंटी-लार्वा रसायन का छिड़काव कराया जाए। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शहरी क्षेत्रों में डेंगू से निपटने का जिम्मा नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत को सौंपा गया है। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीम फागिंग और एंटी-लार्वा छिड़काव कराएगी। नगर विकास विभाग से समन्वय कर इस अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिला पदाधिकारी को पूरे अभियान की समय-समय पर निगरानी करने और इसकी प्रगति की समीक्षा करने को कहा गया है।

अपनी मां मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर निशांत ने किया माल्यार्पण

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार नई भूमिका में उतर गए हैं। एक दिन पहले जदयू की सदस्यता ग्रहण करने वाले निशांत ने सोमवार को अपनी मां मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कहा कि आज मां रहती तो बहुत खुश होतीं। नहीं हैं, मुझे उनका आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने एक प्रश्न पर कहा-हां, मुझे मां की याद आती है। बहुत याद आती है।

मालूम हो कि मंजू सिन्हा का निधन मई 2007 में हो गया था। पहले से अलग निशांत ने सोमवार को राजनीतिक प्रश्नों के उत्तर दिए। कहा कि जल्द ही वे राज्य की यात्रा पर निकलेंगे। सभी 38 जिलों की यात्रा करेंगे। अभी तिथि तय नहीं हुई है। लेकिन, उन्होंने अपने मुख्यमंत्री बनने से जुड़े प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। प्रश्न था कि जदयू के युवा विधायक चाहते हैं कि आप मुख्यमंत्री बनें। आप बनना चाहेंगे? प्रश्न सुनने के बाद वे मुस्कराते हुए निकल गए।

जदयू के विधायक एवं बीआइटी में उनके सहपाठी रुहेल रंजन ने रविवार को निशांत को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की थी। फिर जदयू के एक दर्जन से अधिक युवा विधायकों ने यह मांग दोहराई। निशांत पहले भी राजनीति में किसी पद लेने से जुड़े प्रश्न का उत्तर नहीं देते थे। विधानसभा चुनाव के समय भी उम्मीदवार बनने के बारे में उनसे प्रश्न पूछा जाता था। वे इसी तरह मुस्कराकर निकल जाते थे।

श्रद्धांजलि

- मुख्यमंत्री बनने से जुड़ा प्रश्न टाल गए निशांत कुमार
- जल्द शुरू करेंगे जिलों की यात्रा
- बोले, आज मां रहती तो बहुत खुश होतीं

भाजपा ने नीतीश को कर लिया है डिजिटल अरेस्ट : राजेश राम

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा है कि भाजपा ने नीतीश कुमार को डिजिटल अरेस्ट कर लिया है। जो नीतीश कुमार हमेशा समाजवादी विचारधारा की लड़ाई लड़ते रहे, आज वही उस लड़ाई को भाजपा के हवाले कर चुके हैं और आरएसएस के एजेंडे से समझौता कर लिया है। राजेश राम सोमवार को सदाकत आश्रम में प्रेस से बात कर रहे थे। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि नीतीश कुमार अपने ही कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के आंसुओं से भी नहीं पिघल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति सहयोगी दलों को खत्म करने की रही है। जिस तरह भाजपा ने शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे को साथ रखकर बाद में मूल शिवसेना को कमजोर किया, उसी तरह अकाली दल को भी कमजोर किया गया।

निशांत पर पार्टी ही नहीं, जनाधार बचाने की भी होगी जिम्मेदारी

दीनानाथ साहनी • जागरण

पटना : जदयू की सदस्यता लेने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार की राजनीतिक पारी शुरू हो गई। उनके जदयू में शामिल होने की खबर पर अब बिहार के राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा शुरू हो गई है। उनकी सियासी एवं सामाजिक सक्रियता से लेकर जिम्मेदारी तक पर पार्टी के अंदर और बाहर भी चर्चाएं होने लगी हैं कि निशांत कुमार के राजनीति में आने से बिहार के प्रमुख राजनीतिक परिवारों में उनका परिवार भी शामिल हो गया है।

लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव और रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान पहले से ही बिहार की राजनीति में अपनी विरासत और अनुभव के साथ सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि निशांत पर जदयू को संगठनात्मक रूप से मजबूत करने की ही नहीं, अब पार्टी का जनाधार बचाने की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है।

निशांत कुमार की राजनीतिक पारी पर चर्चा का विषय यह भी है कि नीतीश कुमार समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में निशांत कुमार भले ही बिहार की सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था को गहराई से समझें, सीखें और अपनी रणनीतिक कौशल से आगे बढ़ें। किंतु, आने वाले समय में उनकी तेजस्वी और चिराग से राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और तुलना भी होगी। अगर अपने राजनीतिक कौशल से निशांत बिहार की राजनीति में आगे निकल जाते हैं तो यह उनकी ऐतिहासिक राजनीतिक सफलता भी होगी। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक यह भी कह रहे हैं कि निशांत की तेजस्वी और चिराग से तुलना भी बेमानी है, क्योंकि देखा जाए तो तीनों की राजनीतिक यात्रा और अनुभव अलग-अलग है। तेजस्वी व चिराग काफी समय से सक्रिय बिहार की राजनीति में हैं। तेजस्वी 2015 में विधायक बने और बिहार के उपमुख्यमंत्री भी रहे। अभी वे नेता प्रतिपक्ष हैं। वहीं चिराग पासवान तीन बार सांसद हुए और अभी केंद्र में मंत्री हैं। चिराग पासवान की सियासी यात्रा भी अपने पिता रामविलास पासवान की विरासत से शुरू हुई। उनके निधन के बाद चिराग ने लोक जनशक्ति पार्टी की कमान संभाली। हालांकि, उनकी पार्टी को राजनीतिक टूट और अंदरूनी संघर्ष का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद चिराग खुद को युवा नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश करते रहे हैं।

आगे सबसे बड़ी चुनौती भी : निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि वे बिना किसी राजनीतिक अनुभव के इस विरासत को कैसे आगे बढ़ाते हैं और क्या वे अपनी अलग पहचान बना पाते हैं। वे जल्द ही चंपारण से अपनी यात्रा से शुरू करने वाले हैं। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जदयू में यह बदलाव बिहार की राजनीति में एक पीढ़ी परिवर्तन का संकेत भी है।

जेपी आंदोलन से निकले नेताओं में नीतीश कुमार, लालू यादव व रामविलास पासवान लंबे समय तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे। अब उनकी विरासत अगली पीढ़ी के युवा नेताओं के हाथों में जाती दिखाई दे रही है। इसे बिहार की राजनीति में नए दौर की शुरुआत भी बताया जा रहा है।

जदयू के अंदर और अन्य दलों में भी निशांत के समक्ष भावी चुनौतियों पर शुरू हुई बहस

निशांत कुमार। जागरण आर्काइव

जदयू कार्यकर्ताओं-नेताओं पर निशांत की छवि का जादू

तेजस्वी-चिराग के मुकाबले निशांत कुमार की स्थिति अलग है। वे अब तक राजनीति से दूर रहे हैं और सार्वजनिक जीवन में भी कम ही दिखाई देते रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी उनके पिता नीतीश कुमार की छवि है, जो बिहार में लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे और विकास तथा सुशासन की राजनीति के लिए जाने जाते हैं। जब रविवार को निशांत ने जदयू की सदस्यता ली तब पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं में जश्न का माहौल दिखा। निशांत का सरल व सहज व्यक्तित्व का जादू भी पार्टी के समर्थकों पर खूब दिखा। निशांत की सरल व शांत छवि ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है।

पटना, मंगलवार
10 मार्च, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

www.jagran.com
बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

पीड़िता को अपनी बात करने का पूरा अधिकार: सुप्रीम कोर्ट 12
तेज करनी होगी वास्तविक अर्थव्यवस्था से शिक्षा व्यवस्था को जोड़ने की प्रक्रिया : मोदी 9

कच्चे तेल की कीमतें 100 डालर प्रति बैरल के पार

तेल बाजार में उथल-पुथल, तेल उत्पादन घटा, ट्रंप बोले- ईरान को परमाणु मुक्त करने को 'छोटी कीमत' चुकाने को तैयार

मचा हाहाकार

ईरान युद्ध

- मोजतबा खामेनेई के सुप्रीम लीडर के नाम के एलान के बाद ईरान पर हमले तेज
- तेल संकट पर जी7 वित्त मंत्रियों की आपात बैठक, रणनीतिक भंडार खोलने पर विचार
- होर्मुज में तेल टैंकरों का आवागमन बाधित, वैश्विक आपूर्ति को लेकर बढ़ी चिंता
- ईरान ने बहरीन की बापको तेल रिफाइनरी पर किया हमला
- ईरान के हमले घायल एक और अमेरिकी सैनिक की मौत

ईरानी हवाई हमले के बाद सोमवार को बहरीन में बापको तेल रिफाइनरी से उठता धुएं का गुबार • रायटर

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें चार साल में पहली बार 100 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं। सोमवार को कुछ समय के लिए 119 डालर प्रति बैरल तक चली गईं। युद्ध शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत तक का उछाल दर्ज किया गया है। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता और गहरी हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि को वैश्विक शांति के लिए 'छोटी कीमत' बताया और कहा कि ये कीमतें थोड़े समय के लिए बढ़ी हैं। जी-7 समूह के देशों ने आपात बैठक बुलाई है। ईरान में मोजतबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर चुने जाने के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिका और इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। ईरान ने भी अपने तेल डिपो पर हमले के जवाब में बहरीन और सऊदी अरब की तेल रिफाइनरियों पर हमले किए।

होर्मुज जलडमरूमध्य में संकट : बता दें कि तेल की कीमतें साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार 100 डालर पार हुई हैं। उस समय 129 डालर तक कीमतें पहुंच गई थीं। ईरान युद्ध के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकरों का आवागमन लगभग ठप हो गया है। दुनिया के कुल तेल का लगभग 20 प्रतिशत हर दिन इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। विश्लेषकों के अनुसार प्रतिदिन लगभग 1.5 करोड़ बैरल तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस भी होर्मुज के रास्ते अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचती है। रायटर के अनुसार, सऊदी अरब समेत कई देशों के तेल डिपो आपूर्ति बाधित होने से भरने लगे हैं। इसके चलते उन देशों को उत्पादन घटाना पड़ा है। सऊदी अरब की सबसे बड़ी रिफाइनरी आरामको ने भी अपने दो तेल के कुओं से उत्पादन घटा दिया है। हालांकि, सऊदी अरब ने लाल सागर के जरिये तेल आपूर्ति तेज की है, लेकिन ये नाकाफी साबित हो रहा है।

कुवैत ने पहले ही तेल उत्पादन घटाने की बात कही थी। कतर ने भी एलएनजी (लिक्विफायड नेचुरल गैस) प्लांट पर ईरानी ड्रोन हमलों के बाद उत्पादन रोक दिया है। इराक ने अपने तेल उत्पादन में 70 प्रतिशत की कटौती कर दी है।

संबंधित खबरें » पेज 11

कच्चे तेल में उछाल से सेंसेक्स 1,353 अंक फिसला

मुंबई : महंगे होते कच्चे तेल के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में करीब दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक गिरकर 77,566.16 पर बंद हुआ।

विस्तृत खबर • पेज 9 पर

53 पैसे गिरकर नए निचले स्तर पर पहुंचा रुपया

मुंबई: कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच डालर के मुकाबले रुपया 53 पैसे गिरकर 92.35 के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया।

विस्तृत खबर • पेज 9 पर

कीमत 130 डालर से ज्यादा होने पर बढ़ेंगे पेट्रोल के दाम: सूत्र

नई दिल्ली : सरकारी सूत्रों ने सोमवार को कहा कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की संभावना तब तक नहीं है जब तक कच्चे तेल की कीमतें 130 डालर/बैरल से अधिक न हो जाएं।

एलपीजी गैस की बुकिंग 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई

नई दिल्ली : जमाखोरी व कालाबाजारी रोकने के लिए एलपीजी गैस की बुकिंग अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज से निकलेंगे समृद्धि यात्रा पर

तीसरा चरण

14 तक चलेगी तीसरे चरण की यात्रा, दस जिलों में जाएंगे सीएम नीतीश कुमार

- 10 मार्च को सुपौल व मधेपुरा, 11 को अररिया व किशनगंज जाएंगे
- 13 को सहरसा व खगड़िया, 14 को बेगूसराय व शेखपुरा पहुंचेंगे

सीएम नीतीश कुमार • जागरण आर्काइव

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार (10 मार्च) से समृद्धि यात्रा पर निकल रहे हैं। यह उनकी तीसरे चरण की यात्रा है। इस क्रम में मुख्यमंत्री सीमांचल और कोसी क्षेत्र के कई जिलों का दौरा कर विकास योजनाओं का निरीक्षण करेंगे तथा नई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। उनके साथ प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। समृद्धि यात्रा का तीसरा चरण 14 मार्च तक प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री की यात्रा के संबंध में मंत्रिमंडल द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 10 मार्च को मुख्यमंत्री सुपौल और मधेपुरा, 11 को अररिया, किशनगंज, 12 को पूर्णिया और कटिहार तथा 13 को सहरसा और खगड़िया, जबकि 14 मार्च शनिवार को बेगूसराय और शेखपुरा की यात्रा करेंगे। इसके बाद वे पटना वापस लौट आएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस वर्ष 16 जनवरी से समृद्धि यात्रा प्रारंभ की थी। अपने इस कार्यक्रम के माध्यम से वे राज्य में चल रही योजनाओं की जमीनी स्थिति का मुआयना कर रहे हैं साथ ही नई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी कर रहे हैं।

संपादकीय

लोकतंत्र का उपहास उड़ाती रेवड़ी संस्कृति: मुफ्तखोरी पर खर्च प्रत्येक रुपया शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ढांचागत विकास की कीमत पर हो रहा है। **विकास सारस्वत** का विश्लेषण।

तूल न दें एनसीईआरटी की भूल को: संभवतः एनसीईआरटी ने केवल न्याय-व्यवस्था में भ्रष्टाचार पर पाठ लिखकर भूल की है, लेकिन भूल करना अपराध नहीं है। **जगमोहन सिंह राजपूत** का आकलन।

• पेज 6

दैनिक जागरण **सप्तरंग**
अंतस और अध्यात्म का
क्या हैं पाप और पुण्य
ऋषभदेव का षट्कर्म उपदेश

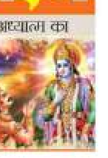

• पेज 8

40 दिनों में दूसरी बार बेगूसराय कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

ई-मेल से आया संदेश, डाग स्क्वायड एवं बम निरोधक दस्ते ने की सघन जांच, 28 जनवरी को भी आया था ऐसा ई-मेल

बेगूसराय कोर्ट परिसर की जांच करता बम निरोधक दस्ता • जागरण

जागरण संवाददाता, बेगूसराय : बेगूसराय व्यवहार न्यायालय को 40 दिनों के भीतर दूसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सोमवार को कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। धमकी भरा ई-मेल मिलते ही पुलिस और प्रशासन हरकत में आ गया। सुबह 10 बजे से पहले ही न्यायालय परिसर के सभी गेट बंद कर दिए गए और सघन जांच शुरू कर दी गई। परिसर में मौजूद लोगों को बाहर निकाल दिया गया। बाद में केवल अधिवक्ताओं और न्यायालय कर्मियों को जांच के बाद प्रवेश की अनुमति दी गई, लेकिन न्यायिक कार्य स्थगित कर दिया गया।

ई-मेल रविवार रात करीब 12:42 बजे जिला जज ऋषिकांत के आधिकारिक ई-मेल पर भेजा गया था। संदेश में दावा किया गया कि कोर्ट परिसर और जजों के कार्यालयों में बम लगा दिया गया है, जो सोमवार दोपहर एक बजे से पहले कभी भी विस्फोट कर सकता है। ई-मेल में जस्टिस फार नांगुनेरी का जिक्र करते हुए कोर्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। साथ ही तमिलनाडु के अजीत कुमार की पुलिस हिरासत में कथित हत्या का उल्लेख किया गया है। मेल भेजने वाले ने खुद को तमिलनाडु रिट्रीवल ट्रूप्स (टीएनआरटी) और विश्वास भाई नांगुरेनी सेल से जुड़ा बताया है तथा कुछ राजनीतिक परिवारों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज लीक होने का भी दावा किया है। सूचना मिलते ही एसपी मनीष सहित कई वरिष्ठ अधिकारी कोर्ट परिसर पहुंचे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 28 जनवरी को भी ई-मेल के जरिए कोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई थी।

खगड़िया व्यवहार न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

जागरण संवाददाता, खगड़िया : खगड़िया व्यवहार न्यायालय को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके बाद अफरा-तफरी के दौरान न्यायालय परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया।

राज्य के कई जिलों में आंधी-पानी की चेतावनी

जागरण संवाददाता, पटना : मौसम विभाग के अनुसार इस मौसम प्रणाली के कारण बुधवार तक प्रदेश के मौसम का मिजाज बदला रहेगा। राज्य के ज्यादातर भागों में बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक के साथ आंधी-पानी की चेतावनी है। अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी भागों के सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, शेखपुरा, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, किशनगंज एवं अररिया जिले में 30-40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलने के साथ मेघ गर्जन, वज्रपात को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

टी-20 विश्व कप जीतने के बाद गौतम का पहला इंटरव्यू

दैनिक जागरण **एक्सक्लूसिव**

न्यूजीलैंड को हराकर भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार टी-20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। टीम को चैंपियन बनाने में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति और मार्गदर्शन ने अहम योगदान दिया। विश्व चैंपियन बनने के बाद गौतम गंभीर ने अपना पहला इंटरव्यू दैनिक जागरण को दिया। क्रिकेट से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात रखी।

पूरा इंटरव्यू पढ़ें खेल पेज पर...

नियमों के अनुपालन के लिए डीजीसीए ने निगरानी बढ़ाई

नई दिल्ली, प्रेट्र : नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइनों की साप्ताहिक और पखवाड़े आधार पर निगरानी बढ़ा दी है ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि एयरलाइन नियमों का अनुपालन करें। राज्यसभा में केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि अपर्याप्त नियामक तैयारी के साथ-साथ सिस्टम साफ्टवेयर में कमियां और एयरलाइन की ओर से प्रबंधन और परिचालन नियंत्रण में खामियां थीं।

राजस्व सेवा के अधिकारी फिर हड़ताल पर, काम पर नहीं लौटे तो होंगे निलंबित

- दाखिल-खारिज, भू लगान की वसूली और प्रमाण-पत्र जैसी सेवाओं पर प्रभाव
- हड़ताल लंबी चली तो जनगणना पर संकट, डीसीएलआर बनाने का वादा पूरा नहीं कर रही सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: बिहार राजस्व सेवा संघ की हड़ताल सोमवार से फिर शुरू हो गई। इसके कारण अंचलों में कामकाज ठप है। राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल 11 फरवरी से ही चल रही है। राजस्व कर्मचारी और अंचल एवं राजस्व अधिकारी ही प्राथमिक स्तर पर राजस्व एवं भूमि सुधार का काम देखते हैं। संघ ने यह निर्णय पिछली हड़ताल के दौरान किए गए समझौते को अबतक लागू न करने के विरोध में लिया है। संघ की मुख्य मांग है कि उसके संवर्ग के अधिकारियों को डीसीएलआर के पद पर तैनात किया जाए। अभी यह पद बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के पास है। पिछले महीने की समझौता वार्ता में संघ की यह मांग मान ली गई थी।

दूसरी तरफ उप मुख्यमंत्री सह भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने हड़ताली अधिकारियों को काम पर न लौटने की हालत में निलंबित करने की चेतावनी दी है।

संघ ने राज्य सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। राजस्व सेवा के अधिकारी ही अंचल अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उनके हड़ताल पर जाने के कारण सभी 537 अंचलों में दाखिल खारिज, परिमार्जन, जाति, आवास और आय प्रमाण पत्र बनाने जैसी सेवाएं पूरी तरह बंद हो गई हैं। भू लगान वसूली का यह अंतिम महीना चल रहा है। हड़ताल लंबी चली तो जनगणना 2027 भी प्रभावित हो सकता है।

अन्य अधिकारियों को प्रभार : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत ग्रामीण विकास पदाधिकारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी को अंचलाधिकारी तथा राजस्व अधिकारी का प्रभार देने का निर्णय लिया है। विभाग के अपर सचिव आजीव वत्सराज ने जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर कहा है कि वे चाहें तो अपने स्तर पर भी वैकल्पिक व्यवस्था कर सकते हैं।

आपराधिक रिकार्ड छुपाने पर मप्र में कांग्रेस विधायक का निर्वाचन रद

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर : मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट पर वर्ष 2024 में हुए उपचुनाव में विजयी रहे कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का निर्वाचन हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया की एकल पीठ ने नामांकन पत्र के साथ दाखिल हलफनामे में आपराधिक प्रकरणों की जानकारी छुपाने के आरोप सही पाए जाने पर यह निर्णय दिया। इसके साथ ही उपचुनाव में दूसरे नंबर पर रहे भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री रामनिवास रावत को विजयपुर विधानसभा सीट से निर्वाचित विधायक करार दिया है।

उल्लेखनीय है कि यह चुनाव याचिका भाजपा प्रत्याशी रहे रावत ने दाखिल की थी।

सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं में प्राप्त अंक गोपनीय नहीं

इलाहाबाद हाई कोर्ट

- कोर्ट ने कहा, तीसरे पक्ष की सहमति बिना भी आरटीआइ के तहत बताए जा सकते हैं अंक
- भारत सरकार व डीएलडब्ल्यू की याचिका पर कहा, छाया प्रति उपलब्ध कराना जरूरी नहीं

विधि संवाददाता, जागरण • प्रयागराज: इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं में प्राप्त अंक गोपनीय नहीं हैं। सूचना के अधिकार अधिनियम (आरटीआइ) के तहत तीसरे पक्ष की सहमति के बिना भी प्रकट किए जा सकते हैं, लेकिन ऐसा तभी किया जाना चाहिए जब सार्वजनिक हित से जुड़ा मामला हो। यह जरूरी नहीं है कि दूसरे अभ्यर्थियों की कापी की छाया प्रति उपलब्ध कराई जाए। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अजित कुमार तथा न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने भारत सरकार और अन्य की याचिका आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए केंद्रीय सूचना आयोग, नई दिल्ली का आदेश रद कर दिया है, जिसमें वाराणसी स्थित डीजल लोकोमोटिव वर्क्स (डीएलडब्ल्यू) को कहा गया था कि वह उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कापी आवेदक को सुलभ कराए।

भारत सरकार और जन सूचना अधिकारी डीएलडब्ल्यू ने केंद्रीय सूचना आयोग के दो आदेशों को हाई कोर्ट में याचिका में चुनौती दी थी जो 13 मई 2009 और चार जून 2009 को जारी किए गए थे। संतोष कुमार नामक व्यक्ति ने आरटीआइ के तहत आवेदन देकर खुद की और मनीष कुमार सिंह व गोरख शर्मा के अंकों व उनके उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकापी मांगी थी। 10 अक्टूबर 2008 को दिए गए इस आवेदन पर वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी ने प्रश्न पत्र की प्रति प्रदान की, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकापी देने से इन्कार कर दिया। हालांकि संतोष कुमार को उत्तर पुस्तिका देखने की अनुमति दी थी, पर अंक नहीं बताए गए। आवेदक ने 23 अक्टूबर 2008 को अपीलीय प्राधिकारी केंद्रीय सूचना आयोग के समक्ष अपील की। अपील प्राधिकारी ने 13 मई 2009 के आदेश में कहा कि 30 जुलाई 2004 को हुई ला असिस्टेंट परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकापी आवेदक को दी जाए। डीएलडब्ल्यू ने इसका अनुपालन करते हुए 28 मई 2009 को संतोष को तीन उम्मीदवारों के अंक बताए, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकापी देने की बजाय पुनर्विचार आवेदन दायर किया। कहा, केंद्रीय सूचना आयोग की पूर्ण बेंच के फैसले के क्रम में ऐसी जानकारी को आरटीआइ अधिनियम, 2005 की धारा 8(1)(जे) के तहत नहीं दिया जा सकता। इस पुनर्विचार आवेदन चार जून 2009 को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि भारतीय रेलवे सार्वजनिक प्राधिकरण है, जिसका मुख्य कार्य परीक्षा आयोजित करना नहीं है, बल्कि पदों को भरने के लिए परीक्षा आयोजित करना है, इसलिए उत्तर पुस्तिकाएं प्रदान की जा सकती हैं।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank
आपकी प्रगति का सच्चा साथी
Good People to grow with
(Govt. of India undertaking)

क्षेत्रीय कार्यालय: 2रा एवं 3रा तल, नसीमा हाउस, पश्चिमी गाँधी मैदान, बिस्कोमान भवन के समीप, पटना-800001, फोन: 0612-2219025

अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु बिक्री सूचना

[प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) के प्रावधान के तहत]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठण तथा प्रतिभूति हित प्रावर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

सर्वसाधारण एवं विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) एवं जमानतदार(रों) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/बंधक है, जिसका रचनात्मक कब्जा इण्डियन ओवरसीज बैंक (सुरक्षित लेनदार) के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, नीचे उल्लेखित उधारकर्ता(ओं) एवं जमानतदार(रों) से इण्डियन ओवरसीज बैंक (सुरक्षित लेनदार) की बकाया राशि की वसूली के लिए निम्नलिखित सम्पत्तियों को **''जैसा है जहाँ है'', ''जैसा है जो है'' एवं ''वहाँ जो कुछ भी है''** के आधार पर **तिथि जैसा कि निम्न वर्णित है** (बिक्री की तिथि) को बेचा जायेगा।

कर्जदार/ जमानतदार/ का नाम एवं शाखा का नाम	अचल सम्पत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / सम्पत्ति का ईएमडी / निविदा वृद्धि राशि	ब्याज सहित नोटिस में उल्लिखित राशि (सरफेसी नोटिस के अनुसार)	नीलामी की तिथि / नीलामी का समय / बोली जमा करने की अंतिम तिथि
मो.इस्माइल, स्थायी पता: पिता -मो.बिस्राज अली, हथियादियारा, पोस्ट-दलान, दिघरी सलेमपुर, दिघरी, कटिहार-854106, बिहार **शाखा:-कटिहार (1299)**	खाता संख्या-86, खेसरा संख्या-1422, क्षेत्रफल-21 डेसिमल,खाता संख्या-86, खेसरा संख्या-1423, क्षेत्रफल -06 डेसिमल 5 कड़ी,खाता संख्या-86, खेसरा संख्या-1424, क्षेत्रफल-04 डेसिमल 5 कड़ी,खाता संख्या-388, खेसरा संख्या-1427, क्षेत्रफल-03 डेसिमल **कुल क्षेत्रफल-35 डेसिमल** विक्रय पत्र संख्या 7510 दिनांक 27.04.2010, मौजा-हरिहरपुर, थाना-158, कोढ़ा, कटिहार	रु. 26,98,000/- रु. 2,69,800/- रु. 10,000/-	रु. 26,51,292.14 (रुपये छब्बीस लाख इक्यावन हजार दो सौ बानवे एवं चौदह पैसे मात्र) दिनांक 26.02.2026 तक	25.03.2026 सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक 24.03.2026
मेसर्स एस.आर.के. विश्वास, पमादेव विश्वास पिता सुशील कुमार विश्वास **(उधारकर्ता एवं गिरवीकर्ता का कानूनी उत्तराधिकारी)** पता- बिशनपुर रानीगंज अररिया, फारबिसगंज-854334 **शाखा- फारबिसगंज (3399)**	भूमि एवं भवन जिसकी खाता संख्या-1013 एवं 82, प्लॉट संख्या-/सर्वे संख्या-1679 एवं 1683, ग्राम- मधुलता चौक, मौजा- बिशनपुर, तौजी संख्या- 8/5, थाना संख्या- 04, जिसकी माप 197 डिसमिल, जिला- अररिया, बिहार स्थित है। **चौहद्दी:-** **विक्रय पत्र संख्या- 9470 के अनुसार-** उत्तर- खेसरा संख्या-1679, दक्षिण- धरम देवल विश्वास, पूर्व- गिरी लाल विश्वास, पश्चिम- खेसरा संख्या- 1679 **विक्रय पत्र संख्या-2325 के अनुसार-**उत्तर-खेसरा संख्या-1679 मनिका देवी, दक्षिण-क्रेता, पूरब-मनिका देवी **बिक्री विलेख संख्या-3160-**उत्तर-सड़क, दक्षिण-क्रेता एवं खेसरा संख्या-1679, पूर्व-निज संख्या, पश्चिम- खेसरा संख्या- 1679	रु. 61,29,000/- रु. 6,12,900/- रु. 10,000/	रु.24,26,368.29 (रुपये चौबीस लाख छब्बीस हजार तीन सौ अड़सठ एवं उनतीस पैसे मात्र) दिनांक 31.01.2026 तक।	25.03.2026 सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक 24.03.2026
श्रीमती अफसरी परवीन, पति मो. जाहिद अली, डंगरा आहर, अरवल- 804401 **(उधारकर्ता एवं बंधककर्ता)** मो. जाहिद अली, पिता मो. सहादत अंसारी, डंगरा आहर, अरवल- 804401 **(सह-उधारकर्ता)** **शाखा-अरवल (3689)**	आवासीय प्लॉट एवं भवन में स्थित खाता संख्या 27 (नया), 89 (पुराना), प्लॉट संख्या 96 (नया), 77 (पुराना), थाना संख्या 26, मौजा- डंगरा आहर, थाना- अरवल, जिला- अरवल, क्षेत्रफल- 2.78 डेसिमल। **चौहद्दी (डीड के अनुसार)-** उत्तर- जैबु निशा, दक्षिण- निज, पूर्व- दुखु सिंह, पश्चिम- गली **वास्तविक क्षेत्रफल (मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार)-** उत्तर- भूमि मालिक अनवर, दक्षिण- निज, पूर्व- दुखु सिंह का मकान, पश्चिम- गली (10 फुट चौड़ी) श्रीमती अफसरी परवीन पति मोहम्मद जाहिद अली के नाम पर पंजीकृत, विलेख संख्या 5893, दिनांक 30.11.2019	रु.18,37,000/- रु.1,83,700/- रु.10,000/-	रु. 21,92,084.56 (रुपये इक्कीस लाख बानवे हजार चौरासी एवं छप्पन पैसे मात्र) दिनांक 26.02.2026 तक।	25.03.2026 सुबह 11:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक। 24.03.2026
परिधि इलेक्ट्रिकल्स, मालिक-जितेंद्र कुमार, मुख्य बाजार अकबरपुर, नवादा, बिहार, 805126 (उधारकर्ता) एवं प्रेम कुमार पिता- दिनेश प्रसाद, धर्मशाला कमरुद्दीनगंज के सामने, नवादा, 803101 (गारंटर) **शाखा-नवादा (2865)**	खाता संख्या-307, प्लॉट संख्या-969, मौजा-भैसासुर काजी, थाना संख्या-122, थाना- लहेरी, जिला-नालंदा। चौहद्दी-उत्तर-सड़क, दक्षिण-उमेश प्रसाद, पूर्व-मोती साव, पश्चिम- अरुण प्रियदर्शी।	रु.10,95,000/- रु.1,09,500/- रु.10,000/-	रु.18,32,840.82 (रुपये अठारह लाख बत्तीस हजार आठ सौ चालीस एवं बयासी पैसे मात्र) दिनांक 31.01.2026 तक	25.03.2026 सुबह 11:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक। 24.03.2026
माँ भवानी वन देवी दुर्गा इंटरप्राइजेज, मालिक- श्री सुरेश प्रसाद यादव पिता- भुवनेश्वर यादव, स्थायी पता: मोंगरा गेट रेलवे क्रॉसिंग के पास, कटिहार, पोस्ट- दलान, जिला-कटिहार, पिन- 854106 (उधारकर्ता) **शाखा-तिआरपारा (3590)**	आवासीय संपत्ति (कुल क्षेत्रफल 1740 वर्गफीट) खाता संख्या- 82, खेसरा संख्या- 5324, मौजा-दलान, थाना संख्या-77, नियर-मोंगरा गेट गुमटी, टोला-शमसेरगंज, जिला-कटिहार, पिन कोड-854106, बिहार **चौहद्दी.**-उत्तर- पक्की सड़क, दक्षिण- निज विक्रेता, पूर्व- राजेश कुमार अग्रवाल एवं अमित कुमार अग्रवाल, पश्चिम- 10 फीट रास्ता	रु.21,30,000/- रु. 2,13,000/- रु.10,000/-	रु.6,17,000.86 (रुपये छह लाख सत्रह हजार पैसे छियासी मात्र) दिनांक 26.02.2026 तक	25.03.2026 सुबह 11:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक। 24.03.2026

निरीक्षण की तिथि:कार्यालय अवधि के दौरान शाखा से संपर्क कर सकते है।
संपर्क विवरण: कटिहार शाखा: 8925951299, फॉरबिसगंज शाखा: 9940953399, नवादा शाखा: 8925952865, अरवल शाखा: 8925953689, तिआरपारा शाखा: 8925953590

बिक्री की नियम एवं शर्तों की जानकारी के लिए दिए गए लिंक में जाएं https://www.baanknet.com और https://www.publishtenders.gov.in https://baanknet.com/eauction-psb/bidder-registration (सेवा प्रदाता के ई-नीलामी का वेब पोर्टल)।

दिनांक: 10.03.2026
स्थान: पटना

नोट:-विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
इण्डियन ओवरसीज बैंक

मिनी मैराथन में सोनी व सुनील रहे अव्वल

टिकारी के पुरा गांव में बलिदानी प्रवीण शर्मा की स्मृति में प्रतियोगिता का आयोजन

दिखा उत्साह

संसू, जागरण, टिकारी : प्रखंड अंतर्गत पुरा गांव के लाल बलिदानी प्रवीण शर्मा की स्मृति में सोमवार को प्रतिमा अनावरण व मिनी मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुल 384 धावकों ने भाग लिया। पुरुष वर्ग के दौड़ की शुरुआत गंगासागर पेट्रोल पंप से हुई और इसका समापन पुरा गांव में किया गया। मिनी मैराथन में उत्तर प्रदेश के धावकों का दबदबा रहा। आयोजन समिति के प्रमोद कुमार, अवनीश कुमार और चंदन सिंह ने बताया कि पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश के वाराणसी निवासी सुनील राजभर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं भदोही (उत्तर प्रदेश) के विकास सरोज दूसरे और बिहार के समस्तीपुर निवासी मंजीत यादव तीसरे स्थान पर रहे। जबकि महिला वर्ग में वाराणसी (उत्तर प्रदेश) की सोनी देवी ने पहला स्थान हासिल किया। वहीं आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) की किरण वर्मा दूसरे और गया की रिंकी कुमारी तीसरे स्थान पर रहीं। विजेताओं को नकद राशि, प्रमाणपत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा महिला और पुरुष वर्ग में टॉप-10 धावकों को भी पुरस्कार व मेडल के साथ सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व विधायक डा. अनिल कुमार और पूर्व प्रमुख राकेश शर्मा आदि मंचासीन अतिथियों ने विजेताओं को सम्मानित किया। डा. अनिल कुमार ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को प्रेरित करती हैं। कार्यक्रम में मुसी पंचायत के मुखिया जितेंद्र कुमार, पैक्स अध्यक्ष नीरज कुमार, पूर्व जिला पार्षद पिंक राज चक्रवर्ती, गुड्डू शर्मा, लाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इससे पूर्व स्मृति समारोह का शुभारंभ स्वजनों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन-पूजन के साथ हुआ। इसके बाद स्वजनों द्वारा ही बलिदानी की आदमकद प्रतिमा का आवरण किया गया।

पुरुष वर्ग के विजेता सुनील को पुरस्कृत करते अतिथि • जागरण

18 से मातृभाषा से शुरू होगी नौवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा

पहली पाली 9:30 से 12:45 बजे और दूसरी पाली दो से 4:45 बजे तक, 23 मार्च को ऐच्छिक विषय की परीक्षा

जागरण संवाददाता, गयाजी : जिले के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा की तिथि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा निर्धारित कर दी गई है। परीक्षा 18 मार्च से शुरू होकर 23 मार्च तक आयोजित होगी। सभी परीक्षाएं दो पालियों में ली जाएंगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 4:45 बजे तक होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन प्रथम पाली में मातृभाषा की परीक्षा होगी, जबकि दूसरी पाली में सामाजिक विज्ञान की परीक्षा आयोजित की जाएगी। 19 मार्च को दूसरी तिथि के रूप में पहली पाली में गणित तथा दृष्टि बाधित विद्यार्थियों के लिए गृह विज्ञान की परीक्षा होगी। वहीं दूसरी पाली में अंग्रेजी विषय की परीक्षा ली जाएगी। 20 मार्च को पहली पाली में द्वितीय मातृभाषा की परीक्षा आयोजित होगी, जबकि दूसरी पाली में विज्ञान विषय की परीक्षा ली जाएगी। इसी पाली में दृष्टि बाधित विद्यार्थियों के लिए संगीत विषय की परीक्षा भी निर्धारित की गई है। परीक्षा का अंतिम दिन 23 मार्च रखा गया है। इस दिन दोनों पालियों में ऐच्छिक विषय की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

मगध विश्वविद्यालय में होगा पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह

संवाद सूत्र, जागरण, बोधगया: मगध विश्वविद्यालय बोधगया के कुलपति प्रोफेसर शशि प्रताप शाही की अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 18 अप्रैल को विश्वविद्यालय परिसर में एक भव्य पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के कई वर्तमान मंत्री, केंद्र सरकार के मंत्री, आईएएस एवं आईपीएस अधिकारी, तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र एवं विद्वान जन शामिल होंगे।

बैठक में विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रोफेसर विनोद कुमार, समाज विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर दीपक कुमार, मानविकी संकाय की अध्यक्ष प्रोफेसर निभा सिंह, विधि संकाय के अध्यक्ष डा. डीएन. मिश्र, डा. राकेश कुमार रंजन, डा. परम प्रकाश राय, पूनम सिंह, डा. दीपशिखा पांडेय, डा. चंद्र प्रकाश, डा. वंदना कुमारी, डा. धर्मेंद्र कुमार, डा. दिव्या मिश्रा सहित अन्य शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागों द्वारा अपने-अपने स्टाल लगाए जाएंगे, जिनमें विभाग अपनी विगत वर्षों की उपलब्धियों, शोध कार्यों एवं विभिन्न प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभागों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कुलपति प्रोफेसर शशि प्रताप शाही ने कहा कि यह समारोह विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास को पुनः स्मरण कराने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025 पर व्याख्यान

संवाद सहयोगी, जागरण, टिकारी : सीयूएसबी के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025 विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेंद्र पी. तिवारी शामिल हुए। अपने संबोधन में प्रो. तिवारी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की प्राप्ति में विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके उद्देश्य, तुलनात्मक दृष्टिकोण और संभावित लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह विधेयक विभिन्न नियामक संस्थाओं को एक तकनीक आधारित एकल ढांचे में जोड़ने का प्रयास करता है, जिससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। उन्होंने विनियमन परिषद, गुणवत्ता परिषद और मानक परिषद की भूमिका स्पष्ट करते हुए वैश्विक शैक्षिक प्रणालियों के उदाहरण भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि ऐसे विमर्श उच्च शिक्षा में सुधार, अनुसंधान और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित व्यवस्था से विश्वविद्यालयों को मान्यता, प्रत्यायन और मानकीकरण की प्रक्रिया में समय व संसाधनों की बचत होगी तथा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रो. रवि कांत ने स्वागत भाषण दिया, जबकि एमएमटीटीसी के निदेशक डा. तरुण कुमार त्यागी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सत्र का संचालन लेफ्टिनेंट डा. प्रज्ञा गुप्ता और धन्यवाद ज्ञापन डा. रिंकी ने किया।

समृद्धि यात्रा

श्री नीतीश कुमार
माननीय मुख्यमंत्री, बिहार
के कर कमलों द्वारा

बिहार सरकार

सुपौल जिला में

₹435 करोड़ की लागत से 84 योजनाओं का शिलान्यास

₹135 करोड़ की लागत से 129 योजनाओं का उद्घाटन

जिलांतर्गत क्रियान्वित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा

तथा

मधेपुरा जिला में

₹86 करोड़ की लागत से 137 योजनाओं का शिलान्यास

₹216 करोड़ की लागत से 158 योजनाओं का उद्घाटन

जिलांतर्गत क्रियान्वित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा

एवं

जनसंवाद

विशिष्ट अतिथि

श्री सम्राट चौधरी
माननीय उप मुख्यमंत्री, बिहार

श्री विजय कुमार सिन्हा
माननीय उप मुख्यमंत्री, बिहार

समृद्धि यात्रा

गरिमामयी उपस्थिति
माननीय सांसद, माननीय सदस्य, बिहार विधान मंडल एवं जिला के सम्मानित जनप्रतिनिधिगण

PR No- 025865 (District)D. 2025-26

दिनांक: 10 मार्च 2026
इस कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं!
स्थान: सुपौल एवं मधेपुरा

आज का मौसम

राज्य के ज्यादातर भागों मे आंशिक बादल छाए रहने के साथ उतरी भागों में मेघ गर्जन, वज्रपात के साथ आंधी-पानी की चेतावनी है। पांच दिनों के दौरान तापमान में विशेष परिवर्तन के आसार नहीं है। पछुआ से मौसम शुष्क होने के साथ सामान्य बना रहेगा।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
गयाजी		
10 मार्च	32	21
11 मार्च	33	20
जहानाबाद		
10 मार्च	30	21
11 मार्च	31	20
पटना		
10 मार्च	32	24
11 मार्च	32	24

डिग्री सेल्सियस में

प्रणाम

मंगलवार, चैत्र कृष्ण सप्तमी, वि.स. 2082

- बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन के लिए एक दिवसीय कार्यशाला
  स्थान : संयुक्त श्रम भवन केंदूई, गयाजी
  समय : 10 बजे
- जागरूकता अभियान
  स्थान : गया जंक्शन परिसर
  समय : 11 बजे

रमजान मुबारक

इफ्तार	सहरी
06.00	04.45

विष्णुपद के गर्भगृह के साथ 16 वेदी रहेंगे यथावत, फल्गु तट पर होगा अनुष्ठान

सीताकुंड, मंगलागौरी व अक्षयवट को भी विष्णुपद गलियारा में विकसित करने पर सहमति

डीएम ने की बैठक

- भवन व धर्मशाला को विरासत के रूप में संरक्षित करने का सुझाव
- डीएम ने गयापाल पुरोहित और शहरवासियों के साथ की बैठक

जागरण संवाददाता, गयाजी: गयाजी में प्रस्तावित विष्णुपद गलियारा के विकास एवं सौंदर्यीकरण को लेकर सोमवार को जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में समाहरणालय में बैठक हुई। पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा करते हुए यह तय किया गया कि मंदिर के गर्भगृह के चारों ओर स्थित 16 वेदियों को यथावत रखा जाएगा। साथ ही, मंदिर परिसर की वर्तमान सीमा को आवश्यकतानुसार विस्तारित करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। यह भी स्पष्ट किया गया कि पिंडदान की परंपरागत व्यवस्था को बरकरार रखते हुए यह अनुष्ठान फल्गु नदी के तट पर ही कराया जाएगा, जैसा कि सदियों से होता आया है। इसके अतिरिक्त श्मशान घाट के लिए उपलब्ध स्थान को भी विस्तारित करने की संभावना पर चर्चा हुई। मंदिर परिसर के निकट स्थित सिजुआर धर्मशाला को एक विरासत संरचना के रूप में संरक्षित रखने का प्रस्ताव रखा गया। इसी प्रकार मंदिर क्षेत्र के आसपास स्थित अन्य ऐतिहासिक भवनों की पहचान कर उन्हें भी विरासत संरचना के रूप में संरक्षित करने की दिशा में कार्य करने का सुझाव दिया गया। निर्णय लिया गया कि मंदिर परिसर के आसपास वर्तमान में संचालित दुकानदारों और

विष्णुपद कोरिडोर को लेकर गयापाल पुरोहित सहित अन्य के साथ बैठक करते डीएम।

फेरीवालों को व्यवस्थित तरीके से पुनर्गठित किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही पिंडदान करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त छायादार व्यवस्था की जाएगी।

गलियारा को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए व्यवस्थाएं: बैठक में प्रस्तावित विष्णुपद गलियारा को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए कई व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी, इनमें उन्नत कैस्केड लाइटिंग सिस्टम, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, शौचालय, चेंजिंग रूम, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, भूमिगत जलनिकासी एवं सीवर नेटवर्क, सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन केंद्र, पुलिस स्टेशन, सुरक्षा जांच चौकियां, आगंतुक सहायता केंद्र, लास्ट एंड फाउंड सेंटर तथा पार्किंग सुविधाएं शामिल होंगी। साथ ही सीताकुंड, मंगलागौरी और अक्षयवट को भी विष्णुपद गलियारा परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव पर सहमति बनी। सदस्यों ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि पिंडदान और पितृपक्ष से जुड़ी धार्मिक एवं पौराणिक परंपराओं की पवित्रता और सांस्कृतिक महत्व को अक्षुण्ण रखते हुए ही विकास कार्य किए जाएं। इस बात पर चर्चा हुई कि मंदिर परिसर के विकास और सौंदर्यीकरण के साथ-साथ पितृपक्ष और कर्मकांड की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को सुरक्षित रखा जाए।

फल्गु में हो भगवान विष्णु की पेडेस्टल प्रतिमा स्थापित

सदस्यों ने सुझाव दिया कि सीताकुंड बाईपास और मानपुर बाईपास के बीच फल्गु नदी के मध्य भाग में भगवान विष्णु की एक भव्य पेडेस्टल प्रतिमा को पुन: स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाए। फल्गु नदी में जमा स्थिर जल को साफ रखने के लिए एरेटर लगाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। इस संबंध में कार्यरत परामर्शदाता संस्था एचसीपी प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड से अपने प्रस्तावित योजना में इसे शामिल करने का आग्रह किया गया। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित पक्षों के सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि विष्णुपद गलियारा परियोजना का उद्देश्य गया की धार्मिक विरासत, सांस्कृतिक पहचान और तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए एक विश्वस्तरीय तीर्थ क्षेत्र का विकास करना है। बैठक में विष्णुपद गलियारा का वीडियो कांफ्रेंसिंग से मॉडल दिखाया गया। बैठक में नगर आयुक्त अभिषेक परसिया, अनुमंडल पदाधिकारी सदर अनिल कुमार रमण, विशेष कार्य पदाधिकारी धनराज कुमार, टाउन प्लानर, आर्किटेक्ट, पंडा-पुरोहित महेश लाल गुप्त, शंभूलाल विट्ठल, राजन सिजुआर, मणिलाल बारिक, शिवकुमार भइया, संवाद सदन समिति के सदस्य, चैम्बर से जुड़े कौशलेन्द्र प्रताप और अनूप केडिया सामाजिक कार्यकर्ता थे।

खटकाचक में लूटकांड की योजना बना रहे तीन बदमाशों को हथियार व कारतूस के साथ धराए

जागरण संवाददाता, गयाजी: गयाजी शहर के विष्णुपद थाना क्षेत्र के खटकाचक में तीन बदमाशों को लूटकांड की योजना बनाते पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों के घर की तलाशी के बाद हथियार बरामद किया गया है। विष्णुपद थाना की पुलिस ने बताया कि 8 मार्च को एक स्थान पर एकत्रित होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस को देखकर बदमाश भागने लगे तभी सशस्त्र बलों ने धर दबोचा। गिरफ्तार लोगों में गया जिला के सरबहदा थाना क्षेत्र के शेखबिगहा गांव निवासी रोहित कुमार को पकड़ा गया। पुलिस ने रोहित के घर विष्णुपद थाना क्षेत्र के खटकाचक मोहल्ला में तलाशी ली गई। उसके घर से एक देशी कट्टा,एक देशी रायफल, दो जिंदा कारतूस एवं एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। रोहित से पुलिस ने पूछताछ की। बताया कि हथियार अक्षय कुमार एवं शशी कुमार ने दिया था। गिरफ्तार बदमाश के निशानदेही पर खटकाचक चाय दुकान पर पुलिस पहुंची। पुलिस को देखकर दो व्यक्ति भागने लगा। जिसे सशस्त्र बलों ने पकड़ा। गिरफ्तार व्यक्ति विष्णुपद थाना क्षेत्र के खटकाचक नैली मोहल्ला निवासी अक्षय कुमार एवं दूसरा शशी कुमार शामिल है।

विद्यालय में ताला तोड़कर चोरों ने की चोरी

संवाद सूत्र जागरण • कोंच : प्राथमिक विद्यालय रामपुर के बंद विद्यालय में अज्ञात चोरों द्वारा चावल और इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार ने इस संबंध में स्थानीय थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय रामपुर में सोमवार को जब शिक्षक विद्यालय पहुंचे तो कार्यालय का ताला टूटा हुआ पाया। इस संबंध में प्रधान शिक्षक द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और लगभग दो क्विंटल चावल चोरी किए जाने को लेकर आवेदन दिया गया है। थानाध्यक्ष सुदेह कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है, मामले की जांच की जा रही है।

15 मार्च तक कराएं रामनवमी शोभायात्रा के मार्गों का सत्यापन

रामनवमी शोभायात्रा की तैयारी को लेकर डीएम व एएसपी ने की बैठक, कहा 26 मार्च को बिना लाइसेंस के नहीं निकलेगी यात्रा

जासं, गयाजी: 26 मार्च को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी को संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को आयोजकों के साथ जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर एवं वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक हुई। जिला पदाधिकारी ने कहा कि बड़े स्तर पर शोभायात्रा निकाली जाती है। इसके लिए पूर्व से व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का आकलन कराते हुए उसे दुरुस्त किया जाना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि 15 मार्च तक शोभायात्रा के सभी मार्गों का भौतिक सत्यापन हर हाल में कराया जाए। सुनिश्चित किया जाएगा कि यदि कहीं सड़क मरम्मत की आवश्यकता है, बिजली तार को ऊंचा करने की आवश्यकता है, बैरिकेडिंग की आवश्यकता है, या किस स्थान पर रोशनी और सीसीटीवी की आवश्यकता है, इन सभी का आकलन करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संयुक्त रूप से प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं।

डीएम ने बताया कि 23 मार्च को जिला पदाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक के साथ-साथ अन्य वरीय अधिकारियों के साथ शोभायात्रा के मार्गों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाएगा। सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए हैं कि शोभायात्रा के लिए लाइसेंस के लिए प्राप्त होने वाले आवेदनों का रिसीविंग हर हाल में आयोजकों को उपलब्ध कराएं। सिविल सर्जन को भी निर्देश दिए गए हैं कि विभिन्न प्रमुख मार्गों पर चिकित्सक दल सहित एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी प्रमुख स्थानों पर जनरेटर सहित रोशनी की मुकम्मल व्यवस्था की जाएगी। वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गया जिले में रामनवमी पर भगवान श्रीराम की शोभा यात्रा निकाली जाती है, जो गंगा जमुना तहजीब का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करती है। उन्होंने सभी से अपील की कि हम सभी गया जिला वासियों की जिम्मेदारी है कि इस भव्य शोभा यात्रा को पूर्व वर्षों की तरह बरकरार रखें।

India's First 5 Year Warranty *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Finance offer is at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. *Limited period offer, T&C apply. ~Cash back Upto Rs. 10000 as per participating banks T&Cs. *Scratch & Win Hero GoodLife Program. T&C Apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. $Womens Day Cash Discount Offer valid till 10th March. #Ex-showroom price of Destini VX 110 price in Patna.

SBI card | HDFC BANK | pine labs | INSTANT DISCOUNT UP TO ₹10000

Hero GoodLife जीतने का सुनहरा मौका सोने और चाँदी के सिक्के साथ में कई अन्य सुनिश्चित लाभ*

TOLL FREE 1800 266 0018

Authorized Dealers: Patna: Patliputra Hero - 9289922164, Chandan Hero - 9289922169, Asha Hero - 9289922702, Chandan Hero - (Sampat Chak) - 9289922169, Patliputra Hero - (Exhibition Rd) - 9289922164, Asha Hero - (Masaurhi) - 9289922702, Patliputra Hero - (Bihta) - 9289922164, Patliputra Hero - (Jagdeo Path) - 9289922164 Arrah: Aditya Hero - 9289922581, Karan Enterprises - 9289923219, Aurangabad: Lara Hero - 9289922769, Begusarai: Begusarai Hero - 9289922175, Dev Hero - 9821743076, Biharshariff: Om Hero - 9289922177, Mahalaxmi Hero - 9821746386, Buxar: Makhan Bhog Hero - 9289233012, Chapra: Prabhu Hero - 9289922176, Reeshav Hero - 9289923032, Dehri on Sone: Anaya Hero - 9289923814, Gopalganj: Shree Gopal Hero - 9289922567, Narayani Hero - 9289235372, Gaya: K L Gupta Hero - 9289922171, Shri Om Sai Hero - 9289922950, Hajipur: Rohit Hero - 9289922554, Chandamama Hero - 9289922951, Jehanabad: Asha Hero - 9289923806, Mohania: Swastik Hero - 9289922792, Nawada: Girija Hero - 9289922859, Sasaram: Shahabad Hero - 9289922560, Siwan: Maharana Hero - 9289922172, Pratik Hero - 9289922817, Associate Dealers: Kurjee More: Tirth Automobile - 9608477599, Begampur, Sattichoura: City Automobiles - 9308374165, Mokama: Bahan Seva Kendra- 7070199645, Fatuha: M/S Shail Automobiles - 9835882628, Mirganj: Maya Motors - 9993419903, Maharajganj: Shiv Shakti Automobiles - 9939319680, Mairwa: Ganesh Trades - 9955977680, Balia: Osho Auto Agency - 9431287643, Teghra: D S Automobiles - 9835674746/9430495885, Bakhri: M K Agency - 9931071335, Kinjer: Jai Automobiles - 6201618668, 9263164920, Rajgir: Akash Auto Agency - 9934062131 / 9939519359, Sheikhpura: Durga Auto Agency - 8409622505, Katrisarai: Sri Jaya Motors - 8002025156, Panapur: Sikander Automobiles - 8709846996, Masrakh: Sonu Automobiles - 9939633471, Banyipur: Shiv Automobile - 6204660048, Sahpur: Vinayak Automobiles - 9431069383, Dumraon: Geeta Automobiles - 9955293639, Piro: Vandana Enterprises - 8877564488, Sonbarsa: Arti Automobiles - 8521330600, Sariya, Ara: Shishir Raj Enterprises - 7979716120, Chaugai: Kamla Automobiles - 8368091102, Lalganj: Ambika Auto Agency - 9693359185, Jandaha: Meera Automobiles - 9006630329, Mahuwa: Kaushalya Automobiles - 9973226001, Belsar: Kaveri Automobiles - 9939693741, Arwal: Aaradhya Automobiles - 7870742555, 7870246555, Kinjer: Jai Automobiles - 6201618668, 9263164920, Manpur: Magadh Enterprises - 6204379434, Sherghati: Maanak Services - 6204455700, Daudnagar: Saurabh Automobiles - 9934941713, Rafiganj: Sondik Enterprises - 9934878255, Hisua: D V Motors - 9934803525, Bikramganj: Maa Vindhyawasini Automobiles - 9473261602, Karahgar: Mahadev Motors - 9934127701, Dehri On Sone: Jai Matadi Automobiles - 9934747648, Bidupur: Sai Automobiles - 9973058011, Barh: R. K. Automobiles - 7004398544, Hilsa: Swaraj Automobiles - 7870819170, Hajipur Mahnar Road: Sai Automobiles - 9973058011.

VML.5868.2025

टैक्स दे रहे शहरी सुविधा का, जलजमाव व अंधेरे में बीत रहा जीवन

बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा वार्ड एक, जलजमाव, खुले मैनहोल और अतिक्रमण से लोग बेहाल

जवाबदेह मौन

जागरण संवाददाता, गयाजी: शहर का वार्ड संख्या एक इन दिनों बुनियादी सुविधाओं के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यहां के लोग जलजमाव, पेयजल संकट, जर्जर सड़क, खुले मैनहोल, अवैध खटाल और अतिक्रमण जैसी कई समस्याओं से हर दिन दो-चार हो रहे हैं। नगर निगम को नियमित रूप से टैक्स देने के बावजूद लोगों को मूलभुत सुविधाएं नसीब नहीं हो रही हैं। सोमवार को जागरण की टीम ने वार्ड का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान लगभग हर मोहल्ले में समस्या ही समस्या नजर आई। सबसे बड़ी समस्या जलजमाव की सामने आई। जिसके कारण लोगों का जीवन काफी प्रभावित हो रहा है। करीब 32 हजार की आबादी वाला यह वार्ड शहर में होने के बावजूद सुविधाओं के अभाव में ग्रामीण जीवन जीने को मजबूर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

खुले मैनहोल दे रहे हादसे को न्योता : वार्ड के कई मोहल्ले में नालियों के मैनहोल खुले पड़े हैं जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। कई जगह मैनहोल का ढक्कन गायब है और वहां कोई सुरक्षा व्यवस्था भी नहीं की गई है। कई बार लोग अंधेरे में इन खुले मैनहोल में गिरकर घायल हो चुके हैं। सबसे ज्यादा खतरा छोटे बच्चों को बना रहता है। अभिभावकों का कहना है कि यदि कोई बच्चा इसमें गिर गया तो उसकी जान भी जा सकती है। मैनहोल को ढंकने के लिए कई बार नगर निगम प्रशासन से शिकायत की गई। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। प्रशासन की इस लापरवाही से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

अवैध खटाल से बढ़ रही गंदगी : वार्ड में अवैध रूप से चल रहे खटाल भी लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गए हैं। कई जगहों पर पशुपालकों ने घरों और सड़कों के किनारे मवेशी बांध रखे हैं। जिससे गंदगी फैल रही है। मवेशियों के गोबर और गंदगी से आसपास का माहौल दूषित हो जाता है। वहीं कई पशुपालक अपने मवेशियों को सड़क किनारे खुला छोड़ देते हैं। जिससे आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है। खटाल की वजह से सड़कें गंदी रहती हैं और दुर्गंध से आसपास के लोग परेशान रहते हैं। इसके बावजूद नगर निगम की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

पानी की पाइपलाइन लीकेज से बर्बाद हो रहा जल : वार्ड के कई हिस्सों में जलापूर्ति की पाइपलाइन भी जर्जर हो चुकी है। कई स्थानों पर पाइपलाइन लीकेज के कारण हर दिन लाखों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। पानी की किल्लत के बावजूद पाइपलाइन से लगातार पानी बहता रहता है। लेकिन इसे ठीक कराने के लिए कोई पहल नहीं की जाती। लोगों ने कई बार इसकी सूचना संबंधित विभाग को दी। लेकिन अब तक समस्या जस की तस बनी हुई है।

वार्ड में स्थित कई मोहल्ले : वार्ड में कई मोहल्ले स्थित हैं। जिसमें खरखुरा तरबाना, बैरागी, नब्बादा बस्ती, रविदास टोला, भट बिगहा, गौतम बुद्ध कालोनी, राजा कोठी, वसंत विहार कालोनी, पासवान टोला, भवानी नगर और पांच नंबर रोड मोहल्ले हैं।

वार्ड संख्या एक में जलजमाव • जागरण

सालों से जलजमाव की समस्या :

वार्ड की सबसे गंभीर समस्या जलजमाव है। वार्ड में स्थित एक बड़ा सरोवर आज नाली का संडास बनकर रह गया है। कई मोहल्लों का गंदा पानी नालियों के माध्यम से इसी सरोवर में आकर गिरता है। दो हजार से अधिक घरों का गंदा पानी रोजाना इस सरोवर में पहुंच रहा है। नाली का गंदा पानी लगातार गिरने के कारण सरोवर का पानी पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है। इससे आसपास के क्षेत्रों में दुर्गंध फैलती रहती है। जिससे लोगों का जीना मुहाल हो गया है। गर्मी के दिनों में बदबू इतनी तेज हो जाती है कि घरों में रहना मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं सरोवर के आसपास स्थित बोरिंग से निकलने वाला पानी भी अब दूषित होने लगा है। लोगों का कहना है कि पहले बोरिंग का पानी साफ निकलता था। लेकिन अब उसमें बदबू आने लगी है। इससे लोगों को शुद्ध पेयजल की समस्या भी झेलनी पड़ रही है।

वार्ड में नाले का खुला मैनहोल • जागरण

- जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से क्षेत्र में जलजमाव बड़ी समस्या
- वार्ड क्षेत्र में लगी अधिकतर स्ट्रट लाइट खराब, शाम होते ही अंधेरा

वार्ड में सड़क पर बंधी मवेशी • जागरण

अतिक्रमण से लगता है जाम

वार्ड में अतिक्रमण भी बड़ी समस्या बन चुका है। सड़क किनारे ठेला और दुकानें लगाने से सड़कें संकरी हो गई हैं। इसके कारण पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। जाम का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों और कामकाजी लोगों पर पड़ता है। अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम द्वारा कभी भी अभियान चलाया जाता है।

वार्ड को जानें

वार्ड संख्या	01
आबादी	32000
मतदाता	7800
विद्यालय	02
आंगनबाड़ी केंद्र	04
कॉलेज	शून्य
पार्क	शून्य
अस्पताल	शून्य
मिनी जलापूर्ति केंद्र	07
स्ट्रीट लाइट	200
हाईमास्ट लाइट	07
सफाईकर्मी	34
ठेला	18
सामुदायिक भवन	01
सामुदायिक शौचालय	शून्य

अपने सुझाव व विचार भेजे :
ईमेल : gaya@pat.jagran.com
वाट्सएप : 9931276898
9931971124

बोलें वार्डवासी

जलापूर्ति को लेकर वार्ड में पाइपलाइन का विस्तार किया गया है। लेकिन पानी का प्रेशर काफी कम रहता है। इससे पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। ऐसे में पानी की किल्लत हमेशा बनी रहती है।
प्रिये देवी

वार्ड में बड़ी समस्या जलजमाव का है। वर्षों से जलजमाव बना है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। सरोवर के सुंदरीकरण करने की जरूरत है। जिससे लोगों को जलजमाव से निजात मिलेगी।
रामजी यादव

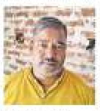
बुडको की लापरवाही से प्रत्येक वार्ड में हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। क्योंकि वार्ड में 20 से 22 स्थानों पर जलापूर्ति पाइपलाइन लीक है। पानी की बर्बादी रोकने की जरूरत है।
रंजन कुमार

नाले का मैनहोल खुला रहने से काफी परेशानी हो रही है। इसमें गिरकर लोग जख्मी हो रहे हैं। सबसे अधिक डर रात में लगता है। थोड़ी सी चूक होने पर बड़ी घटना घट सकती है।
विक्रम कुमार

वार्ड में साफ-सफाई का काम हो रहा है। लेकिन सफाई व्यवस्था में और सुधार की जरूरत है। साथ ही नाली को ढकने की जरूरत है। जिससे लोगों की परेशानी कम हो सके।
रवि कुमार

वार्ड के खरखुरा तरबाना मोहल्ले में जलजमाव की स्थिति बनी रहती है। क्योंकि नाली की सफाई पूरी तरह से नहीं होने से नाली का पानी सड़क पर बहते रहता है। इससे जलजमाव बना रहता है।
मिंटू प्रसाद

अतिक्रमण से वार्ड के लोग परेशान है। क्योंकि अतिक्रमणकारियों ने अवैध रूप से सड़क किनारे दुकानें खोल रखी हैं। इससे आए दिन सड़क घंटों जाम रहती है। स्कूल के समय में सड़क पर जाम रहता है।
सुनील कुमार

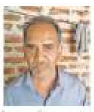
वार्ड में रोशनी को लेकर कई स्ट्रीट लाइट लगी है। लेकिन काफी संख्या में खराब हैं। जिसके कारण रात में लोगों की परेशानी हो रही है। मरम्मत के अभाव में अंधेरे में सड़क पर चलना पड़ता है।
संतोष कुमार

वार्ड में स्थित सरोवर में नाली गिरने से जलजमाव की स्थिति बन गई है। क्योंकि पानी निकलने का रास्ता ठीक नहीं है। सरोवर के सुंदरीकरण को लेकर नगर निगम के बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव रखा गया है। सुंदरीकरण को लेकर प्राक्कलन भी तैयार हो गया है। जल्द ही निविदा के काम के बाद सुंदरीकरण का काम शुरू किया जाएगा।
स्वर्णलता वर्मा, वार्ड पार्षद

सीओ एवं आरओ की हड़ताल से कार्य प्रभावित

संवाद सूत्र, जागरण• फतेहपुर : पूरे बिहार में सीओ एवं आरओ के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने से अंचल कार्यालयों का कार्य प्रभावित हो गया है। फतेहपुर अंचल कार्यालय में अधिकांश कार्य ठप हो गए हैं, जिससे आम लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जाति, आवासीय एवं आय प्रमाणपत्र बनवाने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इन प्रमाणपत्रों के लिए कार्यालय पहुंचते हैं, लेकिन अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण उनके आवेदन लंबित हैं। इसके अलावा, जमीन से जुड़े दाखिल खारिज और अन्य राजस्व संबंधी कार्य भी प्रभावित हुए हैं।

जांचोपरांत पीडीएस दुकान की अनुज्ञप्ति निरस्त

संसू, जागरण• बांकेबाजार : अनुमंडल पदाधिकारी शेरघाटी द्वारा बिहरगांई पंचायत अंतर्गत फतेहपुर गांव में संचालित पीडीएस दुकान का औचक निरीक्षण किया गया। अनियमितता मिलने पर पीडीएस दुकानदार रवि शंकर रजक के दुकान की अनुज्ञप्ति निरस्त कर दी गई। शेरघाटी एसडीओ मनीष कुमार ने बताया कि बांकेबाजार के फतेहपुर गांव के ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर उक्त गांव में संचालित पीडीएस दुकान का निरीक्षण किया गया। अनुज्ञप्ति संख्या 32/2016 के पीडीएस दुकानदार रवि शंकर रजक उदंड किस्म का है। गांव वालों को प्रताड़ित किए जाने एवं राशन में कटौती करने की शिकायतें मिली थीं।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! punjab national bank ...the name you can BANK upon !

शाखा कार्यालयः सीओ सैम सर्किल आफिस, गया (आर जे पैलेस, राय काशी नाथ मोड़, गया) ईमेलः cogayasamd@pnb.co.in

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रवर्तन के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के आलोक में पठित

एतद्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से ऋणी (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी रखी गई है, जिसका रचनात्मक / भौतिक / प्रतीकात्मक कब्जा पीएनबी द्वारा ले लिया गया है। बैंक के प्राधिकृत अधिकारी / सिक्योर्ड क्रेडिटर को अपनी बकाया राशि की वसूली के लिए नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित तिथि को "जहां है जैसा है", "जैसा है जो है और "जो कुछ भी है" पर बेचा जाएगा। संबंधित उधारकर्ता (ओं) और गारंटर (ों) से बैंक / सुरक्षित लेनदार के कारण। आरक्षित मूल्य और बयाना राशि जमा नीचे दी गई तालिका में संबंधित संपत्तियों के अनुसार होगी।

सुरक्षित संपत्ति की अनुसूची

लॉट नम्बर	क. शाखा का नाम ख. खाते का नाम ग. उधारकर्ता/गारंटर के खाते का नाम एवं पता	बंधक रखी गई अचल संपत्तियों (भूमि और भवन) का विवरण, बंधककर्ता/संपत्ति के मालिक के नाम सहित	क. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के तहत डिमांड नोटिस की तारीख ख. बकाया राशि ग. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा-13 (4) के तहत कब्जे की तारीख घ. कब्जे की प्रकृति प्रतीकात्मक/भौतिक	1. आरक्षित मूल्य (लाख में) 2. ईएमडी 3. बोली वृद्धि राशि	ई नीलामी का दिनांक/समय	सुरक्षित लेनदारों को ज्ञात ऋणभारों का विवरण
1.	क. शाखा: टनकुप्पा, गया ख. श्री उपेन्द्र कुमार पिता श्री देवलाल महतो ग. श्री उपेन्द्र कुमार, पिता श्री देवलाल महतो, श्री देवलाल महतो पिता-स्वर्गीय छद्दू महतो पता- ग्राम- आरोपुर, पोस्ट - टनकुप्पा, फतेहपुर, जिला- गया - 824232	पंजीकृत विक्रय विलेख सं- 2633, दिनांक 05.02.2016, खाता नं. 84, प्लॉट नं. 964, थाना नं. 509, क्षेत्रफल- 1.812 डिसमिल के अंतर्गत आने वाली संपत्ति श्री देवलाल प्रसाद, पिता- स्वर्गीय छद्दू महतो के नाम पर ग्राम- आरोपुर, थाना- वजीरगंज, पोस्ट- टनकुप्पा, जिला- गया में स्थित है। चौहद्दी - उत्तर- सुंदरी देवी, दक्षिण- चारू चौधरी एवं बसन कुंवर, पूर्व- सुखदेव यादव, पश्चिम- रामस्वरूप यादव।	क. 06.02.2024 ख. बकाया राशि : रू. 9,91,218.86 (रूपये नौ लाख इक्यानवे हजार दो सौ अठारह एवं छियासी पैसे मात्र) दिनांक 31.01.2024 तक साथ ही दिनांक 01.02.2024 से अतिरिक्त ब्याज एवं पूर्ण भुगतान होने तक अन्य व्यय। ग. 10.05.2024 घ. प्रतिकात्मक कब्जा	1.रू. 9,55,000/- 2.रू.95,500/- 3.रू.10,000/-	दिनांक 25.03.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	शून्य
2.	क. शाखा: ए.पी. कॉलोनी, गया ख. श्री सुमित गुप्ता पिता श्री कृष्णा मुरारी प्रसाद ग. श्री सुमित गुप्ता पिता श्री कृष्णा मुरारी प्रसाद, श्री सुधीर कुमार, पिता- श्री कन्हैया प्रसाद गुप्ता। पता- ग्राम- बरेभ (नियर-होली पब्लिक स्कूल), थाना- मोफसिल, जिला- गया 823001 एवं ग्राम- रामधनपुर, राज कॉलोनी, पहली, कोतवाली, जिला- गया-823001 पता- नई गोदाम, पहली लेन, नियर- रामा प्रेस, सोनु गली, थाना-कोतवाली जिला- गया- 823001	विक्रय विलेख सं. 7013, दिनांक 26-04-2017, खाता नं. 40 (पुराना) ,07 (नया), थाना नं. 268, प्लॉट नं 519 (पुराना) ,875 (नया) ,क्षेत्रफल- 1000 वर्गफिट के अंतर्गत आने वाली संपत्ति श्री सुमित गुप्ता, पिता- श्री कृष्णा मुरारी प्रसाद के नाम पर मौजा- बरेभ, थाना- मोफसिल, जिला- गया में स्थित है। चौहद्दी - उत्तर- ब्लॉक नं. 9 साधना देवी आज खरीदार, दक्षिण- ब्लॉक नं. 7 नीज लेखपकारी, पूर्व- 10 फीट चौड़ा रास्ता, पश्चिम- ब्लॉक नं. 5 संगीता सिन्हा आज खरीदार।	क. 04.09.2021 ख. बकाया राशि : रू. 15,84,944.16 (रूपये पंद्रह लाख चौरासी हजार नौ सौ चौवालीस एवं सोलह पैसे मात्र) दिनांक 01.04.2021 से अतिरिक्त ब्याज एवं पूर्ण भुगतान होने तक अन्य व्यय। ग. 04.12.2021 घ. प्रतिकात्मक कब्जा	1.रू. 5,70,000/- 2.रू.57,000/- 3.रू.10,000/-	दिनांक 25.03.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	शून्य
3.	क. शाखा: राय काशीनाथ मोड़, गया ख. श्रीमति सुमन कुमारी, पति- श्री राजेश कुमार ग.श्रीमति सुमन कुमारी, पति- श्री राजेश कुमार सह-उधारकर्ता - श्री राजेश कुमार पिता- श्री देवी साव पता- सहोदा, मीलानगर, अतरी, जिला- गया, पिन-823311	श्रीमति सुमन कुमारी, पति- श्री राजेश कुमार के नाम पर संपत्ति, पता- सहोदा मीलानगर अतरी, जिला- गया और बंधक आईपी अमावां, थाना- बोधगया, जिला- गया, खाता संख्या- 140 (नया), प्लॉट संख्या- 402 (नया), ब्लॉक संख्या- 04, थाना संख्या- 355, क्षेत्रफल- 680 वर्गफिट या 1.56 डिसमिल, बिक्री विलेख संख्या- 3917, दिनांक 18.03.2015 के अनुसार स्थित है। चौहद्दी - पूर्व- राजकुमार सिंह, पश्चिम- प्रस्तावित रास्ता 14 फिट, उत्तर- आज खरीदार किरण देवी, दक्षिण- निज विक्रेता।	क. 27.03.2023 ख. बकाया राशि : रू. 9,95,478.26 (रूपये नौ लाख पनचानवे हजार चार सौ अठहत्तर एवं छब्बीस पैसे मात्र) दिनांक 27.03.2023 तक साथ ही दिनांक 28.03.2023 से अतिरिक्त ब्याज एवं पूर्ण भुगतान होने तक अन्य व्यय। ग. 25.07.2023 घ. प्रतिकात्मक कब्जा	1.रू. 8,07,000/- 2.रू.80,700/- 3.रू.10,000/-	दिनांक 25.03.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक	शून्य

नियम एव शर्तेः
बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में वर्णित नियमों एवं निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगीः
1. संपत्तियों को 'जैसा है जहां है के आधार पर' और 'जैसा है जो है के आधार पर' और 'जो कुछ भी है' के आधार पर बेचा जा रहा है।
2. ऊपर दी गई अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा।
3. बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेबसाइट https://baanknet.com पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से 25.03.2026 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक की जाएगी।
बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए कृपया https://baanknet.com और www.pnbindia.in देखें।

दिनांक- 09.03.2026
स्थान- गया

विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ्य मान्य होगा

सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के तहत वैधानिक बिक्री सूचना

श्री मनीष कुमार सिंह
प्राधिकृत अधिकारी
पंजाब नेशनल बैंक, सुरक्षित ऋणदाता
मो.– 8210183919

निशांत को जदयू का सदस्यता ग्रहण करने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष

जागरण संवाददाता, गयाजी: निशांत कुमार के जदयू में शामिल होने से पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अत्यंत उत्साहित हैं। जदयू जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा ने बताया कि निशांत कुमार के आगमन से जिले के कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है, और सभी उन्हें एक नई उम्मीद के रूप में देख रहे हैं। जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने कहा कि निशांत कुमार एक शिक्षित युवा और इंजीनियर हैं, जो सौम्य स्वभाव के मालिक हैं। उन्हें विश्वास है कि यदि वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्ग पर चलते हैं, तो पार्टी और सरकार में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करेंगे और सरकार को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे। निशांत कुमार जल्द ही जिले का दौरा करेंगे, जिसके लिए कार्यकर्ता विशेष रूप से उत्सुक हैं। उनके स्वागत में अलेक्जेंडर खान, विनोद कुमार, अरुण राव, ज्योति दांगी, धनंजय शर्मा, सतीश पटेल, बबन चंद्रवंशी, राकेश पांडे, अजीत शर्मा, शंकर चौधरी, पूनम कुशवाहा, सोनम दास, मितंबरा लोहड़े, मधुसूदन राय, कैलाश पासवान, सुरेश राव, गौतम कुमार, बलदेव प्रसाद सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

शपथ पत्र

मैं, ममता देवी, उम्र 43 वर्ष, पत्नी स्वर्गीय कृष्णा यादव, ग्राम–जखारी बिगहा, पोस्ट–आईमा, थाना–खिजरसराय, जिला–गया, शपथ पूर्वक घोषणा करती हूं कि मेरा नाम ममता देवी उर्फ मनोरमा देवी है। मैं दोनों नामों से जानी और पहचानी जाती हूं, जो कि एक ही महिला का नाम है, जो मैं स्वयं हूं। तथा मेरे पति स्वर्गीय कृष्णा यादव, जिन्हें कृष्णा प्रसाद के नाम से भी जाना जाता था, दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

APR Cinemas
THE KERALA STORY 2: GOES BEYOND- 9:45AM, 10:40AM, 01:15PM, 4:00PM, 5:45PM, 6:40PM, 8:15PM, 9:15PM.
O' Romeo- 12:10PM
TERE NAAM- 3:25PM.
DOLBY ATMOS APR CINEMAS NOW IN DOLBY ATMOS !!!

SWAMI VIVEKANAND VIDYAPITH
ADMISSION OPEN CBSE+2 Residential School
Para-Medical (Diploma, Degree & Master Degree)
• Physiotherapy (BPT) • Med. Lab Technician • Radio Imaging
• O.T. Assistant • ECG Technician • Sanitary Inspector
Nursing • ANM • GNM • B.Sc. Nursing Post Basic B.Sc. (N.) M.Sc. (N)
Pharmacy • M.Pharm • B.Pharm • D.Pharm Education D. El. Ed. & B. Ed.
Journalism • BJMC Library Science • BLIS • DOL • Manuscriptology
svns.in | svbedcollege.org | svpmc.org | ksscpbihar.com
Address Madhav Villa, Swami Vivekanand College Road, Simultala (Jamui)
6207460360, 6203279277, 7070665388, 7209421792

फतेहपुर में प्रमुख एवं उप प्रमुख की कुर्सी सुरक्षित, अविश्वास प्रस्ताव खारिज

कोरम का अभाव

- कोरम के अभाव में विशेष बैठक रही बेनतीजा
- दो तिहाई सदस्य नहीं पहुंचे, चर्चा और वोटिंग भी नहीं हो सकी

संवाद सूत्र, जागरण• फतेहपुर: प्रखंड मुख्यालय परिसर में सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रमुख एवं उप प्रमुख पर लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर विशेष बैठक आयोजित की गई। जिला मुख्यालय से प्रतिनियुक्त अधिकारी डीसीएलआर की उपस्थिति में बैठक की कार्रवाई सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे शुरू हुई। हालांकि, आवश्यक कोरम पूरा नहीं होने के कारण अविश्वास प्रस्ताव पर मुहर नहीं लग सकी और अंततः प्रमुख एवं उप प्रमुख की कुर्सी बरकरार रह गई। बैठक में सबसे पहले प्रमुख के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके बाद उप प्रमुख के खिलाफ प्रस्ताव पर चर्चा की गई। सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित नियमों के अनुसार, अविश्वास प्रस्ताव पर विचार और मतदान के लिए सदन में दो तिहाई सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य होती है।

जानकारी के अनुसार, 25 निर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों वाले इस सदन में कम से कम 17 सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक थी। जबकि आयोजित बैठक में मात्र 13 सदस्य ही उपस्थित हो सके। आवश्यक कोरम पूरा नहीं होने के कारण अविश्वास प्रस्ताव स्वतः निरस्त हो गया और प्रमुख अनिता देवी तथा उप प्रमुख रणधीर यादव की कुर्सी सुरक्षित रह गई।

बीते 21 फरवरी 2026 को 25 पंचायत समिति सदस्यों में से 14 सदस्यों ने प्रमुख अनिता देवी एवं उप प्रमुख रणधीर यादव के खिलाफ समय-समय पर बैठक नहीं बुलाने सहित अन्य आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव लाया था। इसके बाद बीडीओ शशि भूषण साहू ने वरीय अधिकारियों के निर्देश पर नौ मार्च को विशेष बैठक बुलाने की तिथि निर्धारित की थी। बीडीओ ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट, राज्य सरकार एवं जिला पंचायती राज विभाग के नियम एवं आदेश के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर विशेष बैठक बुलाई गई थी। लेकिन सदस्यों की संख्या निर्धारित कोरम से कम रहने के कारण बैठक को निरस्त कर दिया गया। बैठक में बीपीआरओ प्रमोद कुमार साव, स्थानीय पुलिस प्रशासन सहित पंचायती राज विभाग के अन्य कर्मी मौजूद रहे।

डीलर एसोसिएशन ने दी आंदोलन की चेतावनी

संवाद सूत्र, जागरण• बोधगया: फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र कुमार सिंह और जिला महामंत्री डा. विजय कुमार यादव ने सोमवार को गया जी के जिला पदाधिकारी के जनता दरबार में पहुंचकर खाद्यान्न उठाव बंद रहने की समस्या को लेकर लिखित आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि जिले के बिहार स्टेट फूड एंड सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन के लगभग सभी गोदामों से इन दिनों खाद्यान्न का उठाव पूरी तरह ठप है।

इस संबंध में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला प्रबंधक और सदर अनुमंडल पदाधिकारी को भी आवेदन की प्रतिलिपि दी गई है। एसोसिएशन ने मांग की है कि 15 मार्च 2026 तक सभी गोदामों से नियमित रूप से खाद्यान्न उठाव शुरू कराया जाए। अन्यथा फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि नई डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था लागू होने के बाद भी उठाव नहीं होने से लाभुकों के बीच राशन वितरण प्रभावित हो रहा है।

शिविर में 125 मरीजों की निशुल्क जांच

संवाद सूत्र, जागरण• परैया : प्रखंड के मंझियावां पंचायत स्थित उपरहुली गांव में सोमवार को बुद्धा हॉस्पिटल एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से एक दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन समाजसेवी नागेंद्र कुमार उर्फ शिवजी की देखरेख में हुआ, जिसमें पंचायत के गरीब और जरूरतमंद मरीजों ने अपनी सेहत की जांच कराई। शिविर में डॉ. उस्मान रसूल, डॉ. जूही परवीन सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने सेवाएं प्रदान कीं।

एक दीया सनातन के नाम कार्यक्रम 18 को

जागरण संवाददाता, गयाजी: श्री सनातन नूतन वर्ष अभिनंदन समिति की बैठक गुरुद्वारा रोड में समिति संयोजक विकास कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को हुई। बैठक में सनातन नूतन वर्ष के उपलक्ष्य में 18 मार्च को गयाजी के आजाद पार्क में भव्य एवं आकर्षक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि नूतन वर्ष की पूर्व संध्या पर एक दीया सनातन के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत दीप प्रज्वलन किया जाएगा। सनातन धर्म के गौरव, संस्कृति एवं परंपराओं के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से धार्मिक प्रदर्शनी एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में गया शहर के प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता, धर्माचार्य एवं श्रद्धालुओं की भागीदारी होगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं संचालन के लिए एक समिति का गठन भी किया गया। समिति में डाक्टर प्रेम कुमार (बिहार विधानसभा अध्यक्ष) को मुख्य संरक्षक बनाया गया है। संरक्षक के रूप में प्रदीप कुमार, संजय रविदास एवं प्रेम सागर को जिम्मेदारी दी गई है। समिति के अध्यक्ष विकास कुमार शाह, महामंत्री बंटी कुमार वर्मा तथा संयोजक विकास कुमार, उपाध्यक्ष ऋषि लोहानी, संजय कुमार, प्रहलाद कुमार, गुंजन गुप्ता, मंत्री रौनक सेठ, राजू रजक, राजू मास्टर, अनंत सिंह, गोपाल प्रसाद, विगन विश्वकर्मा, सह मंत्री धनंजय कुमार धीरू, संतोष सिंह, सुधीर कुमार सिन्हा, मोहन राय शर्मा, मनीष कुमार सोनू, मीडिया प्रभारी संजय कुमार फुठानी एवं नीतीश कुमार को नियुक्त किया गया है।

श्री सनातन नूतन वर्ष अभिनंदन समिति की बैठक में शामिल पदाधिकारी • फोटो- संगठन

आग से बचाव के लिए अग्निशमन विभाग अलर्ट, 18 दमकलकर्मी हैं कार्यरत

अग्निशमन कैसी है तैयारी

अग्निशमन कार्यालय शेरघाटी ● जागरण

खराब पड़ी दो दमकल गाड़ियां ● जागरण

संवाद सहयोगी, जागरण● शेरघाटी : गर्मी को देखते हुए अनुमंडल अग्निशमन कार्यालय की ओर से अग्नि सुरक्षा जागरुकता अभियान लगातार जारी है। इसके लिए अनुमंडल के चार प्रखंडों में अग्निशमन वाहन व कर्मी तैनात कर दिए गए हैं। अनुमंडल अग्निशामलय शेरघाटी में पदाधिकारी अभिषेक कुमार, सहायक अर्जुन प्रसाद सिंह, राणा प्रवीण सिंह और सुबोध राम सहित 18 दमकलकर्मी कार्यरत हैं। आमस, गुरुआ, बाराचट्टी, इमामगंज थाना में एक चालक और दो सिपाही अग्निशमन वाहन के साथ तैनात हैं। सभी स्थानों पर 24 घंटे सेवा में लगे हैं। प्रत्येक थाना में माक ड्रिल के तहत जागरुकता और बचाव का संदेश दिया जा रहा है।

अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि इमामगंज, बाराचट्टी, डुमरिया और मोहनपुर में वाहन के साथ अनुमंडल स्तर पर वाटर टेंडर, फोम टेंडर, रेसक्यू टेंडर, हाइड्रोलिक प्लेटफार्म की मांग की गई है। विभाग द्वारा विशेष प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया जा चुका है। अभियान का उद्देश्य गर्मी के मौसम में आगजनी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण करना और आम लोगों को समय रहते सतर्क करना है। हर वर्ष तेज धूप, लू, बिजली के शार्ट सर्किट, गैस रिसाव तथा खेतों में आग लगने जैसे गंभीर हादसे सामने आते हैं। इन्हीं संभावित खतरों को लेकर अग्निशमन विभाग पहले से अलर्ट मोड में है।

एलईडी वैन के माध्यम से आग लगने के प्रमुख कारण, उससे बचाव के उपाय और आपात स्थिति में उठाए जाने वाले त्वरित कदमों की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। वीडियो में गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग, जर्जर बिजली तार व ओवरलोडिंग से बचाव, पराली जलाने से खतरे, दुकान व गोदामों में अग्निशमन यंत्रों के सही प्रयोग तथा आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय प्राथमिक उपायों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आग लगते ही तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना देने की अपील की जा रही है। यह एलईडी वैन अनुमंडल क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, पंचायतों, गांवों, विद्यालयों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाकर लोगों को जागरुक कर रही है। अभियान के दौरान अग्निशमन कर्मी मौके पर मौजूद रहकर नागरिकों को प्रत्यक्ष जानकारी दे रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि गर्मी के मौसम में थोड़ी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। समय रहते सावधानी बरतें तो अधिकांश अग्निकांड की घटनाओं को रोका जा सकता है। आमजन से खुले में आग न जलाने, बच्चों को माचिस व लाइटर से दूर रखने, बिजली उपकरणों की नियमित जांच कराने और किसी भी आगजनी की स्थिति में तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना देने की अपील की गई है। अग्निशमन विभाग का यह अभियान पूरे गर्मी तक लगातार जारी रहेगा।

अग्निशमन विभाग में कार्यरत बल ।

अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी 01

सहायक	03
हवलदार	02
कांस्टेबल	09
ड्राइवर	03
दमकल गाड़ी	02

01 बड़ी एक छोटी

आग लगने की स्थिति में थाना स्तर पर इनसे संपर्क करें।

आमस थाना
620163997
9608789827
8340485792

गुरुआ थाना-
7858050273
9534539996
8210020086

बाराचट्टी थाना-
9097308595
9123487102
9709298244

इमामगंज थाना-
8789460562
6206843380
9507241966

शेरघाटी अनुमंडल अग्निशामालय कार्यालय शेरघाटी
06326-295197,
7485805962,
7485805963

इमामगंज नप में नेटवर्क नहीं रहने की शिकायत

संवाद सूत्र, जागरण● इमामगंज : नगर पंचायत इमामगंज के बभंडीह गांव में बीएसएनएल का टावर और नेटवर्क नहीं रहने से ग्रामीणों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के निदान के लिए ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को आवेदन देकर गुहार लगाई है। इस संबंध में भाजपा नेता सह बभंडीह गांव के रहने वाले गंगाधर पाठक ने बताया कि संचार के क्षेत्र में देश के सभी कार्य लगभग संचार क्षेत्र पर ही निर्भर हैं। इस परिस्थिति में बीएसएनएल का टावर और नेटवर्क नहीं रहने से कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि बभंडीह गांव में एक निजी कंपनी का टावर है। अगर इस पर बीएसएनएल का उपक्रम लग जाए तो बभंडीह, गेवालगंज, भगहर, पथरा, कुजेसर, नेहुटा, पड़रिया आदि गांव के लोग लाभान्वित होंगे और संचार की सुविधा मिलेगी।

आपसी विवाद में चली गोली से लाइन होटल संचालक घायल

आरोपितों की तलाश में उनके ठिकाने पर दबिश बना रही पुलिस

हालत गंभीर

घायल पिंटू ● जागरण

संवाद सूत्र, जागरण● डोभी : बहेरा थाना क्षेत्र के धरमपुर गांव में रविवार देर रात एक आपसी बहस के दौरान गोली चलने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान लाइन होटल संचालक पिंटू यादव के रूप में हुई है। गोली उसके हाथ को छेदते हुए पेट में जा लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़ा। घायल के भाई दिनेश ने बताया कि पिंटू यादव डोभी-चतरा सड़क किनारे लाइन होटल चलाता है। रविवार रात वह अपने होटल के स्टाफ को बुलाने रामभजन यादव के घर के पास गया था। इसी दौरान धरमपुर का एक दामाद, जिसका घर गोईठामीठा में है, उससे कोठवारा में छेड़खानी के मामले को लेकर बातचीत होने लगी। पिंटू ने उसे समझाने का प्रयास किया और स्टाफ को लेकर वापस लौट गया। कुछ देर बाद दो लोगों ने काली मंदिर के पास बातचीत के लिए पिंटू को बुलाया। पिंटू अपने भाई रोहित के साथ वहां पहुंचा, जहां दोनों पक्षों में बहस होने लगी। इसी दौरान एक ने कमर से रिवाल्वर निकालकर गोली चला दी, जो पिंटू के हाथ को छेदते हुए पेट में लग गई।

घटना के बाद स्वजन ने डायल 112 को सूचना दी। पुलिस की मदद से घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर हालत में मगध मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। आपरेशन के बाद भी उसकी गोली नहीं निकाली जा सकी है। उसकी स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पर एफएसएल टीम ने घटनास्थल से कई साक्ष्य जुटाए हैं। बहेरा थानाध्यक्ष रविरंजन ने बताया कि घायल का इलाज चल रहा है। अभी फर्द बयान नहीं आया है, लेकिन मामले में दो लोग लालदेव यादव और रामभजन यादव का नाम सामने आया है। पुलिस दोनों आरोपितों की तलाश में जुटी है।

जयकुमार पालित की जयंती पर समारोह

जागरण संवाददाता, गया : जन शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष सह गया नगर के पूर्व विधायक स्व. जयकुमार पालित की 81वीं जयंती एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गया क्लब में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवा, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण में उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उषा डालमिया, बिहार एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसायटी की अध्यक्ष रेणुका पालित, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जन शिक्षण संस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष जुगल किशोर प्रसाद, जिला नियोजन पदाधिकारी आकृति कुमारी, प्रबंधक प्रो. दिलीप कुमार केसरी, पूर्व अध्यक्ष ममता पालित तथा प्रभारी निदेशक बलिराम कुमार द्वारा स्व. जयकुमार पालित के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता जुगल किशोर प्रसाद ने कहा कि संस्थान द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जा रहे कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा दे रहे हैं।

टनकुप्पा में कला जत्था के नुक्कड़ नाटक से लोग हुए जागरूक

संवाद सूत्र, जागरण● टनकुप्पा : टनकुप्पा प्रखंड मुख्यालय परिसर में सोमवार को कला जत्था की टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों एवं विशेषकर बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने नाटक प्रस्तुत कर समाज में बुजुर्गों के अधिकार, उनके भरण-पोषण तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही उपस्थित लोगों को माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 के प्रावधानों से भी अवगत कराया गया। कला जत्था की टीम ने अपने अभिनय के माध्यम से लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पारिवारिक लाभ योजना, मुख्यमंत्री परिवार लाभ योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के कई ग्रामीण, बुजुर्ग एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

टनकुप्पा में लोगों को जानकारी देते कला जत्था की टीम ● जागरण

समाचार सार

18 माह में बनेगा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का भवन

प्रखंड कार्यालय भवन निर्माण के लिए जमीन चिह्नित करते अधिकारी ● जागरण

संवाद सूत्र, जागरण● गुरारु : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा गुरारु के प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन के निर्माण की स्वीकृति मिलने के लगभग एक वर्ष बाद इसके निर्माण की सुगबुगाहट शुरू हो गई। सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी संभव कुमार सिंह ने भवन निर्माण के विभागीय अभियंता व संवेदक की मौजूदगी में भवन निर्माण के लिए कोंची गांव में थाना भवन व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के पास सटे सरकारी जमीन को चिन्हित कराया। कार्य शुरू होने पर 18 माह में भवन बन जाएगा। यह भवन भूतल के बाद तीन मंजिला होगा। इसमें कार्यालय भवन के साथ-साथ अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए सरकारी आवास भी निर्मित होगा।

डा. सार्थिक का आइसीएसएसआर पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप को चयन

शोधार्थी डा. सार्थिक दास

संवाद सहयोगी, जागरण● टिकारी : सीयूएसबी के शिक्षक शिक्षा विभाग के डाक्टरेट छात्र डा. सार्थिक दास का चयन प्रतिष्ठित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) की पोस्ट-डाक्टोरल फेलोशिप के लिए हुआ है। डा. दास शिक्षक शिक्षा विभाग से पोस्ट-डाक्टोरल फेलोशिप प्राप्त करने वाले पहले शोधार्थी बन गए हैं।

कोठी पुलिस ने फरार युवती को किया बरामद

संवाद सूत्र, जागरण● इमामगंज : प्रखंड के कोठी पुलिस ने एक प्रेमी और प्रेमिका को थाना क्षेत्र के पिपराही कजराही गांव के नजदीक से सकुशल बरामद किया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि रविवार को युवती घर से फरार हो गई थी। जिस पर पिता ने थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाया था। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान कर ही रही थी। इसी बीच गुप्त सूचना के आधार पर पिपराही कजराही गांव के नजदीक से प्रेमी- प्रेमिका को पुलिस ने बरामद कर लिया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पीएनबी ने किया सम्मानित

केक काटती महिलाएं

जासं, गयाजी: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पंजाब नैशनल बैंक के राय काशीनाथ मोड़, गया जी स्थित मंडल कार्यालय के सभा कक्ष में गया मंडल के महिला स्टाफ सदस्यों द्वारा महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मोनालिसा पाढ़ी, विनीता चतुर्वेदी एवं पूजा श्रीवास्तव को आमंत्रित करके सम्मानित किया गया। सभी सदस्यों को पुष्प प्रदान कर अभिनंदन किया गया। समेकित रूप से केक काटकर समृद्धि की कामना की गयी। इस अवसर पर उपस्थित समस्त सदस्यों को बादगार स्वरूप उपहार प्रदान किया गया। मंडल प्रमुख चैता कुमार पंडा ने कहा कि असंख्य सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक अवरोधों के उपरांत भी महिलाएं नित्य, नवीन कृतिमान स्थापित कर रही हैं । इनके द्वारा प्राप्त उपलब्धियां हमारे समाज एवं राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं।

बीबी पेसरा गांव में श्रीमद्भागवत कथा शुरू

संवाद सूत्र, जागरण● बाराचट्टी: प्रखंड क्षेत्र के बीबी पेसरा गांव में रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। यह कलश यात्रा बीबी पेसरा कैंप के समीप स्थित मैदान से प्रारंभ होकर सोभ-धनगाई सेड होते हुए हाड़हा पुल तक पहुंची। वहां से श्रद्धालु बैरी-दिवनियां मोड़ होते हुए दिवनियां दोमुहान पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जलभरी की गई। इसके बाद श्रद्धालु दिवनियां मार्ग से होते हुए पुनः आयोजन स्थल पर पहुंचे। इस कलश यात्रा में कुल 285 श्रद्धालुओं ने भाग लिया और सिर पर कलश धारण कर जलभरी की। आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेश महतो ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हो गया है। कथा वाचन सोमवार से प्रतिदिन संध्या 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक होगा, जो 15 मार्च तक चलेगा। 16 मार्च को हवन एवं विशाल भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

संगठन सुदृढ़ करने को विधायक प्रतिनिधियों की हुई नियुक्ति

प्रतिनिधियों के साथ अतरी विधायक रोमित कुमार

दी गई जिम्मेदारी

जासं, गयाजी: अतरी विधानसभा क्षेत्र में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधायक रोमित कुमार ने विभिन्न प्रखंडों में विधायक ने प्रतिनिधियों की नियुक्ति की है। जिसमें अतरी प्रखंड के लिए श्रवण केवट, निमचक बथानी प्रखंड के लिए मनोज कुशवाहा, खिजरसराय (उत्तरी) प्रखंड के लिए, किशोर कुमार सिंह तथा मोहड़ा प्रखंड के लिए बलिराम कुमार मांझी को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। वहीं क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने इन नियुक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि इससे संगठन को नई मजबूती मिलेगी और जनता की समस्याओं के समाधान में तेजी आएगी।

सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर लगा स्वास्थ्य शिविर

जागरण संवाददाता, गयाजी: केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 87वें स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को जेल परिसर में स्थित 47वीं बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 150 जवानों और उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीआइजी (मेडिकल) एस.के. राय और कमांडेंट अवधेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। डीआइजी ने कहा कि जवानों की स्वास्थ्य देखभाल सुरक्षा बलों की कार्यक्षमता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कमांडेंट अवधेश कुमार ने बताया कि सीआरपीएफ अपने जवानों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति सजग है और भविष्य में भी इस तरह के शिविरों का आयोजन जारी रहेगा। मौके पर डा. प्रवीण कुमार, डा. उमाशंकर सिंह, डा. के.के. मिश्रा एवं अन्य ने स्वास्थ्य परीक्षण में सहयोग किया।

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

प्रधान कार्यालय, सूचना प्रौद्योगिकी (सुरक्षण एवं सेवा) विभाग, स्टार हाउस -3, पीएलबी-बीओआई टॉवर, सी-29, जी ब्लॉक, 10 वां तल, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई-400051 ई-मेल: HOIT.G&E@bankofindia.bank.in

प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी)

संदर्भ संख्या. HO:IT(G&E): FEBO:RFP: 1041 दिनांक 05-03-2026

GeM बोली संख्या GEM/2026/B/7324796 दिनांक 06-03-2026 द्वारा

उपर्युक्त आरएफपी बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट www.bankofindia.bank.in के "निविदा" अनुभाग के अंतर्गत एवं GeM पोर्टल पर उपलब्ध है। बोली जमा करने की अंतिम तिथि: 27-03-2026

पूर्व मध्य रेल

निविदा बैच संख्या — 50/25 दिनांक 06.03.26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व मध्य रेलवे द्वारा निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदा का आमंत्रण किया जाता है:

क्रम संख्या	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि	निविदा खुलने की समय
1	06265007	सप्लाई, इरेक्शन, इंस्टालेशन एण्ड कमीशनिंग ऑफ हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर (एचएबीडी) सिस्टम	8 सेट	30.03.26	14:00
2	06265006	सप्लाई, इंस्टालेशन एण्ड कमीशनिंग ऑफ हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग एण्ड टैपिंग मशीन	1 नग	06.04.26	14:00
3	03264079	मेन कम्प्रेशर (ऑयल लुब्रिकेटेड) फॉर इलेक्ट्रि लोकोमोटिव	66 सेट	30.03.26	14:00
4	10261049	कपलर बॉडी विद शैंक वीयर प्लेट	4030 नग	26.03.26	14:00
5	07256060	रेट कॉन्ट्रैक्ट फॉर सप्लाई ऑफ स्पेयर पार्ट्स फॉर प्लासर मैक ट्रैक मशीन्स	1.00 सेट	30.03.26	14:00
6	07256025 आरजीसी-जीआरएसपी	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर मेन्यूफैक्चरिंग एण्ड सप्लाई ऑफ 6 एमएम थीक नायलॉन कॉर्ड रेनफोर्स्ड जीआरएसपी	365 सेट	30.03.26	14:00
7	07256011-आरजीसी-जीआरएसपी	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर 6 एमएम थीक पॉकेट टाईप नायलॉन कॉर्ड रेनफोर्स्ड जीआरएसपी	866 सेट	06.04.26	14:00

नोट : उपर्युक्त सभी निविदाएं ई-टेंडर हैं और सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं के सभी संशोधन भी केवल IREPS वेबसाइट पर ही ऑनलाइन प्रकाशित किए जाएंगे। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS वेबसाइट देखें।

पीआर/1897/एचक्यू/स्टोर/टी/25-26/72 सहायक सामग्री प्रबंधक (विद्युत), हाजीपुर

फतेहपुर में खराब चापाकलों की मरम्मत के लिए तिथि निर्धारित

संसू, जागरण । फतेहपुर : पेयजल समस्या को दुरुस्त करने के उद्देश्य से प्रखंड के सभी 18 पंचायतों तथा एक नगर पंचायत में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत के लिए जिला मुख्यालय से पीएचईडी विभाग द्वारा तिथि निर्धारित की गई है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभागीय टीम गांव-गांव पहुंचकर खराब चापाकलों की मरम्मत करेगी। ताकि लोगों को गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। बीडीओ शशि भूषण साहू ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा है कि अपने-अपने क्षेत्र में खराब पड़े चापाकलों की सूची तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराएं। ताकि निर्धारित तिथि पर टीम पहुंचकर उनकी मरम्मत कर सके।

जारी कार्यक्रम के अनुसार 09-10 मार्च को फतेहपुर, 11-12 मार्च को नौडीहा झुरांग, 13-14 मार्च को डुमरीचट्टी, 15-16 मार्च को मेयारी, 17-18 मार्च को नौडीहा सुल्तानपुर, 19-20 मार्च को नगवां, 21-22 मार्च को दक्षिणी लोधवे, 23-24 मार्च को कठौतिया केवाल, 25-26 मार्च को जयपुर, 27-28 मार्च को चरोखरी, 29-30 मार्च को धरहारा कला, 31 मार्च-01 अप्रैल को मोरहे, 02-03 अप्रैल को सलैया कला, 04-05 अप्रैल को पहाड़पुर, 06-07 अप्रैल को मतासो, 08-09 अप्रैल को भारे, 10-11 अप्रैल को निमि, 12-13 अप्रैल को उत्तरी लोधवे तथा 14-15 अप्रैल को बारा पंचायत में चापाकलों की मरम्मत की जाएगी।

SAINIK SCHOOL TILAIYA

(A fully residential school functioning under the aegis of Sainik Schools Society Ministry of Defence)

PO: TILAIYA DAM DIST, KODERMA

JHARKHAND-825 413

1. Applications are invited for the following posts on Contractual basis (for one year only) :-

(a) Medical Officer - 01 Post (for UR)

(b) Ward Boys - 01 Post (For ST)

2. Last date of receipt of applications is **30 Mar 2026.** For details visit **www.sainikschooltilaiya.org** or contact on 9263197583.

File No SST/EST/11(b)
Mar 2026

Principal

खिलाड़ियों ने लिया देश के लिए खेलने का संकल्प

टीम इंडिया के चैंपियन बनने पर शहर के गांधी मैदान स्थित एचएस स्टेडियम में खुशियां मनाते यंग बायज क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी ● जागरण

जासं, गयाजी: टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत ने गयाजी के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह का संचार किया है। सोमवार को गांधी मैदान स्थित एचएस स्टेडियम में यंग बायज क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ियों ने टीम इंडिया के चैंपियन बनने की खुशी मनाई। खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को बधाई दी और देश की जीत पर गर्व व्यक्त किया। अकादमी के कोच राजेश कुमार एडी ने कहा कि इस जीत ने बिहार के युवाओं में नई उम्मीद जगाई है। उन्होंने बताया कि बिहार के प्रतिभाशाली विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन ने विशेष रूप से युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। कोच ने कहा कि अगर खिलाड़ी मेहनत और लगन से अभ्यास करें, तो बिहार और गयाजी के खिलाड़ी भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गयाजी के कई खिलाड़ियों ने पहले भी बिहार की ओर से खेलते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

दि न्यू इंडिया ऐश्योरन्स कंपनी लिमिटेड

The New India Assurance Company Limited

क्षेत्रीय कार्यालय: छठी एवं सातवीं मंजिल, बी.एस.एफ.सी. बिल्डिंग, फ्रेजर रोड, पटना-800001

Regional Office: 6th & 7th Floor, B.S.F.C. Building, Fraser Road, Patna-800001

फोन: 0612-2332045

E-mail: nia 540000@newindia.co.in | website: www.newindia.co.in

व्यावसायिक कार्यालय के विलय होने की सार्वजनिक सूचना

सभी हितधारकों को सूचित किया जाता है कि सक्षम प्राधिकारी के आदेशानुसार अपरिहार्य कारणों से हमारे निम्नलिखित शाखा का विलय अन्य शाखा में किया जा रहा है। ज्ञात हो कि यह विलय दिनांक 10 मार्च, 2026 से प्रभावी होगा। कृपया ध्यान दें कि वैध बीमा/ दावा से संबन्धित सभी सेवाएँ और सुविधाएं अब नए पते पर नियमित रूप से जारी रहेंगी।

विलय किए गए कार्यालय	सेवा प्रदान करने वाले नए कार्यालय
दि न्यू इंडिया एश्योरेंश कंपनी लिमिटेड, कंकड़बाग एसबीओ (540107) प्रथम तल, जानकी सागर सदन, कॉलेज ऑफ कॉमर्स के पास, गेट नंबर 15, कंकड़बाग - 800020	दि न्यू इंडिया एश्योरेंश कंपनी लिमिटेड, पटना डीओ-1 (540100), तीसरी मंजिल, रेड क्रॉस भवन, उत्तर गांधी मैदान, पटना-800001
दि न्यू इंडिया एश्योरेंश कंपनी लिमिटेड, राजा बाजार एसबीओ (540109) प्रथम तल, केंद्रीय विद्यालय के सामने राइडिंग रोड, शेखपुरा मोड़, राजा बाजार, पटना -800014	दि न्यू इंडिया एश्योरेंश कंपनी लिमिटेड, पटना डीओ-1 (540100), तीसरी मंजिल, रेड क्रॉस भवन, उत्तर गांधी मैदान, पटना-800001
दि न्यू इंडिया एश्योरेंश कंपनी लिमिटेड, मधुबनी एसबीओ(540507), प्रथम तल, ब्रांच रोड, महंती लाल चौक, वार्ड नंबर 16 पी.एस+जिला : मधुबनी -847211	दि न्यू इंडिया एश्योरेंश कंपनी लिमिटेड, दरभंगा एसबीओ (540505), प्रथम तल, बीआईपी मेन रोड,मैडोना इंग्लिश स्कूल के सामने, करहलबाड़ी, स्टेशन रोड, दरभंगा -846004

कृपया इसे हमारे उपरोक्त कार्यालय के विलय होने/स्थानांतरण से पूर्व 60 दिन का नोटिस माना जाए।

आदेशानुसार
क्षेत्रीय प्रभारी (कार्यकारी)
दि न्यू इंडिया ऐश्योरन्स कंपनी लिमिटेड,
क्षेत्रीय कार्यालय,पटना

जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (ज.ने.उ.वै.अ.के.)

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्था सम विश्वविद्यालय संस्था)

JNCASR

Jawaharlal Nehru Centre for Advanced Scientific Research (JNCASR)

An Autonomous Institute under Dept. of Science & Technology, Govt. of India

An Institution Deemed-to-be University

विज्ञापन संख्या- जनेकें/प्र अ/सं.02/2026 10 मार्च, 2026

एक नया प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रम एकीकृत बीएस (शोध) अंत:विषय विज्ञान में पीएचडी वार्षिक वर्ष 2026-27 से शुरू होने वाले है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ संरेखित कठोर शोध कार्य, उन्नत अनुसंधान प्रदर्शन और कौशल विकास के माध्यम से उच्च प्रभाव वाले प्रशिक्षण के लिए अभिकल्पित किया गया है।

पात्रता : बी.एससी (3-वर्षीय) / समकक्ष या न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातक कार्यक्रम में 120 क्रेडिट *.

एक वर्ष के बाद, योग्य छात्रों को बैचलर ऑफ साइंस (शोध) प्राप्त होगा इस विकल्प के साथ बाहर जाने या पीएचडी उपयुक्त फेलोशिप के साथ जारी रखें या एक वर्ष के बाद एम.एस (शोध) की शैक्षिक उपाधि प्राप्त होगी।

अन्य कार्यक्रम * : पीएच.डी / एम.एस (इंजीनियरिंग), एम.एससी और पीजी डिप्लोमा

* विवरण एवं ऑनलाइन आवेदन : www.jncasr.ac.in/admission/degree-programmes

अंतिम तिथि : 10.04.2026 ह./- परीक्षा उप नियंत्रक

संपादकीय जागरण
(6) मंगलवार, 10 मार्च, 2026 : चैत्र कृष्ण - 7 वि. 2082
सतत प्रयास ही सफलता का आधार हैं

संकट बढ़ाता युद्ध

अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के खिलाफ छेड़े गए युद्ध के तेज होने के बीच कच्चे तेल की कीमतें जिस तरह सौ डालर पार कर गईं, उससे विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष संकट गहराता जा रहा है। चूंकि ईरान अमेरिकी और इजरायली हमलों का जवाब देने के क्रम में खाड़ी के देशों पर भी हमले कर रहा है, इसलिए पश्चिम एशिया से तेल और गैस की आपूर्ति और बाधित होने की ही आशंका है। इस क्षेत्र से तेल एवं गैस की आपूर्ति जिस होर्मुज समुद्री मार्ग से होती है, वह ठप है। फिलहाल इसके संकेत नहीं कि इस जल मार्ग से तेल और गैस टैंकर गुजर सकते हैं। यदि पश्चिम एशिया युद्धग्रस्त बना रहा तो तेल और गैस के साथ उर्वरकों के भी दाम बढ़ सकते हैं। इजरायल और विशेष रूप से अमेरिका को इसका आभास होना चाहिए था कि ईरान को निशाना बनाने की स्थिति में वह होर्मुज जल मार्ग बंद कर सकता है और इससे पश्चिम एशिया से तेल एवं गैस की आपूर्ति थम जाएगी, जिसके नतीजे में तमाम देशों के समक्ष संकट खड़ा हो जाएगा। समझना कठिन है कि अमेरिका ऐसे उपाय क्यों नहीं कर सका, जिससे पश्चिम एशिया से तेल एवं गैस की आपूर्ति थमने न पाती। वह अब भी ऐसे उपायों के बारे में नहीं सोच रहा है और उलटे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप तेल के बढ़ते दामों से बेफिक्र दिख रहे हैं। उनका यह कहना घोर गैर जिम्मेदारी ही है कि ईरान को परमाणु मुक्त करने के लिए वे यह 'छोटी कीमत' चुकाने को तैयार हैं। ट्रंप एक ओर खुद को विश्व व्यवस्था की दशा-दिशा तय करने वाले स्वयंभू नेता के तौर पर प्रदर्शित करते हैं और दूसरी ओर उसे खतरे में डालकर भी बेपरवाही दिखा रहे हैं। अब तो ऐसा भी लगता है कि उन्होंने ईरान की सैन्य क्षमता और वहां की आंतरिक स्थितियों का ढंग से आकलन किए बिना ही उस पर हमला बोल दिया। इजरायल-अमेरिका यह मानकर चल रहे थे कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के मारे जाते ही वहां आसानी से सत्ता परिवर्तन हो जाएगा और ईरानी सेना एक सीमा से अधिक प्रतिरोध नहीं कर पाएगी, पर फिलहाल ऐसा कुछ होता दिख नहीं रहा है। ईरान ने खामेनेई से कहीं अधिक कट्टर माने जाने वाले उनके बेटे मोजतबा को अपना नया सर्वोच्च नेता चुनकर यही संकेत दिया कि वहां सत्ता परिवर्तन होने नहीं जा रहा है। ईरानी सेना भी कहीं अधिक आक्रामक क्षमता दिखा रही है। वह इजरायल को निशाना बनाने के साथ पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के अतिरिक्त वहां के तेल एवं नागरिक क्षेत्रों में भी हमले करने में समर्थ है। उसकी मारक क्षमता यही बता रही कि वह हार मानने के बजाय पश्चिम एशिया को भी इस युद्ध में घसीट लेना चाहती है। यदि ऐसा हुआ तो दुनिया का संकट और बढ़ेगा और इसकी चपेट में अमेरिका भी आएगा।

यात्रा से बड़ी आस

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार से समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण में विशेषकर बाढ़ प्रभावित जिलों में जाएंगे। इधर, राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर लोगों की आस और गहरी हो गई है कि इस बार मुख्यमंत्री उनकी समस्याओं पर और गंभीरता से विचार करेंगे। खासकर कुसहा त्रासदी के प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में इस यात्रा को लेकर काफी खुशी देखी जा रही है। उनका मानना है कि संवेदनशील स्वभाव के नीतीश कुमार उनके दर्द को समझेंगे। कुसहा त्रासदी के बाद हुई सरकारी घोषणाओं की समीक्षा भी करेंगे। हालांकि यह यात्रा विशेषकर उन योजनाओं को लेकर ज्यादा केंद्रित है, जिसकी प्रगति यात्रा के दौरान उन्होंने घोषणा की थी। समृद्धि यात्रा का उद्देश्य राज्य की प्रगति के साथ प्रशासनिक सक्रियता को परखने का उपक्रम है। कुछ योजनाओं का लोकार्पण करेंगे तो कुछ का शिलान्यास। अब चूंकि नीतीश राज्यसभा का सदस्य बनने जा रहे हैं तो माना जा सकता है कि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए यह उनकी अंतिम यात्रा हो। क्योंकि, अप्रैल के दूसरे सप्ताह से राज्यसभा का उनका कार्यकाल शुरू हो जाएगा। साथ ही समृद्धि यात्रा के अगले चरण भी शेष हैं। ऐसे में जनता को उनसे काफी अपेक्षा है। विशेषकर पुनर्वास योजना पर पीड़ित उनसे कोई ठोस निर्णय की आस लगाए बैठे हैं। संभव है कि मुख्यमंत्री इस संबंध में अपनी राय से जनता को अवगत कराएं। उम्मीद की जानी चाहिए कि मुख्यमंत्री इस दिशा में एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता का परिचय देंगे।

कुसहा त्रासदी के लोगों में समृद्धि यात्रा को लेकर खुशी के बड़े मायने हैं

कह के रहेंगे — माधव जोशी

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या बंगाल प्रशासन द्वारा राष्ट्रपति के अनादर की शिकायत सही है?

आज का सवाल

क्या ईरान के जवाबी हमले अमेरिका और इजरायल की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है। सभी आंकड़े प्रतिशत में।

लोकतंत्र का उपहास उड़ाती रेवड़ी संस्कृति

विकास सारस्वत

मुफ्तखोरी पर खर्च प्रत्येक रुपया शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ढांचागत विकास की कीमत पर हो रहा है

अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों द्वारा चुनावी राजनीति के दृष्टिगत मुफ्त सुविधाएं बांटने वाली प्रवृत्ति की कड़ी आलोचना की। ऐसी राजनीति को देश के आर्थिक विकास में बाधक बताते हुए कोर्ट ने कहा कि समर्थ लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देना गलत है और ऐसी सुविधाएं बांटने की बजाय सरकारों को रोजगार पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें विद्युत संशोधन नियम 2024 के उस नियम 23 को रद करने की मांग की गई थी, जो राज्य सरकार द्वारा गरीब-अमीर, सभी को मुफ्त बिजली आवंटन के उसके प्रस्ताव में बाधा बन रहा था। सुनवाई के दौरान करदाताओं के पैसे का मुफ्त सुविधाओं और कैश ट्रांसफर के लिए अंधाधुंध उपयोग करने पर भी कोर्ट ने गहरी चिंता व्यक्त की। उसने इस पर हैरानी जताई कि वित्तीय घाटे के बावजूद राज्य सरकारें मुफ्तखोरी को बढ़ावा दे रही हैं और इन योजनाओं के लाभार्थियों में संपन्न लोग भी शामिल हैं।

चुनाव पूर्व इस वित्त वर्ष के लिए पेश तमिलनाडु के बजट में लगभग 99,000 करोड़ की राशि कैश ट्रांसफर, सब्सिडी और मुफ्त योजनाओं के लिए आवंटित की गई है। यह राशि समूचे बजट की एक तिहाई बनती है, जबकि विकास कार्यों में खर्च होने वाली राशि इस व्यय की आधी यानी करीब 47,000 करोड़ है। बजट राशि का ऐसा बेपरवाह आवंटन एक राजनीतिक प्रवृत्ति बन गया है और इसके दुष्परिणाम अनेक राज्यों में देखे जा सकते हैं। यह विडंबना ही है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से रेवड़ी संस्कृति पर चिंता जताए जाने के बीच ही अभिनेता से नेता बने विजय ने घोषणा की कि उनके दल टीवीके की सरकार बनने पर 60 साल की उम्र तक की महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, हर परिवार को साल में छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, दिए जाएंगे। उन्होंने अन्य लोकलुभावन घोषणाएं करते हुए युवतियों की शादी के समय आठ ग्राम सोना और एक रेशमी साड़ी देने का भी वादा किया। ऐसी योजनाओं ने कई राज्यों के राजकोष पर भारी दबाव बनाया है। पंजाब की स्थिति विशेषकर खराब है। यहां कुल राजस्व प्राप्ति का 18 प्रतिशत बिजली की सब्सिडी में ही व्यय हो रहा है। राज्य के बजट का 10 प्रतिशत से भी कम आवंटन विकास परियोजनाओं की मद में हो रहा है। बिजली सब्सिडी के अलावा अन्य लाभार्थी योजनाओं के चलते पंजाब का वित्तीय प्रबंधन इतना खराब हो चला है कि ऋण से राज्य सकल घरेलू उत्पाद यानि डेट टू एसजीडीपी रेशियो 45 से 46 प्रतिशत के करीब आ पहुंचा है। जबकि राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन यानी एफआरबीएम समिति इसे 20 प्रतिशत पर रखने का सुझाव देती है। इसके बाद भी पंजाब सरकार ने महिलाओं को हर माह 1,000 रुपये देने की घोषणा की है।

वर्ष 2025-26 के अंत तक कर्नाटक पर कुल देनदारियां 7.64 लाख करोड़ तक पहुंच गई थीं, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 27 प्रतिशत है। कर्नाटक का डेट टू एसजीडीपी रेशियो अभी ठीक है, पर यह 10 वर्ष पूर्व की स्थिति से काफी खराब है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रवृत्ति को रेवड़ी संस्कृति बताते हुए इसकी आलोचना की थी, पर दुखद यह है कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी वित्त प्रबंधन बुरी तरह गड़बड़ाया हुआ है। मध्य प्रदेश के 2026-27 के 4.38 लाख करोड़ रुपये के बजट में लगभग 80,000 करोड़ रुपये राशि का आवंटन कैश ट्रांसफर, सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया गया है। यह राशि लाडली बहना, लाडली लक्ष्मी, किसान कल्याण, तीर्थ यात्रा, साइकिल एवं दुग्ध वितरण और बिजली सब्सिडी जैसे प्रयोजनों पर खर्च की गई है। रेवड़ी संस्कृति के चलते पंजाब, बंगाल, आंध्र और राजस्थान ऐसे राज्य बन गए हैं, जहां ढांचागत विकास कार्यों में पूंजीगत व्यय कुल बजट के 10 प्रतिशत से भी कम हो गया है। इस परिपाटी का दुखद पहलू यह है कि सामाजिक कल्याण और मुफ्तखोरी में भेद खत्म हो गया है। पार्टियां स्कूटी, टीवी, मिक्सर ग्राइंडर और सोना तक बांटने की घोषणा करती हैं। मुफ्तखोरी पर खर्च प्रत्येक रुपया शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ढांचागत विकास जैसे आवश्यक निवेश की कीमत पर हो रहा है, जिनसे गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन का दीर्घकालिक समाधान संभव है। ऐसा नहीं है कि पार्टियां यह सब समझती नहीं। उन्हें पता है कि उत्पादकता में अपेक्षित वृद्धि के बिना मुफ्तखोरी पर भारी खर्च मुद्रा का अवमूल्यन भी करेगा, फिर भी राजनीतिक हित राष्ट्र हित पर भारी पड़ रहे हैं।

रेवड़ी आवंटन विकास कार्यों में तो बाधा बन ही रहा है, यह ऐसी राजनीतिक संस्कृति को भी जन्म दे रहा है, जहां नागरिकों का ध्यान सरकारों के शासकीय दायित्व से हटकर व्यक्तिगत लोभ और लालच पर अटका दिया गया है। जन अपेक्षा सरकारों की कार्यकुशलता और पारदर्शिता की बजाय इस ओर मुड़ रही है कि अगले चुनाव में कौन पार्टी कितनी लुभावनी योजनाएं घोषित करेगी। चुनावों में छिपकर नोट, शराब और साड़ी वितरण जैसे प्रयत्नों से परे रेवड़ी संस्कृति ने राजनीतिक भ्रष्टाचार को ऐसा संस्थागत रूप दे दिया है, जहां मतदाता को एलानिया घूस दी जा रही है। मूल संसाधन एकत्रित करने से लेकर शिक्षा और विवाह जैसे गृहस्थ दायित्वों का भार अपने ऊपर ले रही सरकारें शासन को ऐसी धारा में ले जा रही हैं, जहां व्यक्तिगत पुरुषार्थ का महत्व क्षीण हो रहा है। इसका सीधा असर उत्पादकता पर भी पड़ रहा है। दक्षिण के कई राज्यों में हो रहे प्रवासन का बड़ा कारण ऐसी कल्याणकारी योजनाओं के चलते स्थानीय श्रम शक्ति की बढ़ती अनुपलब्धता है। कुछ शोध यह दर्शा रहे हैं कि ऐसी योजनाएं अवैध बांग्लादेशी आप्रवासन को भी बढ़ावा दे रही हैं। नीति निर्धारण, विधायिका के हाथ में होने के कारण न्यायालय भी टिप्पणी के अतिरिक्त ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। वहीं नेताओं में मुफ्त सुविधाएं देने की होड़ लगी हुई है। रेवड़ी संस्कृति का विरोध करने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने भी अब इस रुझान से समझौता कर लिया है। ऐसे में प्रबुद्ध जनों को ही राजनीति के इस बिगड़ते स्वरूप पर लोगों को जागरूक करना होगा।

(लेखक इंडिक अकादमी के सदस्य एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)
response@jagran.com

अवधेश राजपूत

तूल न दें एनसीईआरटी की भूल को

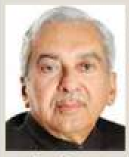

जगमोहन सिंह राजपूत

संभवतः एनसीईआरटी ने केवल न्याय-व्यवस्था में भ्रष्टाचार पर पाठ लिखकर भूल की है, लेकिन भूल करना अपराध नहीं है

गत दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) की कक्षा आठ की एक पुस्तक को प्रतिबंधित कर दिया, क्योंकि उसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक पाठ था। न्यायालय ने इसे लापरवाह और तिरस्कारपूर्ण माना। उसने और भी बहुत कुछ कहा, जैसे कि इसके पीछे गहरी साजिश है। यह सही प्रश्न पूछा जा रहा है कि केवल न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर ही अलग पाठ क्यों? हालांकि बाद में पता चला कि इसके पहले राजनीति तथा नौकरशाही में कदाचरण पर चर्चा हो चुकी है। अभी सुप्रीम कोर्ट में एनसीईआरटी को इस पूरे प्रकरण पर अपना पक्ष रखना है। संभवतः अध्यापकों और एनसीईआरटी ने केवल न्याय-व्यवस्था में भ्रष्टाचार पर अलग से पाठ लिखकर भूल की है और भूल करना अपराध नहीं है। भूलें अज्ञान या अनुभवहीनता के कारण हो सकती हैं और अधिकांश अवसरों पर सुधारी जा सकती हैं। इसके लिए उस संस्था को अपमानित करना आवश्यक नहीं। उस पुस्तक के पाठ में जो लिखा है, वह कितना सही या गलत है, यह तो लोग नहीं जानते, लेकिन न्यायपालिका के रुख पर देशव्यापी चर्चा हो रही है।

एनसीईआरटी की स्थापना 1961 में हुई। तब से यह संस्था शिक्षा के क्षेत्र में एक थिंकटैंक बनकर उभरी और उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी साख बनाई है। देश की हर व्यवस्था को चलाने वाले अधिकांश लोग तथा विद्वत वर्ग एनसीईआरटी की पुस्तकें पढ़कर जीवन में आगे बढ़े हैं और संस्था के प्रति आदरभाव रखते हैं। देश की उच्चतम प्रशासनिक सेवा में प्रवेश के लिए तैयारी करने वाले युवा एनसीईआरटी की पुस्तकों का पूर्ण विश्वास से अध्ययन करते हैं। एनसीईआरटी 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' का निर्माण करती है और नैतिकता, आचारनीति तथा मूल्य-आधारित जीवन जीने के लिए देश के भविष्य को संवारने में संलग्न है। देश की शिक्षा की समय के साथ गतिशीलता और उपयोगिता बनाए रखने के लिए समय-समय पर एनसीईआरटी नए पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और पुस्तकें बनाती है। इस प्रक्रिया में सारे देश से आमंत्रित विशेषज्ञ भाग लेते हैं और प्रत्येक पांडुलिपि अनेक स्तरों पर पूरी तरह परखी जाती है। एनसीईआरटी की आलोचना भी अनेक अवसरों पर होती है, जिसके पीछे प्रायः वैचारिक/राजनीतिक प्रतिबद्धताएं ही हावी होती हैं। एनसीईआरटी से गलतियां भी होती रही हैं, लेकिन सामने आते ही सुधारी जाती हैं। खेद व्यक्त किए जाते हैं। जैसे कि एक बार एक किताब में कुछ पैराग्राफ लेखक ने नकल कर लिखे थे। मामला सामने आने पर त्वरित सुधार किए गए। एक अन्य पुस्तक में मेडागास्कर को अरब सागर में दिखाया गया था। उसे भी पुनः सुधार कर हिंद महासागर किया गया। जाहिर है एनसीईआरटी ने अपनी गलती मानी और पुस्तकों में परिवर्तन किए, लेकिन किसी ने किसी भी स्तर पर इसके पीछे किसी सोची-समझी साजिश की बात नहीं कही। यह संस्था सभी की है, देश की है। एनसीईआरटी की हर पुस्तक के प्रकाशन के लिए अंतिम स्वीकृति निदेशक की ही होती है। नैतिक जिम्मेदारी भी उसी की होती है। वर्तमान प्रकरण में भी ऐसा ही माना जाना चाहिए।

एनसीईआरटी की ओर से वापस ली गई पुस्तक • फाइल

2002-03 में इतिहास की एक पांडुलिपि तत्कालीन निदेशक के समक्ष प्रस्तुत की गई। उसमें एक वाक्य था, 'राजीव गांधी की हत्या तमिल क्रिश्चियन व्यक्ति द्वारा की गई।' एक पाठ का शीर्षक था, 'इस्लामिक कट्टरवाद।' यह सही है कि निदेशक एक शब्द भी लेखक की अनुमति के बिना बदल नहीं सकते, लेकिन वह पांडुलिपि को अस्वीकृत कर सकते हैं। तब भी ऐसा ही किया गया और नई पांडुलिपि तैयार की गई। एनसीईआरटी की पुस्तकों में परिवर्तन के सुझाव साल भर अध्यापकों, छात्रों, लेखकों तथा विद्वानों की ओर से आते रहते हैं। संस्था के विद्वान विशेषज्ञ उनका अध्ययन करते हैं, और जहां आवश्यक होता है परिवर्तन करते हैं। एनसीईआरटी की किताबें प्रति वर्ष मुद्रित होती हैं। 2001 में कक्षा तीन के एक विद्यार्थी ने पत्र लिख एक पुस्तक में प्रकाशित चित्र के शीर्षक पर सवाल उठाया। वह शीर्षक था-'किसान हल जोत रहा है', जबकि किसान कंधे पर हल रखे हुए था। उसका संज्ञान लेते हुए अगले वर्ष पुस्तक में आवश्यक सुधार किए गए और उस छात्र को पत्र लिख गलती के लिए क्षमा मांगी गई। इससे साफ होता है कि एनसीईआरटी ने समय के साथ अपनी गलतियां सुधारी हैं, लेकिन हर संस्था के समक्ष यह संभावना नहीं रहती। जब एक स्तर पर न्यायालय से दोषी पाया गया युवक 15-20 साल बाद ऊंचे स्तर के न्यायालय से अपराध मुक्त कर दिया जाता है, तब उसके जीवन के साथ न्याय करना सर्वोच्च न्यायालय के बस में नहीं रह जाता।

यह भारतीय संस्कृति की सर्वमान्य अवधारणा है कि अध्यापक को सदा ही संवेदनशील, अहंकार विहीन और ज्ञान अर्जन के प्रति समर्पित होना चाहिए। उसे जीवनपर्यंत सीखते रहने के सिद्धांत का अनुपालन करना चाहिए। इन्हीं मूलभूत सिद्धांतों पर एनसीईआरटी को पिछले छह दशकों से विकसित किया जाता रहा है। यह सिद्धांत हर स्तर के न्यायालयों पर भी लागू होता है और होने चाहिए। देश के विकास के लिए संस्थाओं के बीच पारस्परिक सहयोग और सम्मान ऐसे मूलभूत मानवीय मूल्य हैं, जिन्हें कोई भी अस्वीकार नहीं कर सकता।

(लेखक एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

सहजता से जीना

जीवन उतना उलझा हुआ नहीं होता, जितना हम उसे अपनी चिंताओं, आशंकाओं और अनिर्णय से बना लेते हैं। सरलता केवल जीवन जीने की शैली नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति की एक महत्वपूर्ण सीढ़ी है। अविश्वास और काम को टालने की प्रवृत्ति मनुष्य को भीतर से कमजोर बना देती है। परिणामस्वरूप वह शांति और संतोष से दूर होता जाता है। जबकि जीवन की सच्चाई यह है कि जो काम सहजता से, विश्वास के साथ और समय पर किया जाए वह न केवल सफल होता है, बल्कि मन को भी हल्का और संतुलित रखता है।

सरलता का अर्थ यह नहीं है कि जीवन में संघर्ष नहीं होगा। संघर्ष तो जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है, वही हमें मजबूत बनाता है और अनुभव देता है, परंतु संघर्ष को जटिलता में बदल देना हमारी भूल है। जब हम अपने मन को सकारात्मक रखते हैं, तब वही संघर्ष साधना बन जाता है और वही कठिनाई आगे बढ़ने की प्रेरणा बनती है। जो व्यक्ति सरलता से जीते हुए अपने कार्यों के प्रति समर्पित रहता है, वही धीरे-धीरे असाधारण उपलब्धियों की ओर बढ़ता है। वह हर काम को बोझ नहीं मानता, बल्कि उसे अवसर की तरह स्वीकार करता है।

जीवन की सबसे बड़ी कला यही है कि हम उसे सहजता से जीना सीखें। अनावश्यक चिंताओं से दूर रहें, अपने कर्तव्यों को समय पर निभाएं और अपने भीतर विश्वास बनाए रखें। जब मन सरल होता है तो जीवन में स्पष्टता आती है, निर्णय सशक्त होते हैं और आत्मा में शांति का अनुभव होता है। यही सरलता धीरे-धीरे आध्यात्मिक सफलता का आधार बनती है। इसलिए आवश्यक है कि हम जीवन को कठिन बनाने के बजाय उसे सहज और सार्थक बनाने का प्रयास करें। सरलता में ही संतोष है, सरलता में ही शक्ति है और सरलता में ही वह आध्यात्मिक ऊंचाई छिपी है, जो साधारण मनुष्य को भी असाधारण बना सकती है।

ललित गर्ग

पाठकनामा

pathaknama@pat.jagran.com

नेपाल में नई उम्मीद

डा. ऋषि गुप्ता का आलेख 'नए नेपाल के निर्माण का जनादेश' नेपाल की राजनीति में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव की ओर संकेत करता है। नेपाल के हालिया चुनावों में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को मिले व्यापक जनसमर्थन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की जनता पुरानी राजनीतिक व्यवस्था और लगातार बन रही अस्थिरता से आगे बढ़कर एक नए विकल्प की तलाश में थी। नेपाल लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता, गठबंधन की मजबूरियों और बार-बार बदलती सरकारों की समस्या से जूझता रहा है। पिछले डेढ़ दशक में कई प्रधानमंत्रियों का बदलना इस अस्थिरता का स्पष्ट संकेत है। ऐसे माहौल में युवाओं के नेतृत्व में उभरती नई राजनीति ने जनता के भीतर एक नई आशा जगाई है। आरएसपी के नेता और युवा चेहरा बालेंद्र शाह जैसे नेताओं के प्रति बढ़ता भरोसा यह दर्शाता है कि नेपाली समाज अब पारंपरिक राजनीति से हटकर ईमानदार, जवाबदेह और विकासोन्मुख नेतृत्व चाहता है। जनता का यह जनादेश केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि व्यवस्था में व्यापक सुधार की उम्मीद भी है। हालांकि नई सरकार के सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, सुशासन और राजनीतिक स्थिरता जैसे मुद्दों पर ठोस कदम उठाना आवश्यक होगा। यदि नई राजनीतिक शक्तियां जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरती हैं तो यह नेपाल के लोकतंत्र के लिए एक नई दिशा सिद्ध हो सकती है। आशा है कि नई सरकार जनता के विश्वास को मजबूत करेगी और नेपाल को स्थिरता तथा विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाएगी।

अमन कुमार पांडेय, जम्मू

उकसाने की कार्रवाई

पश्चिम बंगाल के दौरे के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ राज्य सरकार द्वारा कथित रूप से प्रोटोकाल का पालन न किया जाना गंभीर विषय है और इसकी सर्वत्र निंदा होनी चाहिए। राज्य में उनके आगमन पर स्वागत के लिए न तो मुख्यमंत्री ममता स्वयं पहुंचीं और न ही उन्होंने किसी अन्य मंत्री को भेजा। इतना ही नहीं, कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले ही कार्यक्रम स्थल में भी बदलाव कर दिया गया। आदिवासी समुदाय के लिए आयोजित कार्यक्रम में भी अव्यवस्था की स्थिति देखने को मिली। राष्ट्रपति का पद दलगत राजनीति से ऊपर होता है और यह देश के सर्वोच्च सम्मान का प्रतीक माना जाता है। ऐसे पद से जुड़े प्रोटोकाल का पालन हर राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है। माना जाता है कि मुख्यमंत्री को इन नियमों की पूरी जानकारी है, फिर भी ऐसी स्थिति बनना कई सवाल खड़े करता है। कुछ लोगों का मानना है कि इस तरह की परिस्थितियां जानबूझकर पैदा की जा रही हैं, ताकि राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग उठे और बाद में इसे केंद्र सरकार द्वारा राजनीतिक दबाव के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि इससे राज्य में बढ़ रही सत्ता विरोधी भावना से ध्यान भटकाने की कोशिश की जा सकती है।

धर्मेन्द्र नाथ रस्तोगी, दुर्गा देवी मंदिर मार्ग, चौक, पटना।

परिस्थितियों का लाभ उठाए भारत

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत को आपदा को अवसर में बदलने की नीति अपनानी चाहिए। आज दुनिया कई तरह के आर्थिक और राजनीतिक तनाव से गुजर रही है। अमेरिका विश्व की महाशक्ति है। ट्रंप की टैरिफ नीति ने वैश्विक व्यापार में एक प्रकार की आर्थिक प्रतिस्पर्धा और तनाव की स्थिति पैदा कर दी थी। इसके कारण विश्व अर्थव्यवस्था में अस्थिरता और अनिश्चितता बढ़ी। हालांकि अमेरिकी न्यायपालिका द्वारा इस नीति पर रोक लगाए जाने से यह संदेश मिला कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संतुलन और जवाबदेही बेहद जरूरी है। इधर रूस-यूक्रेन युद्ध पिछले कई वर्षों से जारी है, जिसमें अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन का समर्थन कर रहे हैं। वहीं, अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले से पश्चिम एशिया में भी तनाव बढ़ गया है। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ेगा। ऐसी स्थिति में अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां नए बाजार और उत्पादन केंद्र तलाश रही हैं। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। अपनी विशाल बाजार क्षमता, कुशल मानव संसाधन और मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के कारण भारत उनके लिए एक आकर्षक विकल्प बन सकता है।

ई. हिमांशु शेखर, केरुआ, गया जी

पोस्ट

अमेरिका ने ईरान पर हमला कर एक तीर से दो अहम निशाने साधे हैं। ईरान के तेल पर कब्जा करना उसका मकसद तो है ही, वहीं ईरान का खौफ दिखाकर पश्चिम एशिया में हथियारों का बाजार गुलजार बनाए रखने की भी मंशा है। उमाशंकर सिंह@umashankarsingh

कच्चे तेल की कीमत में हर 10 डालर प्रति बैरल की वृद्धि भारत के वार्षिक आयात बिल में लगभग 13-14 अरब डालर का अतिरिक्त बोझ जोड़ सकती है। भारत के लिए अगला कदम केवल स्वच्छ ऊर्जा क्षमता बढ़ाना भर नहीं है, बल्कि देश के भीतर विश्वसनीय स्वच्छ बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

अमिताभ कांत@amitabhk87

अक्षर पटेल नई गेंद से भी बखूबी गेंदबाजी कर सकते हैं। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अपना शिकार बना सकते हैं। संक्षिप्त, किंतु विस्फोटक पारी से मैच का रुख पलट सकते हैं और असंभव से कैच पकड़कर उन्हें संभव बना सकते हैं। कुल मिलाकर आलराउंडर हो तो बापू जैसा। उपकप्तान के लिए एकदम उपयुक्त खिलाड़ी।

मोहम्मद कैफ@MohammadKaif

जनपथ

टी-ट्वेंटी का शान से जीता गया खिताब,
टूटा न्यूजीलैंड का पहुंच फाइनल ख्वाब।
पहुंच फाइनल ख्वाब दिखा भारत का जलवा,
ट्राफी लेकर हाथ बांटिए जमकर हलवा!
क्रिकेट के हर फार्म बजे अपनी ही घंटी,
भारत है उस्ताद खेलता जब टी-ट्वेंटी।

- ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान सम्पादक- स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान सम्पादक -संजय गुप्त
जागरण प्रकाशन लिमिटेड के लिये आनन्द त्रिपाठी द्वारा दैनिक जागरण प्रेस C-5, C-6 & 15 इंडस्ट्रियल एरिया, पाटलिपुत्र, पटना - 800013 से प्रकाशित एवं मुद्रित, सम्पादक (बिहार/प. बंगाल)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, स्थानीय सम्पादक - आलोक मिश्रा * दूरभाष : 0612-2277071, 2277072, 2277073
E.mail : patna@pat.jagran.com, R.N.I. NO. BIHHIN/2000/03097* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी पटना जीपीओ रजि.नं. R-10/NP-18/14-16 समस्त विवाद पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे। वर्ष 26 अंक 323

एक नजर में

बच्चे का घर से अपहरण पीछा करने पर भागे बदमाश

कुमारखंड (बिहारीगंज) : श्रीनगर थाना क्षेत्र की मंगरवारा पंचायत के रहमतगंज वार्ड संख्या पांच में रविवार की रात करीब 10:15 बजे घर में सो रहे सात वर्षीय बालक को उठाकर बदमाश भागने लगे। इस बीच बच्चे की मां की नजर जब बदमाश पर पड़ी तो उन्होंने शोर मचाया। हो-हल्ला सुन जुटे ग्रामीणों ने खदेड़ा तो कुछ ही दूर आगे जाकर बच्चे को पटककर बदमाश फरार हो गए। घटना की सूचना पाते ही थानाध्यक्ष घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटना के संबंध में पीड़ित मां और बालक समेत अन्य लोगों से पूछताछ कर मामले की तहकीकात की। (संसू)

पिस्तौल दिखा जर्दा कारोबारी से 4.31 लाख रुपये की लूट

समस्तीपुर : नगर थाना क्षेत्र के बहादुरपुर वार्ड 26 में सोमवार को दिनदहाड़े जर्दा कारोबारी राहुल गुप्ता की एजेंसी के भीतर घुसकर हथियारबंद नकाबपोश तीन बदमाशों ने करीब 4.31 लाख रुपये लूट लिए। राहुल गुप्ता बहादुरपुर वार्ड 26 स्थित अपने आवासीय परिसर में ही जर्दा के कई ब्रांड की एजेंसी का संचालन करते हैं। पूर्वाह्न करीब 11:38 बजे बाजार से उनका कलेक्शन एजेंट पैसा लेकर लौटा था। (जासं)

बेटियों का शारीरिक शोषण करने वाले को उम्रकैद

मुंगेर : मुंगेर न्याय मंडल के विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रदीप कुमार चौधरी की अदालत ने सोमवार को पाक्सो एक्ट के एक मामले में सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए दोषी को आजीवन कारावास तथा 30 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर दोषी को तीन महीने अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। यह मामला 2022 का है तथा जमालपुर थाना के एक कांड से जुड़ा है। पिता-पुत्री के रिश्ते को कलंकित करने वाले इस मामले में दोषी की पत्नी ने केस दर्ज कराया था। (जासं)

इन्क्यूबेशन सेंटर से युवाओं के स्टार्टअप आइडिया को मिल रही नई राह

- पालिसी के तहत 10 लाख तक का प्री-सीड फंड मिलता है
- बाहरी निवेश जुटाने पर मैचिंग लोन की भी है सुविधा

जागरण विमर्श

जागरण संवाददाता, पटना : बिहार में उद्यमिता की एक नई लहर तेजी से आकार ले रही है। स्टार्टअप अब महानगरों तक ही सीमित नहीं हैं। पहले बिहार के लोगों में गुजरात या राजस्थान जैसी स्टार्टअप मानसिकता नहीं थी, लेकिन अब युवाओं का सोच तेजी से बदल रहा है। यह बातें चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) के मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी सह बी-हब के सीईओ कुमुद कुमार ने सोमवार को जागरण विमर्श में कहीं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप किसी समस्या का नया समाधान प्रस्तुत करते हैं। एक छात्र, जो दसवीं कक्षा में असफल रहा था, उसने रोडवेज नाम का माडल विकसित किया है। इसके तहत इंटरसिटी यात्रा में यात्रियों से केवल एक तरफ का किराया लिया जाता है, जिससे सफर सस्ता हो जाता है। वहीं डिजिटल लेबर चौक नामक स्टार्टअप ने मजदूरों को ढूंढने की प्रक्रिया को डिजिटल बना दिया है।

स्टार्टअप पालिसी के तहत मिल रही वित्तीय सहायता: कुमुद कुमार ने बताया कि स्टार्टअप पालिसी के तहत युवाओं को 10 लाख रुपये तक का प्री-सीड फंड दिया जाता है। जब किसी स्टार्टअप का टर्नओवर 20 लाख रुपये तक पहुंच जाता है, तो उसे 15 लाख रुपये के पोस्ट-सीड फंड के लिए आवेदन कर सकता है, जो मात्र 5 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध है। इसके अलावा यदि कोई स्टार्टअप बाहरी निवेश जुटाता है तो सरकार की ओर से मैचिंग लोन की सुविधा भी दी जाती है। बाहरी निवेश मिलने पर 50 लाख रुपये तक का मैचिंग सपोर्ट और राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए तीन लाख रुपये तक का एक्सेलेरेशन सपोर्ट भी दिया जाता है। वहीं महिलाओं, एससी-एसटी और दिव्यांग उद्यमियों को अतिरिक्त 5 से 15 प्रतिशत तक प्रोत्साहन भी दिया जाता है। राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। बिहार के सभी 38 जिलों के इंजीनियरिंग कालेजों में उद्यमिता सेल बनाए गए हैं। साथ ही प्रीमियम संस्थानों में इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब व्यक्ति अपने इनोवेटिव आइडिया के साथ स्टार्टअप बिहार के आनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकता है। आवेदन के लिए केवल नाम, पता और 5-10 पंक्तियों में आइडिया लिखना होता है। इसके बाद स्क्रीनिंग, बेसिक परीक्षा और प्रेजेंटेशन की प्रक्रिया होती है। चयन होने पर लगभग 45 दिनों में फंड उपलब्ध कराया जाता है। सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और सीआइएमपी जैसे इन्क्यूबेशन सेंटर इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

दैनिक जागरण कार्यालय में आयोजित जागरण विमर्श में बिहार में स्टार्टअप विषय पर चर्चा करते कुमुद कुमार, सीईओ, बी-हब, उद्योग विभाग ● जागरण

1630 स्टार्टअप पंजीकृत, 47 स्टार्टअप सेल सक्रिय

बिहार में अब तक 1630 स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं, जिनमें 241 महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप शामिल हैं। राज्य सरकार की ओर से अब तक करीब 91 करोड़ रुपये का फंड स्टार्टअप को दिया जा चुका है। राज्य में 47 स्टार्टअप सेल, 22 इंक्यूबेशन सेंटर और दो को-वर्किंग स्पेस संचालित हो रहे हैं। उद्योग भवन में जीरो लैब भी स्थापित किया गया है, जहां कोई भी व्यक्ति स्टार्टअप पालिसी से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकता है। सरकार ने सिडबी के साथ मिलकर 150 करोड़ रुपये का 'फंड आफ फंड्स' भी बनाया है, जिससे स्केल-अप स्टेज के स्टार्टअप को वित्तीय सहायता मिल सके। स्टार्टअप के विचारों को अलग-अलग चरणों में बांटा गया है, जिनमें आइडिएशन, प्रोटोटाइप वैलिडेशन, ग्रोथ और स्केलिंग शामिल हैं। 38 इंजीनियरिंग कालेज और 88 पालिटेक्निक कालेज युवाओं को तकनीकी शिक्षा दे रहे हैं। सीआइएमपी में पीजीडीएम इनोवेटिव एंटरप्रेन्योरशिप का कोर्स भी चलाया जा रहा है। इस कोर्स में लड़कियों और डिजर्व कैटेगरी के छात्रों को लगभग 90 प्रतिशत तक स्कालरशिप भी दी जाती है, ताकि अधिक से अधिक युवा स्टार्टअप की ओर आगे बढ़ सकें।

पूर्वी चंपारण में पुलिस व बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक घायल

जांच के दौरान कार रोकने पर पुलिस पर चढ़ाने का किया प्रयास

जख्मी हाजीपुर का

संवाद सहयोगी, जागरण, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) : नगर थाना क्षेत्र के चांदमारी चौक पर रविवार की रात करीब 12 बजे जांच के दौरान संदिग्ध कार रोकने पर उसमें सवार बदमाशों ने पुलिस पर चढ़ाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस पर फायरिंग भी की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया। मुठभेड़ में जख्मी बदमाश की पहचान हाजीपुर के सन्नी कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस को सूचना मिली कि चांदमारी की ओर से आधा दर्जन बदमाश कार पर सवार होकर आ रहे हैं। इसके बाद चांदमारी चौक पर पुलिस ने वाहन जांच शुरू की। संदिग्ध कार आती देख रोकने के लिए पुलिस ने इशारा किया। कार रोकने की जगह बदमाश छतौनी की तरफ लेकर भागने लगे। नगर पुलिस ने घटना की सूचना छतौनी पुलिस को दी। छतौनी चौक पर बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो बदमाशों ने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। बैरिकेडिंग के साथ पुलिस की गाड़ी में धक्का मारते हुए बदमाश भाग निकले। बदमाशों की कार के चपेट में आने से एक कुत्ते की मौत हो गई। पुलिस बदमाशों की तलाश में वहां से करीब 13 किलोमीटर दूर कोटवा पहुंची, जहां कार लावारिश हालत में पुलिस को मिली। बदमाशों की कार पर आधा दर्जन गोलियों और खून के निशान मिले। इसके बाद पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई। इस दौरान पुलिस को पता चला कि जख्मी बदमाश को मुजफ्फरपुर के जूरन छपरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस की गोली से घायल बदमाश

> कार को जब्त कर लिया गया है। कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के सहारे बदमाशों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। बहुत जल्द बदमाशों को चिह्नित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक बदमाश गोली से जख्मी हुआ है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया। गोली उसके सीने में फंसी है। अन्य की तलाश हो रही है।
> **स्वर्ण प्रभात,** पुलिस अधीक्षक, पूर्वी चंपारण

81 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर मिलेगा ए ग्रेड

जागरण संवाददाता, पटना : सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से आठवीं तक की वार्षिक मूल्यांकन परीक्षा 12 से 19 मार्च तक आयोजित होगी। परीक्षा में शामिल होने वाले बच्चों को अंक नहीं दिया जाएग, बल्कि उन्हें ग्रेड प्रदान किया जाएगा। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया है। साथ ही ग्रेड देने के लिए एक फार्मेट भी जारी किया है। जिसमें यह बताया कि गया है कि कितने प्रतिशत अंक लाने वाले बच्चों को कौन सा ग्रेड प्रदान किया जाए। एससीईआरटी के अनुसार वार्षिक परीक्षा के मूल्यांकन में जिन बच्चों को 81 से 100 प्रतिशत अंक प्राप्त होगा उन्हें ए ग्रेड दिया जाएगा। इसी तरह 61 से 81 प्रतिशत पर बी ग्रेड, 41 से 60 प्रतिशत प्राप्त करने पर सी ग्रेड, 33 से 40 प्रतिशत वालों को डी और 0 से 32 प्रतिशत वालों को ई ग्रेड दिया जाएगा।

डी और ई ग्रेड वाले बच्चों के लिए विशेष कक्षाएं आयोजित होंगी : जिला शिक्षा कार्यालय के अनुसार जिन बच्चों को डी और ई ग्रेड प्राप्त होगा उनके स्कूल में विशेष कक्षाएं आयोजित होंगी। वर्ग शिक्षक पढ़ने में कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देंगे। ताकि आगे की परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकें। विशेष कक्षा के दो महीने बाद दो महीने बाद फिर से परीक्षा ली जाएगी।

अमेरिकी संस्था मुंगेर जिले के शिवकुंड को गोद ले बनाएगी इको माडल गांव

त्रिभुवन चौधरी, ●जागरण.

हेमजापुर (मुंगेर) : बिहार के मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड का शिवकुंड गांव अब पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक नई पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगठनों की पहल पर इस गांव को इको माडल विलेज के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। सोमवार को गांव में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अमेरिका की संस्था रिज्यूवेनेट ने शिवकुंड को गोद लेने की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य गांव को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के अनुकूल माडल के रूप में विकसित करना है, ताकि यह देश के अन्य गांवों के लिए प्रेरणास्रोत बन सके।

कार्यक्रम की शुरुआत शांति पाठ और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इंडोनेशिया से आए छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और गांव में चल रहे पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। इस टीम में जूलियाना ओजोंग, नूरलिआना, एंडरीज केंटजाना और सुजेंग सहित कई सदस्य शामिल थे। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन प्रीति राव, ऋतुराज बसंत, आनंद कुमार, नीतीश कुमार, अनिल कुमार, अंजनी कुमार और रणधीर कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव भी सामने आए। रिज्यूवेनेट गंगा फाउंडेशन के आरव सिंह ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोगों को संबोधित करते हुए शिवकुंड को इको विलेज के रूप में विकसित करने के लिए संस्था की ओर से सहयोग और मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि गंगा किनारे बसे इस गांव में पहले से ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कई सराहनीय प्रयास हो रहे हैं। अब इन प्रयासों को संगठित रूप देकर इसे एक आदर्श पर्यावरण माडल के रूप में विकसित किया जाएगा। आरव सिंह मूल रूप से मुंगेर जिले के निवासी हैं और अपने ही क्षेत्र में ऐसी सकारात्मक पहल होते देख उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। यदि ग्रामीण सामूहिक रूप से इस दिशा में कार्य करें, तो शिवकुंड आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बन सकता है.कार्यक्रम में रिज्यूवेनेट गंगा, बायोएंजाइम एंटरप्रेन्योर्स एकेडमी आफ इंडिया, स्विच फार चेंज फाउंडेशन, गंगाजली, देव वृक्ष महायज्ञ और भोजपुर महिला कला केंद्र सहित कई संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी संस्थाओं ने मिलकर शिवकुंड को स्वच्छ और हरित गांव बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान ग्रामीणों को प्लास्टिक के उपयोग से बचने और कपड़े के थैलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्रामीणों से बात करतीं इंडोनेशिया टीम के सदस्य। ● जागरण

कटिहार में ससुराल आए पति ने पत्नी की नाक चबाई

संवाद सूत्र, जागरण● कदवा (कटिहार) : कदवा थाना क्षेत्र के कुम्हरी गांव में घरेलू विवाद का एक गंभीर मामला सामने आया है। ससुराल आए पति मिथिलेश चौधरी ने शराब के नशे में अपनी पत्नी पूजा देवी के साथ मारपीट करते हुए उनकी नाक चबाकर काट दी। इस घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़ित पत्नी पूजा देवी ने बताया कि उनके पति का दूसरी महिला के साथ संबंध होने की जानकारी उन्हें मोबाइल में रखे वीडियो से मिली थी। उनकी शादी 1997 में मधेपुरा जिला के चौसा थानाक्षेत्र के फुलौत निवासी मिथिलेश चौधरी से हुई थी। पति-पत्नी चंडीगढ़ में रहते थे और उनके दो बच्चे भी हैं। दूसरी महिला के साथ संबंध को लेकर विवाद बढ़ने पर करीब छह माह पहले पति ने उन्हें मायके कुम्हरी में छोड़ दिया था।

मोकामा-बख्तियारपुर फोरलेन पर पूर्व मंत्री की कार दुर्घटनाग्रस्त

संवाद सहयोगी, जागरण● बाढ़ : मोकामा-बख्तियारपुर फोरलेन पर पूर्व मंत्री नीरज कुमार बबलू की एंडिवर कार बीच सड़क पर एक सीमेंट लदे ट्रैक्टर से सोमवार की दोपहर दो बजे को टकरा गई। इस टक्कर में एंडिवर क्षतिग्रस्त हो गई है। गाड़ी में सवार पूर्व मंत्री की पत्नी, सुरक्षा गार्ड और चालक को चोट नहीं आई और सभी सुरक्षित हैं। गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार, पूर्व मंत्री नीरज कुमार बबलू की पत्नी सुरक्षाकर्मियों के साथ गाड़ी से पटना से मोकामा की ओर जा रही थीं। इसी दौरान मोकामा-बख्तियारपुर फोरलेन पर दाहौर गांव के समीप अचानक एक सीमेंट लदा ट्रैक्टर सड़क पार करने लगा। तेज रफ्तार में होने के कारण और ट्रैक्टर के अचानक सामने आ जाने से चालक को गाड़ी नियंत्रित करने का पर्याप्त मौका नहीं मिला और एंडिवर सीधे ट्रैक्टर से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद ट्रैक्टर का चालक अपना वाहन वहीं सड़क पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य में जुट गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सड़क पर यातायात को सुचारू करवाया और मौके से ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष ब्रज किशोर सिंह ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी में पूर्व मंत्री नीरज कुमार सिंह (बबलू) की पत्नी सवार थीं, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी को वापस पटना भिजवा दिया है और ट्रैक्टर चालक की तलाश की जा रही है।

दैनिक जागरण क्लासीफाइड
कम दाम, ज्यादा काम

आवश्यकता

PANSARA COLLEGE OF MANAGEMENT
At- Sapahua, Gaya Patna Road, P.O Mohanpur, Ps-Gaurichak, Dist-Patna 804453
Run by- Panshara Educational and Charitable Trust
Proposed Courses
MBA, Finance, Marketing, HR, Hospital Management and MCA

शीघ्र आवश्यकता है

Post	Principal
Deptt.	Administration
Qualification	Ph.D with 10 Year Experience
Post	Assistant Professor, Professor
Deptt.	MBA, Finance, Marketing, HR, Hospital Management and MCA
Qualification	Ph.D/ Master Degree in Relevant Field/ Subject
Post	HOD For
Deptt.	MBA, Finance, Marketing, HR, Hospital Management and MCA
Qualification	Ph.D/ Master Degree in Relevant Field With 5 Year Experience
Post	Librarian
Deptt.	Library
Qualification	B.Lib.Sc/M.Lbi.Sc
Post	Lab Instructor/
Deptt.	MCA/MBA
Qualification	BCA/DCA
Post	Office Assistant
Deptt.	Administration
Qualification	M.Com/B.Com
Post	Accountant
Deptt.	Administration
Qualification	Graduate with Computer Knowledge
Post	Other Post Admission- Cum Counselor, Driver, Gardener, Peon, Receptionist)
Deptt.	Administration
Qualification	Minimum Qualification 10th/ 12th/Graduate and Experience in Relevant fields

- एक व्यक्ति केवल एक ही पद के लिए आवेदन (Apply) कर सकते हैं।
- अपने Resume और self-Attested photo-copy Certificate को 25 दिन में pansaracollegeofmanagement@gmail.com पर मेल करें।
- अनुभव को प्राथमिकता दी जाएगी

Chairman - Dhananjay Kr. Ranjan
Cont.-9072227555

LOYOLA HIGH SCHOOL, PATNA
TEACHERS REQUIRED
Applications are invited for the post of
- Montessori & PRT (Hindi)
- PGT - Chemistry, Physics & English

Qualifications :
Graduate with B.Ed & NTT for Montessori & PRT
B.A./B.Sc./M.A./M.Sc. with B.Ed for PGT
Candidates must have minimum 3 years of teaching experience in English Medium school.
Application must be sent along with recent Photograph, Bio-data & Certificates before 22-03-2026.
Application can be sent to our Email Id- lhspat69@gmail.com
NB only shortlisted candidates will be called for the Interview.
Principal
Loyola High School
Kurji, Patna - 800010

बिहार इंटीट्यूट ऑफ लॉ
अशियाना मोड़, राजा बाजार, पीलर नं.-38, बेली रोड, पटना-14
आवश्यकता
संस्थान को निम्न विषयों हेतु
अनुभवी शिक्षकों की आवश्यकता है।
अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा ई-मेल पर भेजें एवं हार्ड कॉपी संस्थान में 15 दिनों के अन्दर जमा करें। Ph.D वालों को प्राथमिकता।
ईमेल bilpatna@gmail.com
9525650318, 7079750318

नाम परिवर्तन

मैं दीपक कुमार, पिता- प्रेम शंकर प्रसाद, पता- बसंतपुर, सिवान, बिहार- 843406 शपथपूर्वक ब्यान करता हूँ कि निधी मिश्रा, पति- अनिल कुमार पाण्डेय, पता- संजय गाँधी नगर, रोड नं0 3 हनुमान नगर, कंकड़बाग, पटना, बिहार- 800020 के निवासी है जिन्हे पीछले 4-5 वर्षो से जानता एवं पहचानता हूँ एवं निधी मिश्रा के पुत्र Atharv Pandey and Samarth Pandey जो कि दोनो नामों से जाने एवं पहचाने जाते है। यह कि निधी मिश्रा के पुत्र के नाम से एक एल. आई. सी पॉलिसी है जिसका पॉलिसी सं0- 596386648 है। Afdt no 148 Date- 12/01/26

I, Rohit Kumar S/o Jivachh Kumar Sah R/o Parora Purnia Bihar have changed my name to Shayan Rahman and do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Islam Religion and renounced Hindu Religion wef 24/05/2024

शिक्षा

BIHAR में पहली बार LAW की पढ़ाई शानदार
AMBITION LAW INSTITUTE के साथ सुनहरा मौका
तैयारी करें:
JUDICIARY
न्यायिक सेवा
IAS (LAW OPTIONAL)
CLAT (UG/PG) | CUET (UG/PG)
APO | ADA
Offline & Online
PATNA OFFICE:
SHOP NO 501 506, 5TH FLOOR, SKU CENTER, OPPOSITE PC JEWELLERS BORING ROAD, PATNA, BIHAR- 800001
959929-3901 | 880066-0301

पोल्ट्री

सण्डे हो या मण्डे रोज़ खाओ अण्डे
NECC / BPFA Suggested Rates of Egg/Broiler For Farmers & Consumers

आज का भाव 10.03.2026 जिला	प्रति अंडा (₹)	ब्रायलर प्र. कि. (₹)	उपभोक्ता मूल्य (₹) प्र.कि.
[illegible]	4.65	112	190
[illegible]	4.60	115	195
[illegible]	4.60	112	190
[illegible]	4.50	112	190
[illegible]	4.50	112	190
[illegible]	4.65	112	190

उपभोक्ता अण्डा दर प्रति दर्जन ₹72

Classifieds दैनिक जागरण
YOU CAN BOOK CLASSIFIED ADVT. OVER PHONE in Patna
For More Details Contact
Ghanshyam Singh
9470645100
0612-2277071

बिहार सरकार
श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग

महत्वपूर्ण सूचना

पश्चिम एशिया एवं खाड़ी क्षेत्र में फंसे प्रवासी श्रमिकों के लिए

आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर
Emergency Helpline Numbers

पश्चिम एशिया एवं खाड़ी क्षेत्र में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (**Ministry of External Affairs**) द्वारा भारतीय नागरिकों, विशेषकर प्रवासी श्रमिकों की सहायता एवं सुरक्षा के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष (**Special Control Room**) तथा विभिन्न देशों में आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। बिहार राज्य के वे नागरिक/प्रवासी श्रमिक जो इन देशों में कार्यरत हैं या वहां अस्थायी रूप से रह रहे हैं तथा किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है, **वे निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।**

विदेश मंत्रालय (MEA) — विशेष कंट्रोल रूम
संपर्क समय: सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक
टोल फ्री: 1800118797 | +91 11 2301 2113 | +91 11 2301 4104 | +91 11 2301 7905
देश-वार दूतावास / कॉन्सुलेट आपातकालीन संपर्क नंबर

देश	आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर
बहरीन (Bahrain)	+973 39418071
ईरान (Iran)	+989128109115 / +989128109102 / +989128109109 /+989932179359
इराक (Iraq)	+964 771 651 1185 / +964 770444 4899
इज़राइल (Israel)	+972 54 7520711 / +972 54 2428378
जॉर्डन (Jordan)	+962 770 422 276
कुवैत (Kuwait)	+965 65501946
लेबनान (Lebanon)	+961 76860128
ओमान (Oman)	+968 98282270 (WhatsApp) / 80071234 (Toll Free)
कतर (Qatar)	+974 55647502
रामल्लाह, फ़िलिस्तीन (Palestine)	+970 592916418
सऊदी अरब, रियाद	+966 11 4884697 / 800 247 1234 (Toll Free)
सऊदी अरब, जेद्दा	+966 126648660 / +966 12 2614093
संयुक्त अरब अमीरात (UAE)	+971 543090571 (WhatsApp) / 800 46342 (Toll Free)

राज्य के सभी प्रवासी श्रमिकों एवं उनके परिजनों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी प्रकार की समस्या, आपात स्थिति या सहायता की आवश्यकता हो तो उपरोक्त हेल्पलाइन नंबरों पर तुरंत संपर्क करें।

अधिक जानकारी के लिए विदेश मंत्रालय की वेबसाइट देखें: https://www.mea.gov.in

सचिव, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार सरकार

PR. No. 025921 (Labour) 2025-26

गीता सार

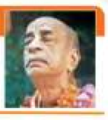

ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद

भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च।
अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा।।
(अध्याय-सात, श्लोक-चार)

भावार्थ : पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार, ये आठ प्रकार से विभक्त मेरी भिन्ना (अपरा) प्रकृतियां हैं।

तात्पर्य: भगवान के विभिन्न पुरुष अवतारों (विस्तारों) की शक्ति को प्रकृति कहा जाता है, जैसा कि सात्वत तंत्र में कहा गया है- 'सृष्टि के लिए, भगवान कृष्ण का स्वांश तीन विष्णुओं का रूप धारण करता है। पहले महाविष्णु हैं, जो संपूर्ण भौतिक शक्ति महत तत्व को उत्पन्न करते हैं। द्वितीय गर्भोदकशायी विष्णु हैं, जो समस्त ब्रह्मांडों में प्रविष्ट होकर उनमें विविधता उत्पन्न करते हैं। तृतीय क्षीरोदकशायी विष्णु हैं, जो समस्त ब्रह्मांडों में सर्वव्यापी परमात्मा रूप में फैले हैं। वे प्रत्येक में उपस्थित हैं। जो भी इन तीनों विष्णु रूपों को जानता है, वह भवबंधन से मुक्त हो सकता है।' भौतिक जगत भगवान की शक्तियों में से एक का क्षणिक प्राकट्य है। जगत की सारी क्रियाएं भगवान कृष्ण के तीनों विष्णु अंशों द्वारा निर्देशित हैं। जो व्यक्ति ईश्वर तत्व (कृष्ण) को नहीं जानता, वह मान लेता है कि संसार जीवों के भोग के लिए है।

प्रस्तुत श्लोक में कृष्ण को इस जगत का आदि कारण माना गया है। भगवान की पृथक-पृथक शक्तियां इस भौतिक जगत के घटक हैं। यथार्थ परमसत्य तो भगवान कृष्ण हैं। वे पूर्ण शक्तिमान हैं और उनकी नाना प्रकार की भिन्ना तथा अंतरंग शक्तियां होती हैं। भौतिक शक्ति आठ प्रधान रूपों में व्यक्त होती है। इनमें से प्रथम, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु तथा आकाश स्थूल अथवा विराट सृष्टियां कहलाती हैं, जिनमें पांच इंद्रियविषय शब्द, स्पर्श, रूप, रस तथा गंध सम्मिलित हैं। अन्य तीन तत्वों मन, बुद्धि तथा अहंकार को भौतिकतावादी उपेक्षित रखते हैं। मिथ्या अहंकार 'मैं हूं' तथा 'यह मेरा है' में विषयभोग की दस इंद्रियों का समावेश है। भगवान की आठ विभिन्न शक्तियों से जगत के 24 तत्व प्रकट हैं, जो नास्तिक सांख्यदर्शन के विषय हैं। ये मूलतः कृष्ण की शक्तियों की उपशाखाएं हैं और उनसे भिन्न हैं, किंतु अल्पज्ञानी यह नहीं जान पाते कि कृष्ण समस्त कारणों के कारण हैं। जैसा कि भगवद्गीता में कहा गया है, सांख्यदर्शन की विवेचना का विषय कृष्ण की बहिरंगा शक्ति का प्राकट्य है।

भाव-चिंतन

स्वामी मैथिलीशरण
संस्थापक अध्यक्ष, श्रीरामकिंकर विचार मिशन

क्या हैं पाप और पुण्य

जिसमें दूसरे को कष्ट होता है, वह पाप है। जिसमें दूसरे को सुख होता है, वह पुण्य है। पुण्य और पाप वृत्ति है, धर्म नहीं। पाप-पुण्य वाणी से, क्रिया से, चिंतन से और दान व परोपकार से भी होते हैं। कैसे? एक चिंतन...

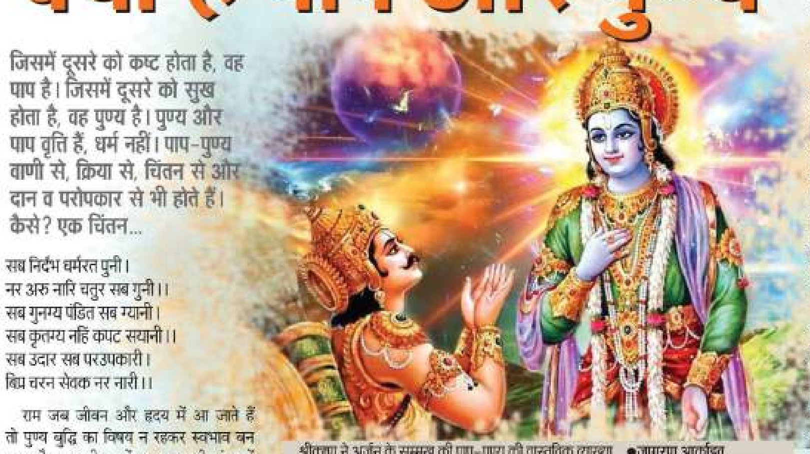

श्रीकृष्ण ने अर्जुन के सम्मुख की पाप-पुण्य की वास्तविक व्याख्या ●जागरण आर्काइव

विरोधाभास सृष्टि और काल का अकाट्य सत्य है। दुख-सुख, पाप-पुण्य, दिन-रात, साधु-असाधु, सुजाति-कुजाति, स्वर्ग-नरक, दानव-देवता, ऊंच नीच, अमृत-विष, माया-ब्रह्म, जीव और ईश्वर, संपत्ति-विपत्ति, ये सभी विरोधाभास सृष्टि के निर्माण और संचालन के लिए प्रयोग में आने वाले पदार्थ हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी का उद्घोष है कि सृष्टि गुण-दोषमयी है। इसमें से गुण को ग्रहण करना और दोष का परित्याग करने के विवेक के अतिरिक्त आनंदमय जीवन के लिए कोई अन्य मार्ग नहीं है। यदि ईश्वर कृपा करे तो इस प्रकार की मति बन जाना संभव है।

पाप और पुण्य दोनों की कई श्रेणियां हैं। न तो सारे पुण्य पुण्यात्माओं के द्वारा होते हैं, न ही सारे पाप पापात्माओं के द्वारा होते हैं। महत्वपूर्ण सूत्र यह है कि पाप या पुण्य किस भाव से किया गया। बहुधा पाप और पुण्य की व्याख्या हमारे अपने निजी स्वार्थ पर निर्भर होती है। यदि वह दूसरे के पाप का परिणाम है, तब हमें वह भी श्रेष्ठ लगता है। इसके विपरीत, यदि हमारा व्यक्तिगत कोई लाभ नहीं है, यदि दूसरे को लाभ मिल गया तो वह पुण्य भी समाज में बहिष्कार का माध्यम बन जाता है। इसीलिए वेद कुछ के स्थान पर 'सब' शब्द का प्रयोग करते हैं। 'सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चित् दुख भाग्भवेत' । जो हो, सब सबके लिए हो। सब सुखी रहें, हम सभी के आनंद और सुख की कामना करें, इस स्थिति में पाप की कोई सत्ता रह ही नहीं जाएगी। श्रीरामचरितमानस में रामराज्य में गुणों के संदर्भ में इसी 'सब' शब्द का ही प्रयोग किया गया है।

सब नर करहिं परस्पर प्रीती।
चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।

सब निर्दंभ धर्मरत पुनी।
नर अरु नारि चतुर सब गुनी।।
सब गुनग्य पंडित सब ग्यानी।
सब कृतग्य नहिं कपट सयानी।।
सब उदार सब परउपकारी।
बिप्र चरन सेवक नर नारी।।

राम जब जीवन और हृदय में आ जाते हैं तो पुण्य बुद्धि का विषय न रहकर स्वभाव बन जाता है। वह जीवन में उस गुण की संज्ञा में आ जाता है, जहां जो भी होता है, वह सबके लिए सुखकारी और आनंदकारी होता है। पुण्य या पाप का कर्ता यदि अहंकार है तो परिणाम दोनों का खराब होगा। जिसमें दूसरे को कष्ट होता है, वह पाप है। जिसमें दूसरे को सुख होता है, वह पुण्य है। पुण्य और पाप वृत्ति हैं, धर्म नहीं। पाप-पुण्य वाणी से भी होते हैं, क्रिया से भी, चिंतन से भी और दान व परोपकार से भी होते हैं।

धर्म के साथ जुड़कर पाप और पुण्य विराट रूप धारण कर लेते हैं। धर्म जीवन में धारण करने की वस्तु है। धार्मिक व्यक्ति की पहचान है कि वह कहीं पर प्रमाणित होने या दूसरों की तुलना में सर्वश्रेष्ठ कहलाने की कामना वृत्ति से बहुत ऊपर होता है। ऐसी वृत्ति पुण्य रूप दिखने पर भी पाप को बल देने वाली होती है।

तुलसीदास जी जब कहते हैं कि 'नहिं असत्य सम पातक पुंजा' असत्य से बढ़कर कोई पाप नहीं है, तो इसका तात्पर्य केवल यह नहीं है कि जो वाणी से सत्य बोले वह पुण्यात्मा है, बाकी सब पापी हैं। अपितु वे यह कहना चाहते हैं कि जो सत्य है और जो सत है, उसी ईश्वर के प्रति जो समर्पित है, उससे कभी पाप होगा ही नहीं। धर्म, व्यक्ति, समाज, जाति कोई भी यदि ईश्वर को समर्पित है तो उसके कार्यों से दूसरों को दुख देने जैसा पाप नहीं होता है। यदि किसी में सबको नीचा दिखाकर सर्वश्रेष्ठ बनने की निम्न महत्वाकांक्षा है तो वह न तो पुण्य है, न ही धर्म है। होलिका यदि प्रह्लाद को गोद में लेकर जल जाती है तो इसका तात्पर्य यह नहीं है कि ब्रह्मा का वरदान असत्य सिद्ध हो गया, अपितु तथ्य यह है कि होलिका को यह वरदान नहीं था कि वह दूसरे को मारने के लिए भी उस वरदान का दुरुपयोग पाप के रूप में करे तो भी नहीं जलेगी।

पाप और पुण्य के बीच की सूक्ष्म रेखा को समझना आवश्यक होता है। महाभारतकाल में कौरवों की ओर जो सैनिक या सेनापति थे, वे सब पापी नहीं थे। केवल पाप-पुण्य का अर्थ न जानने के कारण वहां महाभारत हो गया। वे सब न अपने गुणों का सदुपयोग कर पाए और न ही पुण्य के फल धर्म को ही पा सके। पुण्य का परिणाम यदि ईश्वर है तो वह पुण्य है। यदि पुण्यात्मा अपनी निजी प्रतिष्ठा तथा अपने को पुण्यात्मा कहलाने का झंडा फहराने के लिए पुण्य कर रहा है तो ऐसी स्थिति में वह समाज में विकृत प्रतिस्पर्धा को जन्म देगा। उस स्थिति में भौतिक रूप से दिखाई देने वाला पुण्य, जो पाप भाव से किया जा रहा है, विनाश को प्राप्त हो जाता है। दंभयुक्त पुण्य और समाज में श्रेष्ठ और पुण्यात्मा कहलाने के नाम पर बुराई और पाप के प्रति दिखाई देने वाली निष्ठा रूप पुण्य भी अंत में विनाश को ही प्राप्त होता है।

कोई सिद्धि हो, धर्म हो, सत्य या कितनी भी तपस्या हो, जिसकी निष्ठा और समर्पण का आधार ईश्वर के प्रति शरणागति नहीं होगा, वह व्यक्ति को आंखें होते हुए भी अंधा बना देगा। यदि सूरदास की तरह कृष्ण को समर्पित आंखें हैं तो अंधी आंखों से भी वे भगवान के नित्य शृंगार का भेद बता देंगे। भगवान की कृपा का प्रत्यक्ष प्रमाण अर्जुन के जीवन में दिखाई देता है। जो अर्जुन कौरवों के विरुद्ध युद्ध करने को पाप समझकर कह रहा था कि हे कृष्ण! इन आततायियों को मारकर हमें पाप ही तो लगेगा, उसी अर्जुन को पाप और पुण्य की वास्तविक व्याख्या ज्ञान, भक्ति, कर्म के 18 अध्यायों की गीता सुनाकर भगवान ने उसे वह कृपादृष्टि दे दी कि वह कहने लगा कि नष्टो मोहः स्मृतिर्लब्धा त्वत्प्रसादान्मयाच्युत। स्थितोऽस्मि गतसन्देहः करिष्ये वचनं तव।। अर्थात आपकी कृपा से मेरा यह मोह भंग हो गया कि सामने मेरे संबंधी और अपने हैं, मैं उनके पापों को नहीं देख पा रहा था। अब आपकी कृपा से मेरा संदेह और मोह दूर हो गया, अब मैं वही करूंगा, जो आप कहेंगे। यह भक्त के भाव की चरम परिणति है।

व्यक्ति पाप-पुण्य की लौकिक व्याख्याओं से ऊपर उठकर उसके परम तत्व को समझकर, अपनी निष्ठा व आस्था को ईश्वर विषयक बनाकर स्वयं तथा लोक के कल्याण का माध्यम बन जाता है। संसार की विडंबनाओं से प्रभावित न होकर ईश्वर में निष्ठ होकर जो ईश्वर कराएं, उसे निमित्त बनाकर उसके पुरुषार्थ का वह फल प्राप्त करना चाहिए, जो पाप और पुण्य से भी ऊपर है।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

maithili.sharan@yahoo.com

जीवन दर्शन

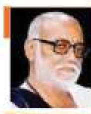

मोरारी बापू
कथावाचक

संसार में सहना ही तप है

सहिष्णुता ही सबसे बड़ी तपस्या है। संसार में सत्य और अध्यात्म के मार्ग में बहुत कुछ सहना होगा और स्वीकार करना होगा...

एक समय था, जब तप करने के लिए घर छोड़कर वनों में, गुफाओं में या कहीं एकांत में जाना पड़ता था। आज इसकी आवश्यकता नहीं है। आज अगर कोई अध्यात्म के मार्ग पर है, दूसरों का भला कर रहा है तो उसे बहुत कुछ सहना होगा। यह सहना ही आज का तप है। जो जितना ज्यादा सह रहा है, वह उतना ही बड़ा तप कर रहा है। अपने नजदीकी और घर-परिवार के लोगों का भी बहुत कुछ सहना पड़ता है। अपने ही लोग गालियां दें तो कभी बुरा मत मानना, मुस्कुराकर सहन कर लेना। परिणाम अच्छा होगा। सहना ही तप है। सहो और सबको स्वीकार करते चलो। याद रखना, आप किसी को सुधार नहीं सकते, स्वीकार करना आपके हाथ में है। इसलिए सुधारने के बजाय स्वीकार करो। सहने के लिए साहस चाहिए। साहस अध्यात्म का महामंत्र है। जिसे संसार के साथ संन्यास का अनुभव करना है, उसके लिए साहस एक महामंत्र है। यह मार्ग कमजोरों का है ही नहीं। लेकिन साहस का उल्टा करके सहसा मत करना। गोस्वामी जी ने मानस में लिखा है- सहसा करि पाछे पछिताहीं। कहहिं बेद बुध ते बुध नाहीं॥ अतः बिना सोचे जल्दी में साहस करो और फिर पछतावा हो, यह समझदारी नहीं है।

अक्सर पूछा जाता है कि हम परेशान क्यों होते हैं। मुझे और आपको तीन चीजें परेशान करती हैं। पहला है कपट। जिसे हम जगत को दिखा नहीं पाते, छिपाते हैं। दूसरा है दंभ। जो हम होते नहीं हैं, वह दिखाने की चेष्टा करते हैं। यही दंभ है और हमारी परेशानी का बड़ा कारण है। परेशानी का तीसरा कारण माया है, जो कपट भी कराती है। परेशानियों से बचना है तो कुमार्ग से बचना होगा। कुमार्ग से बचना ही मार्गी होना है। हम सब साथ में मर्यादा का पालन करें।

व्यासकथित सप्त मर्यादाओं के पालन में पहला है द्यूत (जुआ) से बचना। दूसरा कुमार्ग है मद्य, शराब। मैं क्यों आपसे छोड़ने की बात कहूं? मैं कोई अच्छी ना पिला दूं, ताकि खराब पेय अपने आप छूट जाए। इसलिए मानस की कथा का रस पियो। जिस ग्रंथ में आपकी रुचि हो, उसे पी जाओ। तीसरा कुमार्ग है शिकार। निरीह पशुओं का शिकार तो शिकार है ही, मासूम, निर्दोष या किसी का शोषण भी शिकार ही है। चौथा कुमार्ग है संघर्ष। मुझे लगता है संघर्ष ज्यादातर बिना किसी कारण के ही होता है। अकारण संघर्ष ऊर्जा को खत्म कर देता है। पांचवां कुमार्ग है स्त्री का अपमान। व्यास कहते हैं कि नारी गौरव है। नारी का सम्मान होना चाहिए। युवाओं से विशेष अनुरोध है, बहन-बेटियों की मर्यादा को संभालें। छठा कुमार्ग है असत्य। सत्य और प्रिय बोलें। सातवां कुमार्ग है कुसंग। आप जिसका संग करेंगे, वैसे हो जाएंगे। सत्संग का असर सूक्ष्म होता है मगर कुसंग का असर जल्दी होता है।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

प्रस्तुति : राज कौशिक

इस पेज पर आपकी सम्मति और सुझावों का स्वागत है-feature@jagran.com

सप्ताह के व्रत त्योहार

11 मार्च, बुधवार : शीतलाष्टमी व्रत
12 मार्च, गुरुवार : स्वामी ऋषभदेव जन्म कल्याणक, 15 मार्च, रविवार : पापमोचिनी एकादशी, 16 मार्च, सोमवार : प्रदोष व्रत

जन्म कल्याणक

जैन परंपरा के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव ने लोगों को जीवनयापन हेतु षट्कर्म का उपदेश दिया था। उनकी जयंती (इस बार 12 मार्च) पर विशेष...

प्रो. अनेकांत कुमार जैन
जैनदर्शन विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

ऋषभदेव का षट्कर्म उपदेश

जैन आगमों के अनुसार, काल चक्र के मुख्य दो विभाग हैं। एक उत्सर्पिणी काल और दूसरा अवसर्पिणी काल। इनके भी क्रमशः छह-छह विभाग हैं। दोनों ही काल में क्रमशः धर्म की वृद्धि और हानि होती है। जैन मान्यता है कि वर्तमान में अवसर्पिणी काल का पंचम आरा चल रहा है, तीसरे आरे के अंत में जब भोग भूमि समाप्त हो रही थी और कर्मभूमि का आरंभ हो रहा था, तब अंतिम कुलकर नाभिराय और उनकी पत्नी मरुदेवी के यहां प्रथम तीर्थंकर वृषभदेव हुए। जैन ग्रंथों में आदिनाथ, ऋषभदेव, पुरुदेव, प्रजापति, आदिब्रह्मा, सनातन आदि एक हजार नामों से इनकी स्तुति की गई है। उनका जन्म चैत्र मास के कृष्ण पक्ष में नवमी के दिन अयोध्या में हुआ, जो इनकी राजधानी थी। ये जन्म से ही मति, श्रुत तथा अवधि इन तीन ज्ञान से युक्त थे। जैन मान्यतानुसार, पहले लोग कर्म नहीं करते थे, भोगसामग्री कल्पवृक्षों से मिलती थी। कर्मभूमि प्रारंभ होते ही कल्पवृक्षों ने भोगसामग्री देना बंद कर दिया था, जिससे जनता में त्राहि-त्राहि मच गई। जनता राजा नाभिराय के पास पहुंची। राजा ने कहा, इसका समाधान राजकुमार ऋषभदेव करेंगे। राजकुमार ने सभी की आजीविका चलाने के लिए षट्कर्म का उपदेश दिया। वह छह कर्म इस प्रकार है :

1. **असि** : असि का अर्थ तलवार। जो देश की रक्षा के लिए तलवार लेकर देश की सीमा पर खड़े रहकर देश की रक्षा करते हैं।
2. **मसि** : मुनीमी करने वाले, लेखा-जोखा रखने वाले।
3. **कृषि** : जीव हिंसा का ध्यान रखते हुए खेती व पशुपालन करने वाले।
4. **विद्या** : सभी प्रकार के शैक्षणिक कार्य करने वाले।
5. **शिल्प** : स्वर्णकार, कुम्हार, चित्रकार, कारीगर, दर्जी, नाई, रसोइया, मूर्तिकार, मकान, मंदिर आदि के मानचित्र बनाने वाले।
6. **वाणिज्य** : सात्विक और अहिंसक व्यापार, उद्योग करने वाले।

इस उपदेश से लोग कर्ममय जीवन जीने लगे। कुछ समय पश्चात राजकुमार ऋषभदेव का विवाह नंदा एवं सुनंदा नामक दो कन्याओं से हुआ। पिता ने राजकुमार ऋषभदेव का राजतिलक कर दिया। राजा ऋषभदेव ने अपनी दोनों पुत्रियों में ब्राह्मी को अक्षर विद्या एवं सुंदरी को अंकविद्या सिखाई। इनके ज्येष्ठ पुत्र भरत ने पृथ्वी के छह खंडों पर एकछत्र राज्य किया। ऋषभदेव का चरित श्रीमद्भागवत के पंचम स्कंध में वर्णित है। नौवीं शती में आचार्य जिनसेन ने ऋषभदेव के जीवन पर आदिपुराण की रचना की है।

ऋषभ देव जी ने चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की नवमी को दीक्षा धारण की और वन में तपस्या की। फिर जीवों को संसार-सागर से पार होने का उपदेश करते हुए पृथ्वी पर विहार किया और 'कृषि करो या ऋषि बनो' का उपदेश दिया। कहते हैं दीक्षा के पश्चात वे छह मास तक निश्चल कायोत्सर्ग मुद्रा में ध्यानस्थ रहे। उन्हें फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी के दिन केवलज्ञान प्राप्त हुआ। इसके पश्चात वह कैलास पर्वत पर ध्यानारूढ़ हुए और माघ कृष्ण चतुर्दशी को मोक्ष प्राप्त किया। वे ही जैन पंथ के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव कहलाए।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

अध्यात्म की अन्य सामग्री पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

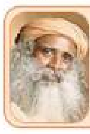

अगले मंगलवार को पढ़ें सद्गुरु का चिंतन

मनोरंजन

10 जुलाई को प्रदर्शित होगी आलिया-शरवरी की अल्फा

फिल्म निर्माता कंपनी यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) अब अपनी एक था टाइगर, वार और पठान जैसी फिल्मों के स्पाई यूनिवर्स की दुनिया मे पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा लाने के लिए तैयार है। सोमवार को आलिया भट्ट और शरवरी वाघ अभिनीत इस फिल्म की नई रिलीज तिथि की घोषणा की गई। यह फिल्म 10 जुलाई को प्रदर्शित होगी, पहले इसे पिछले साल 25 दिसंबर को प्रदर्शित किया जाना था। फिल्म के वीएफएक्स काम तय समय पर नही होने की वजह से रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया। अल्फा मे आलिया और शरवरी के सामने अभिनेता बाबी देओल खलनायक भूमिका मे होंगे। पिछले साल प्रदर्शित फिल्म वार 2 के अंत में इसकी एक झलक भी दिखाई गई थी। फिल्म की नई रिलीज तिथि के बारे मे आलिया ने इंस्टाग्राम पर साझा किया। प्रतिक्रियास्वरूप कुछ ने इस फिल्म को बहुप्रतीक्षित बताया तो कुछ को आलिया की पिछली फिल्म जिगरा की याद आ गई। बता दें कि अल्फा की तरह जिगरा भी आलिया अभिनीत एक्शन फिल्म थी, लेकिन वह फिल्म टिकट खिड़की पर कोई प्रभाव नही छोड़ पाई थी। एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट किया, 'जिगरा की तरह एक और फ्लाप।'

एक सीमा तक ही बच्चों को सपोर्ट करूंगाः सैफ

हिंदी सिनेमा में अक्सर वंशवाद पर बहस छिड़ती रहती है। अभिनेता सैफ अली खान की मां शर्मिला टैगोर हिंदी सिनेमा की प्रख्यात अभिनेत्री हैं। सैफ की बेटी सारा अली और बेटे इब्राहिम भी हिंदी सिनेमा मे काम कर रहे हैं। इब्राहिम ने पिछले साल फिल्म नादानियां से हिंदी सिनेमा मे पदार्पण किया था। उसके बाद उनकी न सिर्फ आलोचना हुई, बल्कि वंशवाद को लेकर भी चर्चा हुई। अब सैफ ने स्वयं वंशवाद के विरुद्ध बोला है। हाल ही मे अपनी बहन और अभिनेत्री सोहा अली खान के साथ एक इंटरव्यू मे सैफ ने वंशवाद पर कहा, 'मैं निश्चित तौर पर अपने बच्चों को सपोर्ट करूंगा, लेकिन उसकी भी एक सीमा है। मैंने इब्राहिम को भी कहा कि मुझे नहीं पता कि मुझे आपके साथ, आपका हाथ पकड़ कर खड़े होना चाहिए या नहीं, क्योंकि आप जो हो उसके कारण आपको पहले ही काफी कुछ मिल चुका है। आगे आपको अपने ही दम पर काम करना होगा। अपने बच्चों की देखभाल करना तो हर किसी के लिए स्वाभाविक होता है। वंशवाद सिर्फ किसी पिता का अपने बेटे को सपोर्ट करना नहीं है, बल्कि ज्यादा योग्य लोगों की जगह अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को मौका देना है। मैं इसके बिल्कुल खिलाफ हूं।'

ब्रेक में घर पर रहना पसंद है : राधिका मदान

काम के बीच छोटे ब्रेक होने पर कई कलाकार छुट्टियों पर जाना पसंद करते हैं तो कोई घर मे रहना पसंद करता है। हालांकि, अभिनेत्री राधिका मदान को मुंबई से दिल्ली जाना अच्छा लगता है जहां उनका परिवार रहता है। राधिका कहती हैं, 'आपके आपसपास का वातावरण काफी महत्व रखता है। अपने आसपास अच्छे लोगों को रखें जो आपको प्रोत्साहित करें। जब भी मेरे काम के बीच कुछ अंतराल होता है तो मैं दिल्ली स्थित अपने घर जाती हूं। इस दौरान इन बातों से दूर रहती हूं कि किसको क्या प्रोजेक्ट मिला? मुझे क्या मिल रहा है? मैं साफ कहती हूं कि जब आडिशन होगा तो बताइएगा मैं आ जाऊंगी। मैं दिल्ली में अपने बचपन के दोस्तों के पास जाती हूं। मेरी दो ही दोस्त है, जो छठवीं क्लास से मेरे साथ हैं। अच्छी बात यह है कि न मेरे दोस्तों न ही परिवार के सदस्यों को फिल्म इंडस्ट्री मे कोई दिलचस्पी है। ऐसे मे हम वहां पर मस्ती करते हैं, घूमते हैं, खेलते हैं। यह मुझे तरोताजा कर देता है।'

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

10 दिनों के लिए कमल को मिले 150 करोड़ रुपये

फिल्म में कमल ने सुप्रीम यास्किन नाम के एक देव राजा की भूमिका निभाई है। फिल्म के अंत में संकेत दिया गया है कि इसके सीक्वल में कमल हासन का स्क्रीन टाइम और ज्यादा होगा।

हाल ही में अभिनेता कमल हासन की कल्कि 2898 एडी को लेकर ली गई फीस सुर्खियों मे आई। दरअसल, दक्षिण भारतीय फिल्मकार व अभिनेता युगी सेतु ने एक साक्षात्कार मे उन्हें भारत का सबसे ज्यादा फीस लेने वाला अभिनेता बताया। युगी ने कहा, 'कमल को कल्कि 2898 एडी के लिए 20 दिनों के काल शीट के बदले 150 करोड़ रुपये मिले हैं। मैंने उनसे कहा था कि वह भारत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेता हैं।' उन्होंने आगे बताया कि कमल हासन ने ही उन्हें फिल्म के निर्माता अश्विनी दत्त से मिलवाया था। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे (अश्विनी से) कहा कि हमारे दोस्त को भारत का सबसे ज्यादा फीस लेने वाला अभिनेता बनाने के लिए धन्यवाद। जब मैंने कहा कि 20 दिनों के लिए 150 करोड़ रुपये, तो उन्होंने जवाब दिया, नहीं सर, उन्होंने केवल 10 दिन दिए थे।' युगी के इस दावे से पहले भी कई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि कल्कि 2898 एडी में अपनी भूमिका के लिए कमल हासन को 100 करोड़ से ज्यादा की फीस मिली थी।

आज का भविष्यफल- 10 मार्च, 2026 मंगलवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति
चैत्र मास कृष्ण पक्ष सप्तमी का राशिफल।
आज का राहुकाल : अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक। **दिशाशूल** : उत्तर
आज का पर्व एवं त्योहार : शीतला सप्तमी
विशेष : बुध वक्री
आज की भद्रा : दोपहर 12 बजकर 41 मिनट तक।

कल 11 मार्च, 2026 का पंचांग

कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : श्री शीतला अष्टमी
विशेष : गुरु मार्गी
विक्रम संवत 2082 शके 1948 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु, चैत्र मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी 28 घंटे 20 मिनट तक तत्पश्चात नवमी, ज्येष्ठा नक्षत्र तत्पश्चात मूल नक्षत्र, वज्र योग तत्पश्चात सिद्धि योग, वृश्चिक में चंद्रमा 22 घंटे 01 मिनट तक तत्पश्चात धनु में।

मेष : निजी सुख मे व्यवधान आ सकता है। पीले वस्त्रों का दान करें। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।

वृष : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। रिश्तों में निकटता आएगी। उच्च अधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मिथुन : स्वास्थ्य या विरोधी के कारण मन अशांत होगा। गाय को गुड़ और चने की दाल खिलाएं।

कर्क : आर्थिक सफलता मिलेगी। कोई अप्रिय समाचार मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। भाई-बहन या पड़ोसी से मन अशांत हो सकता है।

कन्या : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। पिता या धर्म गुरु का सहयोग मिलेगा।

तुला : शनि, शुक्र आपकी राशि से छठे हैं, जिससे व्यर्थ का भय, रोग और तनाव मिल सकता है।

वृश्चिक : चल या अचल संपत्ति मे वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।

धनु : किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। जीविका के क्षेत्र मे प्रगति होगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।

मकर : आर्थिक मामलों में सुधार होगा, लेकिन भाई-बहन, पड़ोसी आदि से तनाव मिल सकता है।

कुंभ : आर्थिक प्रगति होगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति मे प्रगति होगी। जीविका के क्षेत्र मे प्रगति होगी।

मीन : पारिवारिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। उपहार या सम्मान मे वृद्धि होगी।

वर्ग पहेली-3271

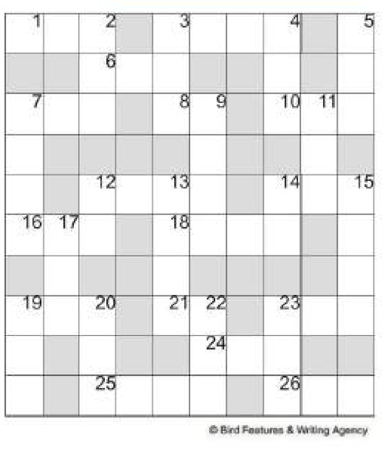

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं :
1 तह, स्तर (3)।
3 मना करना, न मानना (4)।
6 बालक, बच्चा (3)।
7 एक देश का नाम, सौ करोड़ (3)। 8 मुसलमानों का एक त्योहार (2)। 10 धैर्य, ढाढ़स (3)। 12 मध्यमा और कनिष्ठिका के बीच की अंगुली (4)।
14 नहीं कहने योग्य (3)।
16 अप्राप्य, आसानी से नहीं मिलने वाला (3)। 18 भेड़-बकरी चराने वाला (4)। 19 व्याकुल (3)।
21 प्रतिष्ठा, नासिका (2)।
23 दुर्लभ, अल्प (3)।
24 मृत्यु को प्राप्त होना (3)।
25 अयोग्य (4)।
26 सींक, सलाई (3)।

ऊपर से नीचे :
2 खोज, तलाश (3)।
3 दो या अधिक अंकों की संख्या की गिनती का पहला अंक (3)।
4 आंखों की एक बीमारी (3)।
5 स्वाभाविक, सरल, सगा (3)।
7 खिन्न, अस्वस्थ (4)।
9 हाथ से काम करने वाला (4)।
11 पहरेदार, बचाने वाला (3)।
12 अभी (2)। 13 मितली या उल्टी आना (4)। 14 प्रसन्नता सूचक अव्यय (2)।
15 मोटाई के कारण हिलता हुआ मांस (4)। 17 भिक्षुक, मांगने वाला (3)।
19 असफल (3)। 20 संकोच करना, शर्माना (3)। 22 जलज, पंकज (3)।
23 विध्वंस, नाश, प्रलय (3)।

कल का हल

अ	प	मा	न		क	हा	नी	का	र
नु		स			लि		च		सा
मो	ह		जा	न	का	र		ख	त
द		ब		भ			घ		ल
न	क	ल		चे	म	त्का	र		
		खा	ति	र	न		घा	त	क
द		ना			मी		र		ल
र	ण		इ	ठ	जी	त		शी	ह
गा		पी		वि			वि		प्रि
ह	स्तां	त	रि	त		वि	द्या	ल	य

सुडोकू-3271

1		3		6			4	
4					9	7		3
		9		1		2		
	7	2		4			8	
3					2	4		7
		8	1			3		
	3			7	1		2	8
	1					6		
8		7	6					1

कल का हल

4	8	5	1	6	2	7	9	3
6	1	7	8	3	9	4	2	5
9	3	2	7	4	5	6	1	8
3	6	1	9	8	7	5	4	2
2	7	9	6	5	4	3	8	1
8	5	4	3	2	1	9	6	7
7	2	6	5	9	8	1	3	4
5	9	8	4	1	3	2	7	6
1	4	3	2	7	6	8	5	9

एक नजर में

आरबीआइ ने बैंकिंग प्रणाली में 50 हजार करोड़ डाले

मुंबई: आरबीआइ ने सोमवार को खुला बाजार संचालन (ओएमओ) के जरिये सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करके बैंकिंग प्रणाली में 50 हजार करोड़ रुपये डाले हैं। इस ताजा खरीदारी के बाद बैंकिंग प्रणाली में 2.41 लाख करोड़ रुपये की नकदी सरप्लस में होने का अनुमान है। डाटा के अनुसार, आरबीआइ कैलेंडर वर्ष 2026 की शुरुआत से अब तक सरकारी प्रतिभूतियों की ओएमओ खरीद के जरिये बैंकिंग प्रणाली में 2.50 लाख करोड़ रुपये डाल चुका है। (प्रेट्र)

11 महीने में तैयार स्टील का निर्यात 36.6% बढ़ा

नई दिल्ली: चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों (अप्रैल 2025 से फरवरी 2026) के दौरान तैयार स्टील का निर्यात 36.6 प्रतिशत बढ़कर 60.2 लाख टन रहा है। प्रारंभिक सरकारी डाटा के अनुसार, इस अवधि के दौरान भारत ने 56 लाख टन तैयार स्टील का आयात किया है और इसमें वार्षिक आधार पर 37.4 प्रतिशत की गिरावट रही है। पहले 11 महीनों में कच्चा स्टील उत्पादन 11.2 प्रतिशत बढ़कर 15.3 करोड़ टन रहा है। (रायटर)

बीएसई-एनएसई के मेनबोर्ड पर आई आइएनए सोलर

नई दिल्ली: सोलर पैनल बनाने वाली प्रमुख कंपनी इसोलेशन एनर्जी लिमिटेड (आइएनए सोलर) के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म से सोमवार को बीएसई-एनएसई के मेनबोर्ड पर आ गए। एक रुपये अंकित मूल्य के कुल 22,03,94,625 इक्विटी शेयर दोनों एक्सचेंज के मेनबोर्ड पर आए हैं। कंपनी के चेयरमैन मनीष गुप्ता ने कहा कि बीएसई-एनएसई के मेनबोर्ड पर हमारी यह लिस्टिंग कंपनी की विकास यात्रा का एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि हमारे निदेशकों के विश्वास, हमारी टीम की मेहनत और मजबूत कारपोरेट गवर्नेंस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का परिणाम है। (वि.)

कच्चे तेल में उछाल से सेंसेक्स 1,353 अंक फिसला

बीएसई सूचकांक गिरकर 77,566 पर बंद हुआ, निफ्टी 422 अंक टूटकर 24,028 के स्तर पर आया

- विदेशी निवेश की लगातार निकासी और डालर के मुकाबले रुपये में कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा पर डाला असर
- विशेषज्ञ बोले-क्रूड आयल की ऊंची कीमतें आर्थिक वृद्धि पर असर डाल सकती हैं, नकदी की स्थिति हो सकती है खराब

मुंबई, प्रेट्र: महंगे होते कच्चे तेल और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में करीब दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक या 1.71 प्रतिशत गिरकर 77,566.16 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 2,494.35 अंक या 3.16 प्रतिशत गिरकर 76,424.55 पर आ गया था। इसी तरह, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 422.40 अंक या 1.73 प्रतिशत गिरकर 24,028.05 पर बंद हुआ। इंट्रा-डे में, यह 752.65 अंक या 3.07 प्रतिशत गिरकर 23,697.80 पर आ गया था। कारोबारियों ने कहा कि विदेशी निवेश की लगातार निकासी और डालर के मुकाबले रुपये में कमजोरी ने निवेशकों के धारणा पर भारी असर डाला।

सेंसेक्स में अल्ट्राटेक सीमेंट सबसे ज्यादा 5.23 प्रतिशत गिरा, इसके बाद मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक आफ इंडिया, इंटरग्लोब एविएशन और अदाणी पोर्ट्स बड़े नुकसान में रहे। इसके उलट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक्नोलाजीज को फायदा हुआ। उधर, ग्लोबल आयल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 12.34 प्रतिशत बढ़कर 104.1 डालर प्रति बैरल हो गया। आनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण भारतीय शेयर बाजार लगभग तीन प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ खुले और सत्र के अंत में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। पश्चिम एशिया में संघर्ष गहराने के साथ कच्चे तेल की कीमत 100 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं और भारतीय रुपया, डालर के मुकाबले रिकार्ड निचले स्तर पर आ गया। इससे मुद्रास्फीति और बाहरी संतुलन को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,097 अंक टूटा था जबकि निफ्टी में 315.45 अंक की गिरावट आई थी। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 2,368.29 अंक या 2.91 प्रतिशत गिरा और निफ्टी 728.2 अंक या 2.89 प्रतिशत गिरा था।

बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स नीचे बंद हुए

बीएसई मिड-स्माल प्राइवेट बैंक्स में 4.50 प्रतिशत, पीएसयू बैंक (3.92%), आटो (3.89%), सर्विसेज (3.37%), बैंकेक्स (3.16%), आयल एंड गैस (3.11%) और प्राइवेट बैंक्स इंडेक्स (2.89%) गिरे। बीएसई स्मालकैप इंडेक्स 2.11% और मिडकैप इंडेक्स 2.08% गिरा। एनएसई पर निफ्टी आटो 4.10%, निफ्टी पीएसयू बैंक 3.97%, प्राइवेट बैंक 2.78% व मेटल 2.60% गिरा।

तेल और पेंट कंपनियों के शेयर में भारी गिरावट

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का सबसे ज्यादा असर तेल कंपनियों और पेंट बनाने वाली कंपनियों के शेयर पर पड़ा है। बीएसई पर भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड का स्टाक 6.12 प्रतिशत, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन का 5.05 प्रतिशत और इंडियन आयल कारपोरेशन का 4.30 प्रतिशत गिरा। वहीं शालीमार पेंट्स के शेयर 4.18 प्रतिशत, इंडिगो पेंट्स के 3.83 प्रतिशत, एशियन पेंट्स के 2.75 प्रतिशत, कंसाई नेरोलैक पेंट्स के 2.09 प्रतिशत और बर्जर पेंट्स के 1.88 प्रतिशत गिरे।

> क्रूड आयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से उन सेक्टर पर असर पड़ने की उम्मीद है जहां तेल एक अहम इनपुट कास्ट है। क्रूड आयल की बढ़ती और अस्थिर कीमतों के कारण आयल मार्केटिंग कंपनियों, विमानन कंपनियों, पेंट्स और सीमेंट स्टाक पर दबाव पड़ सकता है। क्रूड आयल की ऊंची कीमतें आर्थिक वृद्धि पर असर डाल सकती है और नकदी की स्थिति खराब कर सकती हैं। **-सिद्धार्थ खेमका,** रिसर्च हेड, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेजलिमिटेड

एशियाई बाजार भी नकारात्मक दायरे में बंद हुए

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया के कास्पी और जापान का निक्केई225 नुकसान में रहे। चीन का शंघाई एसएसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग भी नकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे।

53 पैसे गिरकर नए निचले स्तर पर रुपया

मुंबई, प्रेट्र: दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को डालर के मुकाबले रुपया 53 पैसे गिरकर 92.35 के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया। मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली के बीच विदेशी फंड की निकासी ने रुपये और दबाव डाला।

कारोबार की शुरुआत में रुपया 92.22 पर खुला और थोड़ी देर के लिए 92.15 तक बढ़ा। हालांकि, आखिर में यह अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 92.35 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 53 पैसे कम था। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट अनुज चौधरी ने कहा कि कमजोर वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के चलते रुपया नए रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। हमें उम्मीद है कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बीच कमजोर वैश्विक बाजार धारणा के कारण रुपया नकारात्मक रुख के साथ ट्रेड करेगा। आरबीआइ का कोई भी दखल निचले स्तर पर रुपये को सपोर्ट कर सकता है।

दो दशकों तक आठ प्रतिशत की वृद्धि बनाए रख सकता है भारत

नई दिल्ली, एएनआइ: पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम ने भरोसा जताया है कि भारत अगले दो दशकों तक लगभग आठ प्रतिशत की औसत आर्थिक वृद्धि को बनाए रख सकता है। उन्होंने कहा कि अगर देश को अपनी दीर्घकालिक आर्थिक क्षमता का पूरी तरह से फायदा उठाना है तो नीति निर्माताओं को ऐसे लक्ष्य रखने चाहिए।

भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं के बारे में बात करते हुए सुब्रमण्यम ने कहा कि भारत के पास अब आने वाले दशकों में दुनिया की सबसे बड़ी इकोनमी में से एक के तौर पर उभरने का एक ऐतिहासिक मौका है। उन्होंने कहा कि जब वह इंटरनेट मीडिया पर ऐसे अनुमान डालते हैं तो लोग अक्सर कहते हैं कि यह बहुत ज्यादा आशावादी लगता है।

बेसिक बचत खातों में न्यूनतम बैलेंस न होने पर पेनाल्टी नहीं

- लोकसभा में वित्त मंत्री ने कहा- इनमें जनधन योजना के तहत खोले गए अकाउंट भी शामिल
- इन खाताधारक को मुफ्त में दी जाती हैं जमा, निकासी और एटीएम जैसी सुविधाएं

नई दिल्ली, प्रेट्र: पीएम जनधन स्कीम के तहत आने वाले अकाउंट समेत 72 करोड़ बेसिक सेविंग्स बैंक डिपाजिट अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस नहीं रखने पर किसी तरह का पेनाल्टी चार्ज नहीं लगेगा। लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में वित्त मंत्री निर्मला निर्मला सीतारमण ने कहा कि बैंक बेसिक सेविंग्स बैंक डिपाजिट अकाउंट में जीरो बैलेंस सेविंग अकाउंट की सुविधा देते हैं। इसमें प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए अकाउंट भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन खाताधारक को जमा, निकासी और एटीएम सुविधा जैसी सर्विस की सुविधा मुफ्त में दी जाती है।

सीतारमण ने कहा, 'प्रधानमंत्री जनधन योजना के खातों समेत करीब 72 करोड़ बेसिक सेविंग अकाउंट पर न्यूनतम बैलेंस नहीं रखने पर किसी तरह की पेनाल्टी नहीं लगती है। हालांकि, दूसरे अकाउंट के लिए बैंक अपनी बोर्ड से मंजूर पालिसी और आरबीआइ के मौजूदा निर्देशों के मुताबिक मिनिमम मंथली एवरेज बैलेंस नहीं रखने पर पेनाल्टी लगा सकते हैं।'

वित्त वर्ष 2022-25 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मिनिमम मंथली बैलेंस नहीं रखने के चलते चालू खाता और बचत खाताधारकों से 8,092.83 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं।

एफटीए से फार्मा, हेल्थकेयर को निर्यात के बड़े मौके मिलेंगे

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि पिछले चार सालों में भारत द्वारा किए गए नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से घरेलू फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र को निर्यात के बड़े मौके मिलेंगे।

भारत ने ब्रिटेन, मारिशस, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, चार देशों के समूह ईएफटीए, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात और न्यूजीलैंड के साथ एफटीए को अंतिम रूप दिया है। मारिशस, आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और ईएफटीए के साथ हुए समझौते लागू हो गए हैं, जबकि बाकी जल्द ही लागू होने की उम्मीद है। गोयल ने उद्योग को इन समझौतों का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने और एक मजबूत हेल्थकेयर इकोसिस्टम बनाने पर फोकस करने का सुझाव दिया।

ईरान संकट से उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए बढ़ सकती हैं आर्थिक चुनौतियां

- फिच ने कहा-व्यवधान लंबा चला तो वैश्विक निवेशकों की धारणा हो सकती है प्रभावित
- ऊर्जा कीमतों में वृद्धि से बढ़ेगी महंगाई, मौद्रिक नीति के फैसलों पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली, प्रेट्र: रेटिंग एजेंसी फिच ने सोमवार को कहा कि ईरान संघर्ष के कारण उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए तेल-गैस आयात, प्रवासी समुदाय की तरफ से भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा और विनिमय दर (एक्सचेंज रेट) जैसे क्षेत्रों में अतिरिक्त चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। फिच ने कहा कि ऊर्जा कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने से उन सरकारों पर वित्तीय दबाव बढ़ सकते हैं, जो उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए ईंधन पर सब्सिडी देती हैं या कीमतों में बढ़ोतरी के जवाब में ऐसी योजनाएं शुरू करती हैं।

फिच रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि यदि खाड़ी क्षेत्र से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में अपेक्षा से अधिक व्यवधान आता है तो वैश्विक निवेशकों की धारणा पर गंभीर असर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसी स्थिति में डालर मजबूत हो सकता है और खासकर उच्च जोखिम वाले उधारकर्ताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कर्ज जारी करना मुश्किल हो सकता है। फिच ने कहा, 'ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई पर भी दबाव बढ़ेगा और इससे दुनियाभर में मौद्रिक नीति के फैसलों पर असर पड़ सकता है।' रिपोर्ट के मुताबिक, तेल और गैस आयात पर इस संघर्ष का सबसे सीधा असर देखने को मिलेगा। इसकी वजह यह है कि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शुद्ध जीवाश्म ईंधन आयात सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के तीन प्रतिशत या उससे अधिक के बराबर है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल एवं गैस का परिवहन एक महीने से कम समय तक बंद रहता है और क्षेत्र के तेल उत्पादन ढांचे को बड़ा नुकसान नहीं होता है तो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की साख पर जोखिम सीमित रह सकता है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

बंगाल में 70 करोड़ के जाली नोटों के साथ दंपती समेत सात गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : नेपाल पुलिस की एक टीम ने बंगाल पुलिस की सहायता से कोलकाता के पास एक फ्लैट पर छापेमारी के दौरान राज्य के एक दंपती सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया और लगभग 70 करोड़ रुपये मूल्य की नकली मुद्रा जब्त की। रविवार को उत्तर 24 परगना जिले के बेलघरिया में कमरहाटी नगरपालिका के अंतर्गत एक अपार्टमेंट में छापा मारा गया, जहां दीपा धर और उसका पति अरिंदम वहां रह रहा था। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक नेपाली नागरिक भी शामिल है। जांचकर्ताओं ने बताया कि तलाशी के दौरान लोहे के बक्सों से लगभग 70 करोड़ रुपये मूल्य के जाली नोट बरामद किए गए। फ्लैट से 12 मोबाइल फोन और एक लग्जरी कार भी जब्त की गई। इलाके की निवासी दीपा ने कुछ साल पहले दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में हरिणावी के अरिंदम से शादी की थी।

उच्च रिटर्न का वादा कर व्यापारियों को लुभाते थे

जांचकर्ताओं ने बताया कि दंपती ने कथित तौर पर वीडियो काल के माध्यम से व्यापारियों से संपर्क किया, उन्हें नकली मुद्रा के ढेर दिखाए और उन्हें उन योजनाओं में पैसा निवेश करने के लिए राजी किया, जो असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करती थीं। जांचकर्ताओं ने बताया कि यह गिरोह एक बड़े अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है।

वायुसेना-थलसेना के संयुक्त अभ्यास में दिखाई मारक क्षमता

संवाद सहयोगी, जागरण टिहरी : उत्तराखंड के टिहरी झील क्षेत्र में रविवार को भारतीय वायुसेना (आइएएफ) और भारतीय सेना ने संयुक्त पैराड्राप अभ्यास कर अपनी परिचालन व मारक क्षमता और आपसी तालमेल का प्रदर्शन किया। वायुसेना के विमानों से कमांडो ने काम्बैट फ्री-फाल और स्टेटिक लाइन पैराड्राप कर रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया।

रविवार को टिहरी झील क्षेत्र में यह संयुक्त अभ्यास किया गया, जिसमें सेना और वायुसेना के विशेष दस्तों ने भाग लिया। अभ्यास का उद्देश्य कठिन परिस्थितियों में भी दोनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और त्वरित कार्रवाई की क्षमता को परखना था।

सहेलियों की आत्महत्या पर मस्क ने कहा 'यीक्स'

- दोनों ने चैट जीपीटी पर खोजी थी आत्महत्या करने के तरीके
- इंटरनेट मीडिया पर एआइ के इस्तेमाल पर बहस हो गई है तेज

सूरत, जेएनएन : गुजरात के सूरत में दो सहेलियों की आत्महत्या का मामला भले तीन दिन पुराना हो, लेकिन अब यह फिर चर्चा में आ गया है। इसकी वजह दुनिया के मशहूर प्रौद्योगिकी उद्यमी एलन मस्क की प्रतिक्रिया है। उन्होंने इस घटना पर इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर यीक्स लिखकर प्रतिक्रिया दी। 'यीक्स' शब्द का प्रयोग आम तौर पर तब किया जाता है जब कोई व्यक्ति किसी खबर को सुनकर चौंक जाए या असहज महसूस करे। उनकी इस संक्षिप्त प्रतिक्रिया के बाद यह मामला एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया है।

दुनिया के मशहूर प्रौद्योगिकी उद्यमी एलन मस्क। • आर्काइव

दरअसल, सूरत में दो युवतियां मंदिर के बाथरूम में बेहोशी की हालत में मिली थीं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान पुलिस को संदेह हुआ कि आत्महत्या से पहले दोनों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबाट चैट जीपीटी पर आत्महत्या से जुड़ी जानकारी खोजी थी। इस घटना के सामने आने के बाद इंटरनेट मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल और उसकी जिम्मेदारी को लेकर बहस तेज हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक अत्यंत शक्तिशाली तकनीक है, जिसका सही इस्तेमाल समाज के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। लेकिन यदि इसका दुरुपयोग हो तो इसके गंभीर परिणाम भी सामने आ सकते हैं।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर किन परिस्थितियों में दोनों युवतियों ने इतना बड़ा कदम उठाया। यदि आप या आपका कोई परिचित मानसिक तनाव या आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा है, तो मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों या परामर्श सेवाओं से संपर्क करना बेहद आवश्यक है। समय पर मिली सहायता जीवन बचा सकती है।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता ज्वाला अपने शावकों के साथ। • वीडियोग्रैब।

कूनो में नामीबियाई चीता ज्वाला ने पांच शावकों को दिया जन्म

नईदुनिया प्रतिनिधि, श्योपुर : मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में सोमवार को मादा चीता ज्वाला ने तीसरी बार शावकों को जन्म दिया है। इस बार उसने पांच शावकों को जन्म दिया। इसके साथ ही देश में चीतों की संख्या 53 पर पहुंच गई है। बता दें कि भारत में प्रोजेक्ट चीता के तहत अफ्रीकी देश नामीबिया से लाकर सितंबर 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कूनो नेशनल पार्क में छोड़े गए आठ चीतों में मादा चीता ज्वाला भी शामिल थी। उस समय उसका नाम सियाया था, जिसे बाद में ज्वाला नाम दिया गया।

ज्वाला ने पहली बार मार्च 2023 में चार शावकों को जन्म दिया था, हालांकि उनमें से एक शावक ही जीवित बच पाया। इसके बाद जनवरी 2024 में उसने दूसरी बार तीन शावकों को जन्म दिया था। कूनो के अधिकारियों के अनुसार, इस बार ज्वाला का प्रसव पार्क के खुले जंगल में हुआ है, जो इस बात का संकेत है कि चीते अब कूनो के वातावरण में पूरी तरह अनुकूल हो चुके हैं। ज्वाला और उसके सभी नवजात शावक पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। कूनो में ज्वाला चीता के तीसरी बार मां बनने पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक्स हैंडल पर पोस्ट में कहा कि अब चीतों ने देश में अर्धशतक पार कर लिया है।

देश में जन्मे 45 चीते, 33 जीवित

बता दें कि अब तक कूनो में 45 शावकों का जन्म हुआ है, जिनमें से 33 जीवित हैं। कूनो में चीतों का लगातार सफल प्रजनन प्रोजेक्ट चीता के भविष्य के लिए बेहद सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। कूनो के बाद अब मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित गांधीसागर अभयारण्य को चीतों के दूसरे घर के रूप में विकसित किया गया है। यहां तीन चीते छोड़े गए हैं।

आंतों में मौजूद सूक्ष्मजीवों और आपके दिल के बीच बेहद करीबी रिश्ता

अनुसंधान

हृदय रोग विश्व स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। धूमपान, उच्च रक्तचाप, मोटापा और मधुमेह जैसे कारक जोखिम कारक माने जाते हैं। लेकिन शोधकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि हमारी आंत (गट) में सूक्ष्मजीवों (माइक्रोब्स) का संतुलन इन जोखिमों के विकास और हृदय रोग की प्रगति को प्रभावित कर सकता है। इस संबंध को "गट-हार्ट एक्सिस" कहा जाता है। यह समझाने में मदद कर सकता है कि आहार और हृदय रोग इतने घनिष्ठ रूप से क्यों जुड़े हुए हैं। दरअसल, गट (आंत) माइक्रोबायोम पाचन और इम्यून सिस्टम से लेकर मेटाबोलिक संतुलन और न्यूरोलाजिकल प्रोसेस तक, स्वास्थ्य के कई पहलुओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कई बीमारियों का संबंध माइक्रोबायोम की संरचना में बदलाव से भी जोड़ा गया है, जिनमें सूजन आंत्र रोग, कोलोरेक्टल कैंसर, मोटापा और मानसिक स्वास्थ्य विकार शामिल हैं। जैसे-जैसे आंत के सूक्ष्मजीवों और बीमारियों के बीच संबंध मजबूत होते जा रहे हैं, विज्ञानी अब आंत और हृदय के बीच संबंध का अध्ययन कर रहे हैं। बड़े अध्ययनों से पता चलता है कि हृदय रोग से पीड़ित लोगों में स्वस्थ लोगों की तुलना में आंत के माइक्रोबायोम की विशिष्ट प्रोफाइल होती है। हालांकि किसी एक "हृदय रोग सूक्ष्मजीव" की खोज नहीं हुई है, लेकिन हृदय रोग लगातार कुछ प्रमुख कारकों से जुड़ा हुआ है। इनमें सूक्ष्मजीवों की विविधता में कमी, लाभकारी बैक्टीरिया का नुकसान और सूजन से जुड़े सूक्ष्मजीवों की अत्यधिक वृद्धि शामिल है। सूक्ष्मजीव विविधता से तात्पर्य आंत में रहने वाले विभिन्न सूक्ष्मजीवों की विविधता और संतुलन से है। (द कन्वर्सेशन)

एटीएम धोखाधड़ी मामले में बुजुर्ग महिला को बैंक देगा पांच लाख मुआवजा

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई की एक 65 वर्षीय गृहिणी ने अपने मकान की बिक्री से मिले पैसे सुरक्षित रखने के लिए बैंक आफ इंडिया में खाता खोला था। कुछ समय बाद उन्हें पता चला कि उनके खाते से एटीएम के जरिए करीब 12.47 लाख रुपये की निकासी हो चुकी है। महिला ने बैंक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत की। महाराष्ट्र राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने बैंक को महिला को पांच लाख रुपये मुआवजा और 25 हजार रुपये मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया।

कर चोरी रोकने के लिए तलाशी और जब्ती संबंधी आयकर प्रविधान जरूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने आयकर अधिनियम की धारा 132 के तहत अधिकारियों को दी गई तलाशी और जब्ती की शक्तियों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया है। सोमवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कर चोरी रोकने के लिए ऐसे प्रविधान आवश्यक हैं।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि ये प्रविधान 'बड़े कर चोरों' से निपटने के लिए बनाए गए हैं। सीजेआइ ने टिप्पणी की, "शुरुआत में ये प्रावधान भले ही कठोर लगें, लेकिन इन्हें बड़ी मछलियों को पकड़ने के लिए बनाया गया है।" कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े के उस तर्क को खारिज कर दिया जिसमें इस धारा को असंवैधानिक बताया गया था। कोर्ट का मानना है कि ये शक्तियां अनियंत्रित नहीं हैं और समय के साथ इन्हें व्यवस्थित किया गया है। याचिकाकर्ता की मुख्य चिंता यह थी कि आयकर अधिकारियों को तलाशी के कारणों को उजागर करने से छूट मिली हुई है, जिससे इसके दुरुपयोग की संभावना रहती है।

सेवानिवृत्त जज डिजिटल अरेस्ट एक करोड़ से अधिक की ठगी

हैदराबाद, प्रेट्र : साइबर अपराधियों ने सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश को भी नहीं बख्शा। उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर उनसे एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की। पुलिस ने बताया कि साइबर अपराधियों ने एक सप्ताह पहले 69 वर्षीय सेवानिवृत्त न्यायाधीश को धमकाया और दावा किया कि उनका मोबाइल नंबर महिला तस्करी और अन्य अपराधों में शामिल पाया गया है।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित, जो मलकाजगिरी के निवासी हैं, ने उन्हें एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर कर दी। धोखाधड़ी का पता चलने पर उन्होंने तीन दिन पहले शिकायत दर्ज कराई। यह पूछे जाने पर कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश होने के बावजूद पीड़ित के साथ धोखाधड़ी कैसे हुई, पुलिस ने कहा कि पीड़ित आमतौर पर धोखेबाजों की धमकियों से डर जाते हैं। साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट के दौरान अपने आपको अधिकारी के रूप में पेश करते हैं। वे लोगों को अवैध गतिविधियों में शामिल होने का झूठा आरोप लगाकर डराते हैं और फिर उनसे पैसे ठग लेते हैं।

तेज करनी होगी वास्तविक अर्थव्यवस्था से शिक्षा व्यवस्था को जोड़ने की प्रक्रिया

- प्रधानमंत्री बोले - जनआकांक्षाओं की पूर्ति सरकार का संकल्प, यही है बजट का मूल ध्येय
- बजट वेबिनार में कौशल, स्वास्थ्य पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्रों पर दिया विशेष जोर

नरेन्द्र मोदी • जागरण आर्काइव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्रीय बजट की घोषणाओं पर अमल के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और हितधारकों के साथ बजट वेबिनार में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति को मूलभूत सेक्टर बताते हुए इनके विविध आयामों और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। वेबिनार के विषय "जनआकांक्षाओं की पूर्ति" को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि यह सरकार का संकल्प है और इस बजट का मूल ध्येय है। मोदी ने नीतियों के व्यावहारिक पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि हमें शिक्षा व्यवस्था को वास्तविक अर्थव्यवस्था (रीयल वर्ल्ड इकोनामी) से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश का स्वास्थ्य ढांचा मजबूत हुआ है। सैकड़ों जिलों में नए-नए मेडिकल कालेज खुल गए हैं। आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच गांव-गांव तक बढ़ाई गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में लाखों युवाओं के लिए नए कौशल आधारित रोजगार के अवसर तैयार हो रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों से नए ट्रेनिंग माडल और पार्टनरशिप विकसित करने के सुझाव मांगे गए ताकि देश में ट्रेनिंग ईकोसिस्टम और अधिक मजबूत हो सके। टेली-मेडिसिन को भी इससे जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में दूरदराज के लोग इसका लाभ उठा रहे हैं और इसमें जागरूकता और सहजता बढ़ाने की बहुत जरूरत है। मोदी ने दावा किया कि पिछले एक दशक में देश के माइंडसेट में एक बड़ा परिवर्तन आया है। आज गांव, कस्बे और शहर की सीमाओं से परे भारत का हर युवा कुछ नया करना चाहता है। नई पीढ़ी का ये नया माइंडसेट देश की सबसे बड़ी ताकत और उज्जवल भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। नई शिक्षा नीति ने इसके लिए जरूरी आधार तैयार कर दिया है। एआइ, आटोमेशन, डिजिटल इकोनामी और डिजाइन आधारित विनिर्माण जैसे विषयों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना होगा।

कम आयु के खिलाड़ियों को पहचान कर उन्हें तराशना होगा

खेलों के महत्व को रेखांकित करते हुए मोदी ने कहा कि युवा शक्ति तभी राष्ट्रीय शक्ति बनती है, जब वह स्वस्थ, अनुशासित और आत्मविश्वास से भरी हो। इसीलिए पिछले कुछ वर्षों में खेलों को राष्ट्रीय विकास की एक महत्वपूर्ण धारा के रूप में देखा गया है। खेलो इंडिया जैसी पहलों ने देश में स्पोर्ट्स ईकोसिस्टम को नई ऊर्जा दी है। अब इस पर चर्चा होनी चाहिए कि छोटी-छोटी जगहों से भी प्रतिभाओं की पहचान को और सटीक कैसे किया जाए।

T20 2026 आइसीसी विश्व कप

www.jagran.com

विश्व विजेता

टी-20 विश्व कप के बराबर ही प्रतिष्ठित होगा ओलिंपिक पदक जीतना : गंभीर

सुपर एक्सक्लूसिव इंटरव्यू

दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मेजबान भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी-20 विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। यह भारत का लगातार दूसरा और कुल तीसरा टी-20 विश्व कप खिताब है। फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। इस सफलता के पीछे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की अहम भूमिका भी रही। वह दो आइसीसी ट्राफी दिलाने वाले पहले भारतीय कोच बन गए हैं। गंभीर ने पहले खिलाड़ी के रूप में भी आइसीसी ट्राफी जीती थी और अब कोच के तौर पिछले साल टीम को चैंपियंस ट्राफी व अब टी-20 विश्व कप दिलाया। कोच के तौर पर उनका कार्यकाल 2027 वनडे विश्व कप तक है। उन्होंने यह जरूर कहा कि वह 2028 तक का नहीं सोच रहे लेकिन उन्होंने ओलिंपिक पदक को टी-20 विश्व कप से बड़ा बता जरूर बताया है। इस खास मौके पर **अभिषेक त्रिपाठी ने गौतम गंभीर से खास बातचीत की।** पेश हैं बातचीत के प्रमुख अंश।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ● शुभम मंडल

- कोच बोले, 20 टीम में ऐसा कोई खिलाड़ी नहीं, जिसने पिछले डेढ़-दो साल में अपने माइलस्टोन के लिए क्रिकेट खेला हो
- हमारे यहां बहुत समय तक माइलस्टोन प्रशंसा की जाती है, तभी हमें इतना समय लगता है ट्राफी जीतने में
- जब हम टी-20 में इतना अच्छा खेल सकते हैं तो 50 ओवर में भी उसी तरह से क्रिकेट खेलनी चाहिए
- स्पिन खेलने में आ रही दिक्कत पर, अगर आप पाटा विकेट पर खेलोगे तो टर्निंग विकेट पर खेलने में दिक्कत तो आएगी ही
- मेरे कार्यकाल में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज छोड़कर किसी टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी का समय ही नहीं मिल पाया
- आने वाले समय में हम हर टेस्ट सीरीज से पहले कैंप में सात से आठ दिन की तैयारी कर सकेंगे
- कई बार डांटो भी, कई बार प्यार भी करो, कई बार कंधे पर हाथ भी रखो और कई बार मजाक भी करो
- न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद मुझे किसी ने भी फोन किया तो वह जय शाह जी ने ही किया था, मैं उसको कभी नहीं भूलूंगा

● आपका कार्यकाल वनडे विश्व कप 2027 तक है और आपने दो आइसीसी ट्राफी जीत ली है। 2028 में ओलिंपिक में पहली बार क्रिकेट भी होगा। आपके दिमाग में यह बात चल रही है कि ऐसा कोच बनो, जिसके पास आइसीसी ट्राफी के साथ ओलिंपिक पदक भी हो?

-खेलते हुए भी मैंने कभी इतनी दूर तक का नहीं सोचा है। यह अभी बहुत दूर है। मेरे लिए हर सीरीज महत्व रखती है। जब तक अच्छा कर पाऊंगा, तब तक करूंगा। अगली सीरीज अफगानिस्तान से है फिर श्रीलंका दौरे पर जाएंगे। उसी पर पूरा फोकस होगा। सच बताऊं तो मैंने वनडे विश्व कप के बारे में भी नहीं सोचा है। उसके लिए अभी डेढ़ साल है। उसके बाद ओलिंपिक होना है। मुझे बेहतर कोई इंसान होगा जो भारतीय टीम को जीता सकेगा तो उसको कोचिंग करनी चाहिए। अगर मैं बेहतर हूं तो मुझे करना चाहिए।

● व्यक्तिगत तौर पर देखा जाए तो ओलिंपिक पदक काफी मायने रखता है। आपको क्या लगता है?

-मुझे लगता है कि ओलिंपिक पदक टी-20 विश्व कप जितना ही महत्वपूर्ण है। शायद उससे भी बड़ा। मेरा मानना है कि ओलिंपिक में पूरी दुनिया हिस्सा लेती है और टी-20 में 20 टीमें हिस्सा लेती हैं लेकिन ओलिंपिक में उतना ही सम्मान है, जितना विश्व कप जीतना।

● टेस्ट व टी-20 टीम में बदलाव हो चुके हैं। नए लड़कों ने सीनियर की जगह भर दी है। अब आप वनडे विश्व कप को लेकर टीम को कैसे देखते हैं?

-अभी दो से तीन महीने हैं। ऐसा तो नहीं है कि हम तुरंत किसी बारे में सोचना है। अभी वनडे विश्व कप के लिए डेढ़ साल है। आइपीएल खत्म होने वाला होगा तब मुख्य कोच, मुख्य चयनकर्ता बैठकर बात करेंगे कि किस तरह पर कौन सा संयोजन बनाना है और किस संयोजन के साथ दक्षिण अफ्रीका में खेलना है, क्योंकि वहां की परिस्थितियां भारत जैसी नहीं रहने वाली हैं। दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियां भारत से बहुत अलग होंगी। क्या अंतिम एकादश और क्या संयोजन होना चाहिए, उसके हिसाब से टीम तैयार करेंगे। सच्चाई यही है कि हम ज्यादा वनडे नहीं खेलते हैं। अगले वनडे विश्व कप से पहले 25 से 30 वनडे होंगे। उस 30 वनडे में हमको विश्व कप की तैयारी करनी है। कुछ टूर्नामेंट में तीन वनडे होंगे, कुछ में ही पांच मैच होंगे। टी-20 में हम आइपीएल भी खेलते हैं और उसके अलावा तीन-तीन और पांच-पांच मैच की सीरीज भी खेलते हैं। अगर वनडे सीरीज उठाकर देखेंगे तो बहुत कम ही सीरीज होती हैं जिसमें पांच मैच होते हैं। जो भी तैयारी करनी है वह आइपीएल के खत्म होने के बाद से शुरू होगी।

● विश्व कप जीतने के बाद आपने प्रेस कान्फ्रेंस में व्यक्तिगत माइलस्टोन की बात की। पहले भी आप कई बार व्यक्तिगत माइलस्टोन की बात कर चुके हैं तो ऐसे में कोई टीम सदस्य माइलस्टोन के लिए खेलता है तो बतौर कोच आपका खून खौलता है?

-मुझे नहीं लगता है कि टी-20 टीम में ऐसा कोई खिलाड़ी है जिसने पिछले डेढ़-दो साल में माइलस्टोन के लिए क्रिकेट खेला हो। अगर खेला होता तो शायद बहुत खिलाड़ियों ने शतक बनाए होते और उससे भी ज्यादा रन बनाए होते। आप देख सकते हैं कि जब वे माइलस्टोन के पास होते हैं तो किस तरह की बल्लेबाजी करते हैं। इशान किशन ने भी तिरुअनंतपुरम में 100 बनाया तो छक्का मारकर बनाया। आप किसी को भी उठाकर देख लीजिए। मैंने प्रेस कान्फ्रेंस में बोला था कि आप माइलस्टोन के पास होते हैं तो आप तीन या चार गेंदें कैसे खेलते हैं तो तय करता है कि आप बड़े टूर्नामेंट जीतोगे या नहीं। क्योंकि अगर आप इस प्रक्रिया में तीन गेंदें लेते हो और 100 रन बनाने के लिए और उन तीन गेंदों में छक्के मार सकते हो तो आप टीम के 15 रन कम करते हो। यही 15 रन हार और जीत में अंतर लाता है। मेरा मानना है कि माइलस्टोन से ज्यादा टीम को जिताना महत्वपूर्ण होना चाहिए। हम ड्रेसिंग रूम में माइलस्टोन पर बात भी नहीं करना चाहते हैं। हमारा सिंपल एजेंडा है कि हम हर गेंद पर कितना प्रभाव डालते हैं। हमारे यहां बहुत समय तक माइलस्टोन प्रशंसा की जाती है, तभी हमें इतना समय लगता है ट्राफी जीतने में।

● वनडे विश्व कप में भी यह फार्मूला लागू होगा?

-मेरी विचारधारा साफ है कि व्यक्तिगत माइलस्टोन से ज्यादा टीम महत्वपूर्ण है। अगर टी-20 में 20 ओवर में 275 रन बना सकते हैं तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि अगर उसी तरह से 50 ओवर का प्रारूप खेलते हैं तो किस तरह की बल्लेबाजी करनी होगी। जिसमें पांच खिलाड़ी 30 गज के अंदर रहते हैं। जब हम टी-20 में इतना अच्छा खेल सकते हैं तो 50 ओवर में भी उसी तरह से क्रिकेट खेलनी चाहिए।

पत्नी और बच्चों के साथ गौतम गंभीर ● शुभम मंडल

● बचपन में आपने खिलाड़ी बनने का सपना देखा होगा। लेकिन कोच बनने के बारे में सोचा था? खिलाड़ी होते समय यात्रा करना आसान है लेकिन कोच के समय परिवार से दूर रहना कितना कठिन है?

-बतौर खिलाड़ी आप युवा होते हो। परिवार में सिर्फ मम्मी-पापा, भाई और बहन होते हैं। उस समय कुछ बनने के सपने होते हैं। जिंदगी में बहुत कुछ हासिल करना चाहते हैं तो त्याग करना आसान होता है। लेकिन बतौर कोच की बात करें तो आपकी पत्नी होती है, बच्चे होते हैं। जो क्रिकेट खेला होता है उसकी पहली पसंद कोच बनना नहीं होता है। उसकी प्राथमिकता खिलाड़ी बनना ही होता है। जब आप खेलने शुरू करते हैं तो आपकी प्राथमिकता बतौर खिलाड़ी ट्राफी जीतना चाहते हैं और देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं और जब आप संन्यास ले लेते हैं तब आप सोचते हैं कमेंट्री में जाना है या कोचिंग में जाना है। बतौर कोच परिवार से दूर रहना काफी कठिन होता है।

● स्पिन खेलने में भारतीय खिलाड़ियों को दिक्कत क्यों आ रही है?

-ऐसा तो है नहीं कि आप पूरे साल एक विकेट पर खेलें और अचानक स्पिन होने लगे तो उसके हिसाब से आप ढल जाओ। पहले के खिलाड़ी प्रैक्टिस भी करते थे तो टर्निंग ट्रैक पर करते थे। आज अगर आप देखो तो हमारी नेट विकेट भी इतनी पाटा होती है कि जैसे टी-20 की विकेट हो। अगर आप पाटा विकेट पर खेलोगे तो टर्निंग विकेट पर खेलने में दिक्कत तो आएगी ही। इसलिए मेरा मानना है कि सबसे महत्वपूर्ण किस तरह की तैयारी करते हैं, विशेषकर टेस्ट मैचों में। पिछले दिनों जो दो टेस्ट सीरीज हमने खेली हैं, उस बारे में किसी ने बात नहीं की और उसके बारे में कोई बात भी नहीं करेगा। हम एशिया कप के दो दिन बाद विंडीज के विरुद्ध टेस्ट मैच खेल रहे थे। हमको दो दिन तैयारी के लिए मिले। हम आस्ट्रेलिया से आए तो तीन दिन बाद दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज थी। आप जब सफेद गेंद से लाल गेंद में आते हैं तो कम से कम सात से आठ दिन का कैंप होना चाहिए, जहां हम टर्निंग ट्रैक पर खेल सकें। अगर वह नहीं करेंगे तो लाल गेंद में जूझते रहेंगे। आगे आने वाले समय में अच्छी चीज होने वाली है कि हम हर टेस्ट सीरीज से पहले सात से आठ दिन की तैयारी कर सकें। मेरे कार्यकाल में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड छोड़ कर किसी सीरीज के लिए समय ही नहीं मिल पाया है कि हम तैयारी कर पाए।

● टीम का कार्यक्रम बनाने से पहले कोच से बात करनी चाहिए?

-सफेद गेंद में उतना मायने नहीं करता है। वैसे ही सफेद गेंद का क्रिकेट हम ज्यादा खेलते हैं। टी-20 के बाद वनडे सीरीज में खेलने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन सफेद गेंद से लाल गेंद में आना बहुत फर्क है। इसमें आपको अलग माइंडसेट चाहिए और अलग जोन में आना जरूरी है। अगर हमको दो-दो, तीन-तीन दिन का समय मिलेगा तो कई बार कोच के अलावा खिलाड़ी के लिए भी सही नहीं है।

● रिंकू के पिता का देहांत हो गया और फाइनल से पहले इशान की चचेरी बहन का निधन हो गया। अभिषेक की तबियत खराब हो गई। बतौर कोच इसे आप कैसे संभालते हैं?

-ड्रेसिंग रूम में लड़के मेरे बारे में क्या सोचते हैं और मैं लड़कों से क्या बात करता हूं, यह मेरे और लड़कों के बीच में है। मेरे बारे में वे लोग क्या सोचते हैं जो मुझसे कभी मिले नहीं हैं, उससे फर्क नहीं पड़ता। सच्चाई यह है कि उन खिलाड़ियों से क्या बात करता हूं और उनके लिए मेरा क्या इमोशन है, वह मेरे और खिलाड़ी के बीच में रहना चाहिए। हर चीज में कैमरे में कैद नहीं करवाना चाहता हूं।

● अभिषेक फार्म में नहीं थे तो बस में आप उनको समझा रहे थे। एयरपोर्ट पर बुमराह से बात कर रहे थे। इस बारे में आप कुछ बताएंगे?

-मेरा लड़कों के साथ बहुत ही इनफार्मल रिलेशन हैं। जरूरी नहीं है कि मीटिंग में ही बातें की जाएं। बहुत ऐसी जगह हैं, जहां क्रिकेट की बात की जा सके। छोटी-छोटी चीजों के बारे में बात की जा सकें। शायद यही कारण है कि इस टीम का माहौल देखोगे तो फार्मेलिटी नहीं है। जितना फार्मेलिटी रखोगे उतना ही आप खिलाड़ियों को बांधते जाते हो। कोच और खिलाड़ियों के बीच में इनफार्मल रिलेशन होना चाहिए। जहां कई बार डांटो भी, कई बार प्यार भी करो, कई बार कंधे पर हाथ भी रखो और कई बार मजाक भी करो। ऐसा रिश्ता मेरा लड़कों के साथ है। तभी अलग-अलग जगहों पर क्रिकेट की बातें होते रहती हैं।

● आपकी आइसीसी चेयरमैन जय शाह और मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर के साथ कैसी बांडिंग है?

-अच्छी चीज है कि हम एक साथ खेले हैं। जब आप एक साथ, एक जगह खेले होते हैं, ड्रेसिंग रूम शेयर किए होते हैं तो चीजें आसान होती चली जाती है। आप एक दूसरे की विचारधारा को जानते भी हैं। जहां तक पूर्व बीसीसीआइ सचिव जय शाह की बात है तो न्यूजीलैंड और द. अफ्रीका से टेस्ट में हार के बाद मुझे किसी ने भी फोन किया तो वह जय शाह जी ने ही किया था और उनको पता था कि मैं उस समय कितना परेशान होऊंगा। ऐसे समय में अगर आपको कोई फोन करता है तो आप उन बातों को कभी भूलते नहीं हैं। दूसरी चीज जिस समय मुझे इस पद का प्रस्ताव मिला तब तक मैंने कभी, कहीं कोचिंग नहीं की थी। मै किसी फ्रेंचाइजी का हेड कोच नहीं था। तीन साल मेंटर जरूर था और उसके बाद बावजूद भारतीय टीम के तीनों प्रारूप के कोच की जिम्मेदारी मिली। यह विश्वास ही है। जय शाह ने भारतीय क्रिकेट के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है। मेरे खराब समय में उनका साथ मिला मैं उसके लिए शुक्रगुजार हूं।

Supreme FURNITURE
Ocean
Enquiry: 98830 19814
Helpline: 1800 3099 111

खेल डायरी

स्विस ओपन में हिस्सा नहीं लेंगी पीवी सिंधू

बासेल, प्रेट्र : दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी, जबकि एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधू तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैंपियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा कि वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थीं। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा। भारत लौटने के बाद सिंधू ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के जरिये ही वापसी करेंगी। पुरुष सिंगल्स में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे।

राधामणि और साहिल फ्यूचर्स कप में जीते

बैंकाक, प्रेट्र : भारत की युवा मुक्केबाजी टीम के लिए सोमवार को विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में मिलाजुला दिन रहा जब राधामणि लोंगजाम और साहिल दुहान ने जीत हासिल की लेकिन उधम सिंह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में राधामणि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की अपनी विरोधी को हराया और तीसरे दौर में रैफरी के मुकाबला रोकने (आरएससी) पर जीत दर्ज की। पुरुषों के वर्ग में साहिल (60 किग्रा) ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तुर्कमेनिस्तान के मुक्केबाज को 5-0 के एकमत फैसले से हराकर शानदार जीत हासिल की। हालांकि उधम सिंह (55 किग्रा) को कड़ी टक्कर देने के बावजूद जापान के प्रतिद्वंद्वी विरुद्ध कड़े मुकाबले में 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

भांबरी और गोरांसन प्री-क्वार्टर फाइनल में

इंडियन वेल्स, प्रेट्र : भारत के शीर्ष डबल्स खिलाड़ी युकी भांबरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार आंद्रे गोरांसन ने इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस में डेविड पेल और फैब्रिस मार्टिन की जोड़ी के विरुद्ध सीधे सेटों में आसान जीत के साथ अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की की। भारत और स्वीडन की गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी ने एटीपी 1000 टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस और नीदरलैंड्स की जोड़ी की सर्विस को पांच बार तोड़ते हुए 6-1 6-3 से आसान जीत दर्ज की। भांबरी और गोरांसन ने अपने प्रतिद्वंद्वियों के तीन ऐस के मुकाबले पांच ऐस लगाए। पेल और मार्टिन ने 66 मिनट के इस मुकाबले में छह डबल फाल्ट किए। भांबरी और गोरांसन का सामना अब सैंडर एरेंड्स और जिरी लेहेका की अनुभवी जोड़ी से होगा, जिन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त ब्रिटेन की जूलियन कैश और लायड ग्लासपूल की जोड़ी को हराया था। भांबरी 2026 सत्र के पहले मास्टर स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

दो कदम गौतम भाई, दो मैंने बढ़ाए तो बीच का रास्ता निकाला : सूर्य

अहमदाबाद, प्रेट्र: राहुल द्रविड़ के भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद तत्कालीन कप्तान रोहित शर्मा ने बताया था कि कैसे उनकी पत्नी इस दिग्गज को उनकी 'काम के स्थल वाली पत्नी' मानती थी। अब जब कोई उनके टी-20 उत्तराधिकारी सूर्यकुमार यादव को मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर के बारे में बात करते हुए देखता है तो यह समीकरण उतना ही सहज और आपसी भरोसे तथा सम्मान पर बना हुआ लगता है, जितना रोहित और द्रविड़ के बीच था।

भारत के टी-20 विश्व कप विजेता बनने के बाद जब सूर्यकुमार से गंभीर के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैंने गौतम भाई के साथ चार साल (कोलकाता नाइट राइडर्स में) क्रिकेट खेला है। और मुझे पता था कि वह कैसे सोचते हैं। ऐसे में उन्होंने दो कदम उठाए और दो कदम मैंने उठाए तो हर बार बीच का रास्ता निकला। सूर्यकुमार ने कहा कि इन दो वर्षों में दोनों के बीच कभी कोई बहस नहीं हुई और उन्होंने एक आदर्श एकादश तय करने के लिए कभी रातों की नींद नहीं गंवाई। सूर्यकुमार ने कहा कि जब से हमने साथ काम करना शुरू किया और हम श्रीलंका गए थे, तब से लेकर अब तक मुझे याद नहीं कि कभी किसी खिलाड़ी को लेकर हमारी बहस हुई हो।

कप्तान ने कहा कि हम बात करते हैं कि हमें किसी खास खिलाड़ी को खिलाना चाहिए या नहीं। हम दोनों हमेशा टीम को जिताने में दिलचस्पी रखते हैं। हम सोचते हैं कि किसी खिलाड़ी को ऐसी स्थिति में कैसे रख सकते हैं, जिससे टीम को फायदा हो सके। कई बार हमने टीम के बारे में एकादश या 15 खिलाड़ियों के बारे में बात की है कि हमें किसे चुनना है और 14 खिलाड़ी हमेशा एक जैसे रहे हैं।

भारत के टी-20 विश्व कप जीतने के बाद सोमवार को अहमदाबाद के निकट अडालज बावड़ी में ट्राफी के साथ विशेष फोटोशूट कराते कप्तान सूर्यकुमार यादव ● आइसीसी

इशान से सूर्य ने पूछा था, विश्व कप जिताएगा?

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जब भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह की पुष्टि करने के लिए इशान किशन को फोन किया था तो उनके पास इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज से पूछने के लिए बस एक ही सवाल था कि क्या वह 'विश्व कप जिताएगा? इशान ने इसका जवाब एक सवाल से देते हुए सूर्यकुमार को कहा, ''भरोसा करोगे? यह बातचीत सूर्यकुमार के 'हां' में जवाब देने के साथ खत्म हुई थी। इशान ने अब इसके बारे में सभी को बताया।

अर्शदीप ने गंभीर से कहा- 'पाजी, कदि हस वि लेया करो'

भारतीय क्रिकेट टीम के इंटरनेट मीडिया स्टार अर्शदीप सिंह ने टी-20 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर को और मुस्कुराने के लिए चिढ़ाया, संजू सैमसन से पूछा कि क्या उनके साथ आखिरकार न्याय हुआ है। अर्शदीप की वीडियो में गंभीर, सैमसन, अभिषेक, बुमराह, सिराज, अक्षर और सूर्यकुमार नजर आ रहे हैं। अर्शदीप पहले से ही मुस्कुरा रहे गंभीर को थोड़ा और हंसने के लिए एक मशहूर बालीवुड कामेडी फिल्म के डायलाग बोलते हुए कह रहे हैं कि ''पाजी, कदि हस वि लेया करो।'' इस पर गंभीर ने जवाब दिया है, ''सिंह इज किंग।''

गावस्कर ने की संजू सैमसन की सराहना

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने संजू सैमसन की जमकर सराहना करते हुए कहा कि भारत की ऐतिहासिक टी-20 विश्व कप खिताबी जीत के दौरान सेमीफाइनल और फाइनल सहित लगातार तीन मैच में अर्धशतक जड़कर उन्होंने सामान्य खिलाड़ी से इस टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सफर तय किया।

धोनी को अच्छी लगती है गंभीर की मुस्कान

भारत की खिताबी जीत ने लगभग दो साल बाद महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को इंटरनेट मीडिया पर फिर से सक्रिय कर दिया और उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा आप सभी को खेलते हुए देखकर बहुत खुशी हुई। कोच साहब आपकी मुस्कान बहुत अच्छी लग रही है। मुस्कुराहट के साथ जज्बा शानदार है। धोनी ने इंस्टाग्राम पर पिछला पोस्ट 2024 में किया था।

फोन की मरम्मत से स्पाट फिक्सिंग का पता चला था : अब्दुल रज्जाक

2010 में लार्ड्स में स्पाट-फिक्सिंग के पूर्व पाक आलराउंडर ने खोले राज, कहा- अफरीदी ने आमिर को जड़ा था थप्पड़

कराची, प्रेट्र: पाकिस्तान के पूर्व आलराउंडर और वर्तमान राष्ट्रीय चयनकर्ता अब्दुल रज्जाक ने बताया कि 2010 के स्पाट-फिक्सिंग कांड की जानकारी टीम प्रबंधन के सामने इंग्लैंड दौरे के दौरान ही आ गयी थी। रज्जाक ने यह भी बताया कि तत्कालीन कप्तान शाहिद अफरीदी ने इस फिक्सिंग में शामिल होने से इन्कार करने पर तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर को थप्पड़ भी जड़ा था।

रज्जाक ने पाकिस्तान के एक टेलीविजन कार्यक्रम में बताया कि 2010 के लार्ड्स टेस्ट में हुई फिक्सिंग की साजिश का पर्दाफाश मोबाइल फोन की मरम्मत करने वाले लंदन के उनके एक दोस्त ने किया था। रज्जाक ने कहा कि मजहर मजीद ने मेरे दोस्त से अपने फोन की मरम्मत करने के लिए कहा। मेरे दोस्त ने जब देर रात फोन ठीक किया,तो उसे मजहर और तीनों खिलाड़ियों के बीच कई संदेश मिले जिनमें मैच में स्पाट-फिक्सिंग की योजना का ब्यौरा था। मजीद को बाद में पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान सलमान बट और तेज गेंदबाज मोहम्मद आसिफ तथा मोहम्मद आमिर के साथ मिलकर टेस्ट मैच के दौरान स्पाट-फिक्सिंग की साजिश रचने के आरोप में जेल भेजा गया था। रज्जाक ने शाहिद अफरीदी को इसकी जानकारी दी। रज्जाक ने बताया कि अफरीदी ने आमिर को अपने कमरे में बुलाया और जब आमिर लगातार इन्कार करता रहा तो उसे जोरदार थप्पड़ मारा। तब आमिर रोने लगा और साजिश की बात कबूल कर ली।

पोर्ट वेले और साउथेंप्टन क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

फुटबाल डायरी

लंदन, एपी: एफए कप फुटबाल टूर्नामेंट के इस सीजन में लगातार बड़े उलटफेर जारी हैं। रविवार रात तीसरे दर्जे के पोर्ट वेले ने प्रीमियर लीग की टीम संडरलैंड को 1-0 से हरा दिया। वहीं औसत दर्जे के साउथेंप्टन ने भी एक और शीर्ष स्तर की टीम फुलहम को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

पोर्ट वेले फ्रेंच टूर्नामेंट लीग वन में संडरलैंड से 57 स्थान के अंतर के साथ सबसे नीचे है, लेकिन बेन वेन के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत उसने संडरलैंड को हराकर एफए कप के आखिरी आठ में लिवरपूल, आर्सेनल, मैनचेस्टर सिटी और चेल्सी जैसी बड़ी टीमों के साथ अपनी जगह पक्की कर ली। इसी तरह रास स्टीवर्ट ने 91वें मिनट की पेनाल्टी को गोल में बदलकर साउथेंप्टन की फुलहम पर जीत पक्की कर दी। कोच टोंडा एकर्ट के नेतृत्व में साउथेंप्टन की शानदार जीत का सिलसिला जारी है, लेकिन यह टीम पिछले सीजन में प्रीमियर लीग से रेलिगेट हो गई थी। टूर्नामेंट के एक अन्य मुकाबले में लीड्स ने नार्विच को 3-0 से हराया। इसमें सीन लांगस्टाफ, गेब्रियल गुडमंडसन और जोएल पिरो ने एक-एक गोल किया।

विलारियल ने एल्चे को हराकर एटलेटिको की बराबरी की: विलारियल ने संघर्ष कर रही एल्चे को 2-1 से हराकर स्पेनिश फुटबाल लीग ला-लीगा में तीसरे स्थान पर चल रहे एटलेटिको मैड्रिड के साथ अंकों में बराबरी कर ली। विलारियल के लिए कनाडा के स्ट्राइकर ताजोन बुकानन और उरुग्वे के डिफेंडर सैंटियागो मोरिनो के पहले हाफ में एक-एक गोल किया।

संडरलैंड के विरुद्ध गोल करते पोर्ट वेले के बेन वेन (सफेद जर्सी में) ● रायटर

जीत के साथ रेलीगेशन जोन से बाहर आया वेर्डर ब्रेमेन

बर्लिन, एपी: युवा खिलाड़ी पैट्रिस कोविक के बुंडेसलीगा लीग में पहले गोल की बदौलत वेर्डर ब्रेमेन 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे यूनियन बर्लिन को 4-1 से हराकर रेलीगेशन जोन से बाहर निकलने में सफल रहा। हालांकि कोविक के स्टापेज टाइम में आने से पहले ही उनकी टीम ने तीन गोल करके यह मुकाबला काफी हद तक अपने नाम कर लिया था। इस जीत से वेर्डर ब्रेमेन तीन पायदान ऊपर चढ़कर 13वें नंबर पर आ गई है और अब यूनियन बर्लिन से सिर्फ तीन अंक पीछे है। यूनियन बर्लिन को इस साल सिर्फ एक जीत मिली है और वह उन कई क्लबों में शामिल है जिन पर रेलीगेशन जोन का खतरा बना हुआ है।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

तेहरान में दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई के उत्तराधिकारी अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के समर्थन में आयोजित रैली में एकत्रित लोग। • एपी

ईरान ने मोजतबा खामेनेई को घोषित किया नया सुप्रीम लीडर

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने उनके दूसरे बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर घोषित किया है। 56 वर्षीय कट्टरपंथी मोजतबा की नियुक्ति पर ईरान में सर्वोच्च नेता का चयन करने वाली धार्मिक संस्था ने रविवार देर शाम मुहर लगाई। इस बीच चीन ने मोजतबा की नियुक्ति पर सधी प्रक्रिया देते हुए इसे वहां का आंतरिक मामला बताया और कहा कि ईरान की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। वहीं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मोजतबा को ईरान के नए सर्वोच्च नेता के रूप में नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं दीं।

नाटो रक्षा प्रणाली ने तुर्किये में ईरान की दूसरी बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया

- तुर्किये ने कहा, खतरे के खिलाफ कदम उठाएगा
- ईरान ने इस घटना पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की है

अंकारा, रायटर : तुर्किये ने दावा किया है कि नाटो की हवाई रक्षा प्रणाली ने ईरान से दागी गई दूसरी बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया। यह तुर्किये के हवाई क्षेत्र में घुस गई थी। ईरान ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उसने बार-बार कहा है कि वह क्षेत्रीय देशों के साथ युद्ध में नहीं है और तुर्किये को निशाना नहीं बना रहा है।

तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने कहा, "हम अपने हवाई क्षेत्र पर किसी भी खतरे के खिलाफ कदम उठाएंगे।" यह स्पष्ट नहीं था कि मिसाइल किस दिशा में जा रही थी। माना जा रहा है कि यह तुर्किये स्थित इंसिरलिक हवाई अड्डे पर तैनात अमेरिकी वायु सेना को निशाना बनाकर दागी गई थी। तुर्किये ने पिछले सप्ताह शुरू हुए युद्ध से पहले अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थता की कोशिश की थी। उसने पहले कहा था कि उसका वर्तमान में नाटो के अनुच्छेद 4 को लागू करने का कोई इरादा नहीं है, जिसके तहत किसी सदस्य देश पर खतरा होने पर सहयोगी देशों को परामर्श करने के लिए कहा जाता है। इस बीच, तुर्किये ने सोमवार को उत्तरी साइप्रस में छह एफ-16 लड़ाकू जेट और वायु रक्षा प्रणालियां तैनात कीं, ताकि तुर्किये समुदाय की सुरक्षा को बढ़ाया जा सके।

मैक्रों ने कहा कि फ्रांस लाल सागर में दो युद्धपोत भेजेगा

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन एस्पाइड्स के तहत लाल सागर में दो फ्रिगेट भेजेगा। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स और ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारियाकोस मित्सोटाकिस से मुलाकात के बाद मैक्रों ने कहा, "हम एक विशुद्ध रूप से रक्षात्मक, सुरक्षा मिशन स्थापित करने की प्रक्रिया में है, जिसे यूरोपीय और गैर-यूरोपीय दोनों देशों के साथ मिलकर तैयार किया जाना चाहिए।" क्रिस्टोडौलाइड्स ने कहा कि साइप्रस ईरान संघर्ष से संबंधित किसी भी सैन्य अभियान में शामिल नहीं होगा।

अमेरिकी ठिकानों की सुरक्षा के लिए यूक्रेन ने भेजे ड्रोन विशेषज्ञ

न्यूयार्क टाइम्स से

वाशिंगटन : समय कभी एक सा नहीं रहता। यह कहावत सच साबित हो रही है। कभी रूस के खिलाफ अमेरिका की ओर देखने वाला यूक्रेन अब ईरानियन ड्रोन से अमेरिकी ठिकानों की सुरक्षा के लिए अपने विशेषज्ञ भेजे हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ने जार्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए इंटरसेप्टर ड्रोन और ड्रोन विशेषज्ञों की एक टीम भेजी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने गुरुवार को मदद का अनुरोध किया था और यूक्रेनी टीम अगले ही दिन रवाना हो गई। उन्होंने कहा, "हमने तुरंत प्रतिक्रिया दी। मैंने कहा, हां, बिल्कुल, हम अपने विशेषज्ञ भेजेंगे।"

ईरान में अमेरिका-इजरायल युद्ध से दुनिया का ध्यान यूक्रेन युद्ध से हटकर दूसरी ओर जाने का खतरा है, लेकिन इससे यूक्रेन को अपनी मेहनत से हासिल की गई विशेषज्ञता और उन्नत तकनीक का इस्तेमाल एक नए मोर्चे पर करने का अवसर मिला है। यूक्रेन ने अमेरिकी सेना और उसके सहयोगियों को उन ईरानी डिजाइन वाले हमलावर ड्रोनों से बचाव में मदद की पेशकश की है, जिनका इस्तेमाल रूस कई सालों से यूक्रेन में कर रहा है।

पश्चिम एशिया में जंग तेज होने के साथ चीन के लिए अरबों डालर का जोखिम

2019 से 2024 के बीच चीन ने पश्चिम एशिया में 89 अरब डालर का किया निवेश

न्यूयार्क टाइम्स से

हांगकांग : तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में जंग तेज होने के साथ ही चीन के लिए आर्थिक जोखिम बढ़ रहा है। अमेरिका व इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद से सोमवार को तेल की कीमतें चार साल में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। इस युद्ध ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से होने वाले लगभग सभी परिवहन को रोक दिया है। इससे न केवल चीन को तेल की सप्लाई बल्कि उसके व्यापारिक सामान की ढुलाई पर भी असर पड़ सकता है।

टकराव के चलते चीन का बहुत कुछ दांव पर है। दरअसल चीन अपनी ऊर्जा जरूरत के लिए पश्चिम एशिया के तेल एवं गैस आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर है। ईरान उसका एक अहम आपूर्तिकर्ता है। पिछले कुछ सालों से उसे कच्चा तेल यहां से सस्ता सुलभ होता है। पिछले कुछ सालों में अमेरिका के साथ व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता बढ़ने के कारण चीन के लिए इस क्षेत्र का महत्व और भी बढ़ गया है। संयुक्त अरब अमीरात चीनी कारों के लिए सबसे तेजी से बढ़ता बाजार बन गया है। यहीं नहीं, सऊदी अरब और उसके पड़ोसी देशों में चीनी स्टील की मांग दोगुनी हो गई है। 2025 में पश्चिम एशिया के लिए चीन के निर्यात दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में लगभग दोगुने तेजी से बढ़े। चीन का निवेश भी वहां तेजी से बढ़ा है। यूरेसिया ग्रुप के चीन निदेशक डैन वांग के मुताबिक, 2019 से 2024 के बीच चीन ने पश्चिम एशिया में करीब 89 अरब डालर का निवेश किया।

चीन कूटनीतिक तौर पर सक्रिय, बातचीत से समाधान की कर रहा अपील

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद अपने हितों पर आंच आती देख चीन कूटनीतिक स्तर पर भी सक्रिय हो गया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान, इजरायल, ओमान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं से बातचीत कर टकराव रोकने की अपील की है। उनका कहना है कि वार्ता की टेबल पर बैठकर मुद्दे सुलझाए जाने चाहिए।

अमेरिकी मिसाइल से मारी गई थीं 160 ईरानी छात्राएं

- नए वीडियो और उपग्रह तस्वीरों से मिनाब हमले में अमेरिकी भूमिका के संकेत
- ट्रंप ने ईरान पर ही हमले का मढ़ा था दोष, पेंटागन ने जांच की बात कही

तेहरान : ईरान के दक्षिणी होरमोज्गान प्रांत के मिनाब शहर में स्थित एक प्राथमिक स्कूल पर हुए भीषण हमले में अमेरिकी मिसाइल के इस्तेमाल के संकेत मिले हैं। नए सामने आए वीडियो, उपग्रह चित्रों और स्वतंत्र जांचों से यह दावा मजबूत हुआ है कि 28 फरवरी को हुए इस हमले में अमेरिकी टामहाक क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल हुआ था। इस हमले में कुल लगभग 175 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें करीब 160 स्कूली छात्राएं शामिल थीं। इन बच्चों की उम्र सात से 12 वर्ष के बीच बताई गई है। यह स्कूल मुख्यत: लड़कियों के लिए था और इसके ठीक पास ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आइआरजीसी) का एक नौसैनिक अड्डा स्थित है। माना जा रहा है कि हमले का असली निशाना यही सैन्य ठिकाना था, लेकिन उसके पास स्थित शजराह तय्यबेह एलीमेंटरी स्कूल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्कूल पर अमेरिकी हमले के आरोपों को खारिज किया था। न्यूयार्क टाइम्स के एक पत्रकार के सवाल पर उन्होंने कहा, "नहीं। मेरे विचार से और जो मैंने देखा है, यह हमला ईरान ने ही किया है। उनके हथियारों की सटीकता बहुत खराब है।" उनके साथ खड़े अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि पेंटागन इस घटना की जांच कर रहा है। वहीं, इजरायल ने इस हमले में अपनी भूमिका से इन्कार किया है।

ईरान पर ब्रिटेन की प्रतिक्रिया से नाराज ट्रंप से स्टार्मर ने की बात

लंदन, प्रेट्र: ईरान युद्ध को लेकर ब्रिटेन की प्रतिक्रिया पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी नाराजगी जता चुके हैं। उनकी नाराजगी दूर करने के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर को उनसे बात करनी पड़ी है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ट्रंप से फोन पर पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की।

डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को ब्रिटिश विमानवाहक पोत को लेकर कहा था कि हमें उनकी जरूरत नहीं है। स्टार्मर ने युद्ध को लेकर अपने रुख का बचाव करते हुए सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ब्रिटिश नागरिकों की सुरक्षा को लेकर काम कर रही। जबकि डाउनिंग स्ट्रीट के एक प्रवक्ता के अनुसार, स्टार्मर और ट्रंप ने रविवार को फोन पर बातचीत की। उन्होंने कहा, 'दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के ताजा हालात और क्षेत्र में साझेदारों की सामूहिक आत्मरक्षा का समर्थन करने के लिए आरएएफ (रायल एयर फोर्स) के अड्डों के उपयोग के जरिये ब्रिट्रेन और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग पर चर्चा की।' उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी लोगों के प्रति छह अमेरिकी सैनिकों की मौत पर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।'

ईरान के तेल डिपो पर इजरायली हमले से अमेरिका काफी नाराज

- व्हाइट हाउस ने कहा, इससे आम लोगों को हो रही परेशानी
- हवा हुई जहरीली, लोगों को मास्क लगाकर निकलने की सलाह

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: इजरायल ने पिछले हफ्ते ईरान के तेल डिपो पर हमला किया था। इसकी वजह से भीषण आग लगी और चार लोगों की मौत हो गई। इस हमले से इजरायल और उसके सहयोगी अमेरिका के बीच मतभेद पैदा हो गए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इजरायल की ओर से ईरान के तेल डिपो पर जो हमले किए हैं, उससे हालात ज्यादा बिगड़ गए हैं।

इसी को लेकर अमेरिका नाराज है और उसका कहना है कि इजरायल को जंग को इस स्तर तक नहीं भड़काना चाहिए। ऐसी जंग से ईरान के आम लोगों को परेशानी हो रही है और ऐसा करना गलत था। जंग को ऐसा मोड़ नहीं लेना चाहिए। यही नहीं कहा जा रहा है कि जब तेल अवीव से अमेरिका को इन हमलों के बारे में बताया गया तो उसने नाराजगी जाहिर की। इजरायल का कहना था कि हमने जिन तेल सुविधाओं हमला किया है, उनका इस्तेमाल मिसाइल लांचर्स में ईंधन भरने के लिए क्या जाता था। लेकिन अमेरिका ने कहा कि हमें ऐसे हमले की उम्मीद नहीं थी।

एक्सियोस ने अपनी रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से लिखा है कि हम इस तरह के हमले से हैरान हैं। जंग में इतने भीषण हमले की उम्मीद भी हमने नहीं की थी। एक इजरायली अधिकारी ने कहा कि अमेरिका की प्रतिक्रिया चौंकने वाली थी। वहां से संदेश आया था- आपने यह क्या कर दिया...। हालांकि अब तक इस मसले पर खुलकर ना तो अमेरिकी अधिकारियों ने बात की है और ना ही इजरायल की ओर से कुछ कहा गया है। इजरायल की ओर से किए गए हमले के बाद तेहरान के आसमान में इतना धुआं उठा कि काला पड़ गया है। इसके अलावा आसपास की इमारतों और इलाके में तेल की मोटी परत जम गई है। इसकी सफाई करना मुश्किल हो गया है। यही नहीं आसमान में जमा धुआं अब धीरे-धीरे पिघलकर टपक रहा है। इसके कारण हवा जहरीली हो गई है। यही कारण है कि तेहरान के लोगों को मास्क लगाकर ही निकलने की सलाह दी गई है। इसके अलावा यदि जरूरी काम न हो तो बाहर निकलने से ही मना किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हमला ऐसा था कि एक डिपो पर आग लगी तो ऐसा लगा कि आग का दरिया ही निकल आया है।

देश के नागरिकों की रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : जयशंकर

- लोकसभा और राज्यसभा में पश्चिम एशिया के हालात पर दिया बयान
- सभी युद्धरत पक्षों से संयम बरतने और वार्ता शुरू करने की अपील

राज्यसभा में सोमवार को जानकारी देते विदेश मंत्री एस जयशंकर। • एएनआइ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा जरूरतों की रक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ईरान पर अमेरिका व इजरायल की तरफ से जारी हमले और इस युद्ध के लंबा खिंचने की आशंकाओं के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा और राज्यसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत शांति और कूटनीति के पक्ष में है और तनाव कम करने के लिए संवाद को ही समाधान मानता है। विदेश मंत्री ने बताया कि सरकार की नीति तीन प्रमुख आधारों पर टिकी है। पहला, क्षेत्र में शांति और तनाव कम करने के लिए संवाद व कूटनीति को बढ़ावा देना। दूसरा, पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करना और तीसरा, भारत के राष्ट्रीय हितों, विशेष रूप से ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रवाह की रक्षा करना।

विदेश मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुआ संघर्ष अब व्यापक रूप ले चुका है। सरकार ने शुरुआत से ही सभी पक्षों से संयम बरतने और संघर्ष को बढ़ने से रोकने की अपील की है। क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं, जबकि ईरान में भी हजारों भारतीय छात्र और पेशेवर मौजूद हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में एक मार्च को सुरक्षा पर मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी, जिसमें भारतीयों की सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा की गई। पश्चिम एशिया भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है और सरकार तेल-गैस आपूर्ति, कीमतों और जोखिमों पर लगातार नजर रखे हुए है। सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित रहें और ऊर्जा आपूर्ति बाधित न हो।

भारतीयों को ईरान जाने से बचने की सलाह : जयशंकर ने बताया कि सरकार ने पहले ही भारतीयों को ईरान जाने से बचने की सलाह दी थी और वहां मौजूद भारतीयों को सुरक्षित स्थानों पर जाने या देश छोड़ने के लिए कहा था। इस बारे में समय समय पर तीन परामर्श जारी किए गए। भारतीय दूतावासों ने हेल्पलाइन शुरू की है और कई भारतीयों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की है। समुद्री मार्गों पर काम करने वाले भारतीय नाविकों के लिए भी विशेष परामर्श जारी किए गए हैं।

67 हजार भारतीय नागरिक लौट चुके हैं स्वदेश : जयशंकर ने कहा कि हमारे राजनयिक दुबई, दोहा और अबू धाबी जैसे प्रमुख केंद्रों में फंसे ट्रांजिट यात्रियों की सहायता के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय नागरिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने की व्यवस्था की है, जिसमें यूएई से ओमान तथा कतर, कुवैत और बहरीन से सऊदी अरब तक की आवाजाही शामिल है। जहां-जहां हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खोला गया है, वहां हमने भारतीय यात्रियों की वापसी के लिए वाणिज्यिक उड़ानों को मंजूरी प्रदान की है और उनका संचालन किया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप लगभग 67 हजार भारतीय नागरिक स्वदेश लौट चुके हैं।

मानवीय आधार पर ईरानी जहाज को आने की अनुमति: विदेश मंत्री ने यह भी बताया कि संघर्ष के बीच ईरान का एक नौसैनिक जहाज आइरिस लावान कोच्चि बंदरगाह पर पहुंचा है। ईरान ने क्षेत्र में मौजूद अपने तीन जहाजों को भारतीय बंदरगाहों पर आने देने की अनुमति मांगी थी, जिसे भारत ने मानवीय आधार पर स्वीकार किया।

सीईसी ने बंगाल डीजी को लगाई फटकार, बोले-हमें सब पता है

- निर्वाचन आयोग का अफसरों को अल्टीमेटम, भ्रम में न रहें लापरवाही की कोई जगह नहीं
- कहा, दोषी अधिकारी को ऐसी जगह खड़ा किया जाएगा, जहां से वापसी का रास्ता नहीं मिलेगा

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : बंगाल में आगामी चुनावी समर की तैयारियों के बीच निर्वाचन आयोग ने राज्य प्रशासन और पुलिस तंत्र के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा रुख अख्तियार किया है। सोमवार को कोलकाता में हुई पूर्ण पीठ की मैराथन बैठक में उस वक्त सन्नाटा पसर गया, जब मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने राज्य के डीजी (कानून-व्यवस्था) विनीत गोयल को बीच में ही टोकते हुए बैठने का आदेश दे दिया। सूत्रों के अनुसार, राज्य में 'नारकोटिक्स एडवाइजरी कमेटी' के गठन में देरी पर जब गोयल स्पष्टीकरण देने के लिए खड़े हुए, तो मुख्य चुनाव आयुक्त ने तीखे लहजे में कहा कि हमें सब पता है, आप बैठ जाइए।

आयोग ने दो टूक चेतावनी दी कि हर अधिकारी के कामकाज का 'डिजिटल फुटप्रिंट' उनके पास मौजूद है और लापरवाही की कोई जगह नहीं है। तकरीबन 24 केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में आयोग का तेवर बेहद आक्रामक रहा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने अधिकारियों को आगाह करते हुए कहा कि वे इस गलतफहमी में कतई न रहें कि चुनाव आयोग केवल डेढ़-दो महीने के लिए सक्रिय है और उसके बाद चीजें फिर ढर्रे पर लौट आएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जानबूझकर की गई गड़बड़ी या उदासीनता अक्षम्य होगी। बैठक में मौजूद एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, आयोग ने यहां तक कह दिया कि अगर गड़बड़ी प्रमाणित हुई तो दोषी अधिकारी को ऐसी जगह खड़ा कर दिया जाएगा, जहां से वापसी का कोई रास्ता नहीं बचेगा।

आयोग की नाराजगी केवल पुलिस तक सीमित नहीं रही। रिजर्व बैंक (आरबीआइ), एयरपोर्ट अथारिटी, आबकारी और नारकोटिक्स विभाग को भी कड़ी फटकार लगाई गई। आयोग ने सवाल उठाया कि देश के अन्य राज्यों के उलट बंगाल में अब तक नारकोटिक्स कमेटी सक्रिय क्यों नहीं है? आबकारी विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि चुनाव के दौरान शराब का उत्पादन सामान्य से अधिक न हो और सीमावर्ती इलाकों में भट्टियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहे।

नेपाल चुनाव में तीन चौथाई सीटों पर बालेंद्र की पार्टी की जीत

बालेंद्र शाह। • प्रेट्र

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की विजय यात्रा जारी है। प्रतिनिधि सभा की सीधे चुनाव वाली 165 सीटों में से 161 के परिणाम घोषित हो चुके हैं और उनमें 124 सीटें आरएसपी को मिली हैं। चार सीटों पर मतगणना जारी है और उनमें से एक पर आरएसपी का प्रत्याशी आगे चल रहा है। पार्टी को संसद की तीन चौथाई सीटों पर जीत हासिल हो चुकी है। बड़े अंतर के साथ नेपाली कांग्रेस दूसरे स्थान पर है। जनता ने उसके 17 प्रत्याशियों को जिताया है। तीसरे स्थान पर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) है जिसे अभी तक आठ सीटें मिली हैं। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को सात सीटें मिली हैं। प्रचंड तो चुनाव जीतने में कामयाब रहे लेकिन पार्टी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल अपनी सीट नहीं बचा पाए और आरएसपी प्रत्याशी से चुनाव हार गए। श्रम संस्कृति पार्टी को तीन सीटें और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को एक सीट मिली है। आरएसपी नेता बालेंद्र (बालेन) शाह का अगला प्रधानमंत्री बनना लगभग तय है। वह नेपाल में मधेशी समुदाय के पहले प्रधानमंत्री होंगे, साथ ही देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री भी होंगे। चुनाव में पड़े कुल मतों का करीब 60 प्रतिशत भाग आरएसपी के हिस्से आया है। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 138 का है।

ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने जा रहा विपक्ष

नई दिल्ली, प्रेट्र: विपक्षी दल पहली बार मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने का नोटिस देने की तैयारी में हैं। इसी सप्ताह यह नोटिस संसद के निचले सदन में दिया जा सकता है। महाभियोग प्रस्ताव लाने को लेकर नोटिस का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद ने कहा, 'यह 100 प्रतिशत टीम वर्क है। मसौदा तैयार करने और योजना बनाने में सभी समान विचारधारा वाले दलों का सामूहिक प्रयास रहा है। दोनों सदनों में कार्यान्वयन भी पूरी तरह से टीमवर्क होगा।'

सरहदों की सुरक्षा के लिए भारत बना हुआ है दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश

सीपरी की रिपोर्ट में दिखी तस्वीर, यह हाल तब है जब बड़ी संख्या में हथियार घर में ही बनाए जा रहे

नई दिल्ली, जागरण न्यूज नेटवर्क : वर्तमान भू-राजनीतिक चुनौतियों के चलते देश के लिए सैन्य सुरक्षा बड़ी प्राथमिकता बन गई है। सरहदों की सुरक्षा के लिए भारत दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बना हुआ है। स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक रक्षा परिदृश्य में बड़े बदलाव आए हैं। एक तरफ भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है, तो दूसरी तरफ वह 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दे रहा है और रूस पर निर्भरता कम कर रहा है। हालांकि, चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ता सैन्य गठबंधन भारत के लिए निरंतर चिंता का विषय बना हुआ है।

2021-25 के दौरान हथियार आयातक देश : सीपरी ने 162 देशों और चार सशस्त्र समूहों को 2021-25 के दौरान प्रमुख हथियार आयातक देशों के रूप में पहचाना है। शीर्ष पांच आयातक देश - यूक्रेन, भारत, सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान - को इस अवधि में कुल वैश्विक हथियार आयात का 35 प्रतिशत प्राप्त हुआ। 2021-25 में यूरोप 1960 के दशक के बाद पहली बार कुल वैश्विक हथियार आयात में सबसे बड़ा हिस्सा (33 प्रतिशत) प्राप्त करने वाला क्षेत्र था। एशिया और ओशिनिया (31 प्रतिशत) इसके बाद दूसरे स्थान पर थे, इसके बाद मध्य पूर्व (26 प्रतिशत), अमेरिका (5.6 प्रतिशत) और अफ्रीका (4.3 प्रतिशत) का स्थान रहा।

Latest Jobs — Jagran Josh — www.jagranjosh.com

NPCIL : 245 ट्रेड अप्रेंटिस पद
- अंतिम तिथि: 18 मार्च, 2026
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से आईटीआई एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: npcilcareers.co.in

आरआरसी वेस्टर्न रेलवे : 5,349 अप्रेंटिस पद
- अंतिम तिथि: 23 मार्च, 2026
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से 10वीं/आईटीआई एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: rrc-wr.com

BPSC: 300 अभियोजन पदाधिकारी पद
- अंतिम तिथि: 20 मार्च, 2026
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से विधि स्नातक एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: bpsc.bihar.gov.in

HPCL : ग्रेजुएट इंजीनियर एवं अन्य पद
- अंतिम तिथि: 25 मार्च, 2026
- शैक्षणिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से अधिसूचना में वर्णित वांछित एवं अन्य समकक्ष योग्यता
- वेबसाइट/आवेदन: hindustanpetroleum.com

नौकरी टिप्स

बायोकेमिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में है सरकारी नौकरी के ढेरों मौके

जीवन के सभी क्षेत्रों में नवीनतम तकनीक अपनाए जाने के कारण बायोकेमिकल इंजीनियरिंग की भूमिका आज के बदलते दौर में काफी महत्वपूर्ण हो चुकी है. केंद्र/राज्य सरकार के विभागों जैसे कृषि, रसायन, पर्यावरण, खाद्य प्रसंस्करण, खनन, पेट्रोकेमिकल, तेल एवं प्राकृतिक गैस, प्लास्टिक, फार्मा आदि में नौकरी के ढेरों मौके निकलते हैं. बायोकेमिकल इंजीनियर बनने के लिए जरूरी है कि आप ग्रेजुएट (बीई/बीटेक) हों, साथ ही किसी प्रतिष्ठित संस्थान में सम्बन्धित क्षेत्र में कार्य का अनुभव होना चाहिए.

अधिक जानकारी के लिए विजिट करें www.jagranjosh.com या डाउनलोड करें Jagran Josh Sarkari Naukri App

भारत के सेटेलाइट मैन कहे जाते हैं उडुपी रामचंद्र राव

अंतरिक्ष विज्ञानी उडुपी रामचंद्र राव का जन्म 1932 में आज ही वर्तमान कर्नाटक के अदामारु में हुआ था। 1966 में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़े। 1975 में भारत के पहले सेटेलाइट आर्यभट्ट को लांच करने वाले विज्ञानियों की टीम का नेतृत्व किया। उन्होंने भास्कर और इनसैट शृंखला सहित 18 से अधिक सेटेलाइट के डिजाइन व प्रक्षेपण का नेतृत्व कर भारतीय दूरसंचार और मौसम पूर्वानुमान में क्रांति ला दी। 1984 से 1994 तक इसरो के अध्यक्ष रहे। एएसएलवी, पीएसएलवी और जीएसएलवी व क्रायोजेनिक तकनीक की पहल कर उन्होंने भारत को राकेट तकनीक में आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दिया।

अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने पहली बार टेलीफोन पर की बातचीत

1876 में आज ही अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने पहला सफल टेलीफोन काल किया था। उन्होंने बोस्टन स्थित अपनी प्रयोगशाला में अपने सहायक थामस वाटसन से प्रसिद्ध शब्द कहे, 'वाटसन, यहां आइए, मैं आपसे मिलना चाहता हूं।' इसने संचार के क्षेत्र में क्रांति ला दी।

टोक्यो पर हुआ इतिहास का सबसे विनाशकारी हवाई हमला

1945 में आज ही अमेरिका ने आपरेशन मीटिंगहाउस के तहत टोक्यो पर 300 से अधिक बी-29 बमवर्षक विमानों से 1,700 टन बम गिराए थे। इससे 16 वर्ग मील क्षेत्र जलकर राख हो गया व लगभग 1,00,000 नागरिक मारे गए। इसे इतिहास का सबसे विनाशकारी हवाई हमला माना जाता है।

एच-1बी पर ट्रंप के नियमों को पलटने के लिए अमेरिकी सदन में प्रस्ताव पेश

गत सितंबर में वीजा के संबंध में कार्यकारी आदेश पर किए गए थे हस्ताक्षर

वाशिंगटन, आइएएनएस: अमेरिका की संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के खिलाफ एक बिल पेश किया गया है, जिसमें एच-1बी वीजा के लिए कड़ी शर्तें लगाई गईं और शुल्क एक लाख डालर किया गया। अगर संसद के जरिये ट्रंप के इन नियमों को पलट दिया जाता है तो इससे भारतीयों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि यह वीजा भारतीय पेशेवरों में काफी लोकप्रिय है। अमेरिकी आइटी कंपनियां इसी वीजा के आधार पर विदेशी कामगारों को अपने यहां नौकरी देती हैं, जिनमें भारतीयों की बड़ी संख्या होती है।

डेमोक्रेटिक सांसद बोनी वाटसन कोलमैन ने प्रतिनिधि सभा में यह बिल पेश किया है, जिसमें ट्रंप के इस आदेश को निरस्त करने की मांग की गई है। ट्रंप ने गत सितंबर में इस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें एच-1बी वीजा के आधार पर नौकरी देने वाले नियोक्ताओं पर वेतन को लेकर सख्त शर्तें भी लगाई गईं। कोलमैन ने कहा, 'ट्रंप के अल्पदृष्टि वाले आदेश ने उन अमेरिकी नियोक्ताओं, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और शोध संस्थानों के लिए बड़ी अड़चनें खड़ी कर दी हैं, जो उच्च कौशल वाले पेशेवरों पर निर्भर करते हैं। एच-1बी वीजा प्रोग्राम घरेलू कामगारों की जगह नहीं लेता। यह अमेरिकी प्रतिभा और वैश्विक प्रतिभा के बीच एक पुल का काम करता है, जो अमेरिका की आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।'

क्या है एच-1बी वीजा : यह एक गैर-आप्रवासी वीजा है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवाओं के माध्यम से गृह सुरक्षा विभाग के पास कानूनी रूप से प्रति वर्ष 65 हजार एच-1बी वीजा जारी करने का अधिकार है। इसके अलावे उच्च डिग्री वाले आवेदकों को अतिरिक्त 20 हजार वीजा प्रदान किया जाता है। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर वर्ष हजारों कामगारों को नियुक्त करने के लिए एच-1बी पर निर्भर रहती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप। • आर्काइव

वीजा पाने वालों में सर्वाधिक भारतीय

ट्रंप ने एच-1बी कार्यक्रम के दुरुपयोग को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए गत सितंबर में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें नए एच-1बी वीजा के लिए शुल्क को बढ़ाकर एक लाख डालर कर दिया गया। इससे भारतीयों में चिंता और भ्रम पैदा हो गया था। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवाओं के डाटा के अनुसार, 2024 में मंजूर किए गए कुल एच-1बी वीजा में अकेले भारतीयों की हिस्सेदारी करीब 71 प्रतिशत थी।

कनाडा में बर्फ की चट्टान टूटने से 23 लोग फंसे

कनाडा, प्रेट्र : कनाडा के जार्जियाई खाड़ी के तट पर बर्फ की एक बड़ी चट्टान टूट जाने से करीब दो दर्जन लोग फंस गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि सभी 23 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार दोपहर हुई, जब बर्फ की परत अचानक खिसककर किनारे से करीब एक मील दूर बह गई और कई हिस्सों में टूट गई।

एक नजर में

बलूचिस्तान में सात नागरिकों की हत्या

क्वेटा : पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मानवाधिकार संगठनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने सात बलूच नागरिकों की न्यायेतर हत्या कर दी। मानवाधिकार संगठन पांक के अनुसार, जबरन लापता किए दो भाइयों के शव महीनों बाद बरामद हुए, जिन पर गोलियों के कई निशान थे। इसी बीच, क्वेटा की आतंकवाद विरोधी अदालत ने बलूचिस्तान के 12 कार्यकर्ताओं को आतंकवादी घोषित कर दिया है। (आइएएनएस)

तुर्किये तट पर तटरक्षक बोट से टक्कर में 14 प्रवासी डूबे

अंकारा : तुर्किये के भूमध्यसागरीय तट पर सोमवार को पीछा करने के दौरान प्रवासियों को ले जा रही एक नाव की तटरक्षक बोट से टक्कर हो जाने के बाद 14 प्रवासी डूब गए। गवर्नर हुलुसी साहिन ने बताया कि यह घटना अंताल्या प्रांत के डेमरे तट के पास हुई, जब अफगानों को ले जा रही नाव ने रुकने के निर्देशों को अनसुना कर दिया और तटरक्षकों के बोट से बचने के लिए गति तेज कर दी। (एपी)

इंडोनेशिया में ढहा कूड़े का पहाड़, पांच की मौत

जकार्ता : इंडोनेशिया में भारी बारिश के कारण कूड़े का पहाड़ ढहने से पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हो गए। जकार्ता के बंतरगेबांग एकीकृत अपशिष्ट उपचार संयंत्र में रविवार देर रात 300 से अधिक खोज और बचाव कर्मियों को लगाया गया। जकार्ता के खोज और बचाव कार्यालय की प्रमुख देसियाना कार्तिका बाहरी ने कि पुलिस, सैनिक और स्वयंसेवकों सहित बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी द्वारा जारी की गई तस्वीरों और वीडियो में खुदाई करने वाली मशीनें ढह चुके टीले को खोदती हुई दिखाई दे रही हैं, जहां कई कचरा ट्रक और छोटे खाने के स्टाल दबे हुए हैं। (एपी)

अमेरिकी सेना ने ड्रग तस्करों के बोट पर किया हमला, छह मरे

वाशिंगटन, एपी : अमेरिकी सेना ने रविवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में एक कथित ड्रग-तस्करी बोट पर हमले में छह को मार गिराया। यह हमला ट्रंप प्रशासन के कथित तस्करों के खिलाफ चलाए अभियान का हिस्सा है। रविवार के हमले के साथ ही सेना द्वारा किए गए हमलों में मरने वालों की संख्या 157 हो गई है।

पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरेबियन सागर में 40 से अधिक ज्ञात हमलों के संबंध में सेना के अधिकांश बयानों की तरह दक्षिणी कमान ने कहा कि उसने ज्ञात तस्करी मार्गों पर कथित मादक पदार्थों के तस्करों को निशाना बनाया। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं दिया कि बोट में ड्रग्स ले जाई जा रही थी।

पीड़िता को अपनी बात करने का पूरा अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

उन्नाव दुष्कर्म प्रकरण

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता को सीबीआइ द्वारा पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा के निलंबन को चुनौती देने वाली याचिका में पक्षकार बनने की अनुमति दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने लखीमपुर खीरी मामले में पारित अपने पूर्व के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पीड़ित को अपने हितों को प्रभावित करने वाली कार्रवाई में हिस्सा लेने के पूरा अधिकार है। पीठ ने पीड़िता को मामले में पक्षकार बनने की इजाजत देते हुए उन्हें दो सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने के लिए हलफनामा दाखिल करने को कहा है। हाई कोर्ट ने दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को विशेष अदालत से मिली उम्रकैद की सजा को स्थगित करते हुए उन्हें जमानत दे दी थी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) सूर्यकांत ने कहा कि हमारा मानना है कि पीड़ित को अपनी बात कहने का अधिकार है। हालांकि, शीर्ष न्यायालय ने पीड़िता की एक रिश्तेदार की ओर से दाखिल हस्तक्षेप अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपनी जान को खतरा बताया गया था।

टैगोर की कहानी 'शास्ति' पर बनेगी अंतरराष्ट्रीय फिल्म

कराची, प्रेट्र : पाकिस्तानी निर्माता आबिद मर्चेंट ने नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार रवीन्द्रनाथ टैगोर की 1893 की प्रसिद्ध लघुकथा शास्ति (सजा) पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय सह-निर्माण फिल्म बनाने की घोषणा की है। निर्माता के अनुसार यह महत्वाकांक्षी परियोजना पाकिस्तान, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, हांगकांग और आस्ट्रेलिया के फिल्म पेशेवरों को साथ लाएगी। फिल्म का निर्देशन बांग्लादेश की चर्चित फिल्म निर्माता लीसा गाजी करेंगी। यह फिल्म टैगोर की मूल कहानी की नई कल्पना है, जिसमें दो भाइयों और उनकी पत्नियों के इर्द-गिर्द घूमती एक हत्या की रहस्यमय घटना और अदालत की नाटकीय कार्यवाही दिखाई जाएगी।